!! बन्दीछोड़ सतगुरू रामपाल जी महाराज जी की जय हो !!

कलयुगी भाई की साजिश

बरवाला काण्ड

बरवाला काण्ड का सम्पूर्ण खुलासा सबूतों के साथ

For : AUDIO, VIDEO, PDF 'N' DOCUMENTRY PROOF Just click www.barwalakand.com

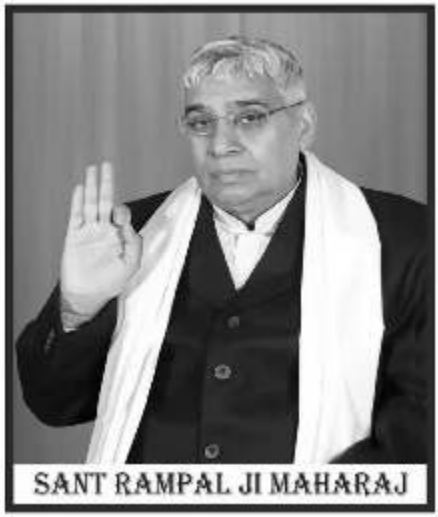

।। अथ मंगलाचरण।।

गरीब नमो नमो सत् पुरूष कुं, नमस्कार गुरू कीन्ही। सुरनर मुनिजन साधवा, संतो सर्वस दीन्ही।1।।
सतगुरू साहिब संत सब डण्डौतम् प्रणाम। आगे पीछै मध्य हुए, तिन कुं जा कुरबान।2।
नराकार निरविषं, काल जाल भय भंजनं। निर्लेपं निज निर्गुणं, अकल अनूप बेसुन्न धुनं।3।
सोहं सुरति समापतं, सकल समाना निरति लै। उजल हिरंबर हरदमं बे परवाह अथाह है, वार पार नहीं मध्यतं।4।
गरीब जो सुमिरत सिद्ध होई, गण नायक गलताना। करो अनुग्रह सोई, पारस पद प्रवाना।5।
आदि गणेश मनाऊँ, गण नायक देवन देवा। चरण कवंल ल्यो लाऊँ, आदि अंत करहूं सेवा।6।
परम शक्ति संगीतं, रिद्धि सिद्धि दाता सोई। अबिगत गुणह अतीतं, सतपुरूष निर्मोही।7।
जगदम्बा जगदीशं, मंगल रूप मुरारी। तन मन अरपं शीशं, भक्ति मुक्ति भण्डारी।8।
सुर नर मुनिजन ध्यावैं, ब्रह्मा विष्णु महेशा। शेष सहंस मुख गावैं, पूजैं आदि गणेशा।9।
इन्द कुबेर सरीखा, वरूण धर्मराय ध्यावैं। सुमरथ जीवन जीका, मन इच्छा फल पावैं।10।
तेतीस कोटि अधारा, उतरैं सहंस अठासी। उतरैं भवजली पारा, कटि हैं यम की फांसी।11।

विषय सूची

क्र०सं० विवरण

1. देश वासियों से प्रार्थना
2. भगत समाज से प्रार्थनाः– अब पढ़िये बरवाला कांड घटित होने के पीछे का कारण।
3. बरवाला कांड के विषय में भक्तो की शंका व सतगुरू देव जी के तत्वज्ञान आधार से उनका समाधान।
4. बरवाला कांड का सम्पूर्ण खुलासा सबूतो के साथ व राष्ट्रीय समाज सेवा समिति का लिखित संविधान।
5. संत रामपाल जी महाराज द्वारा चंदीगढ़ हाईकोर्ट में एफीडेविट देकर राष्ट्रीय समाज सेवा समिति के साथ किसी भी तरह के सम्बन्ध से इंकार करनाः–
6. राष्ट्रीय समाज सेवा समिति द्वारा भक्तो को जबरन इसका सदस्य बनाना ।
7. राष्ट्रीय समाज सेवा समिति द्वारा भक्तो पर दान के लिये दबाव डालना।
8. सतलोक आश्रम मैनेजमेंट के सेवादारो द्वारा भक्तो की बेरहमी से पिटाई ।
9. महेन्द्र व बलजीत द्वारा संत रामपाल महाराज जी के नकली हस्ताक्षर करना ।
10 संत रामपाल जी महाराज जी के दोनो पुत्रो मनोज व विरेन्द्र की बरवाला कांड में भूमिका ।
11. राष्ट्रीय समाज सेवा समिति द्वारा संत रामपाल जी महाराज की आड़ में न्यायालय पर तीन पुस्तकें लिखना।
12. बरवाला कांड में हरियाणा प्रशासन की भूमिका।
13. महेन्द्र दास व आश्रम के प्रवक्ता राजकपूर द्वारा मिडिया को झूठा बयान देना।
14. बरवाला कांड के बाद संत रामपाल जी महाराज का पहला बयान, वह भी राष्ट्रीय समाज सेवा समिति के खिलाफ।
15. बरवाला कांड के बाद राष्ट्रीय समाज सेवा समिति के अध्यक्ष व अन्य पदाधिकारियों द्वारा संत रामपाल जी महाराज जी के खिलाफ बयान देना।

क्र०सं०	विवरण
16.	संत रामपाल जी महाराज जी ने कहा की इन लोगो ने मेरा बना बनाया आशियाना उजाड़ दिया।
17.	संत रामपाल जी महाराज जी ने कहा की, आश्रम में गलत काम हुए लेकिन मैने नहीं किये, वे सभी गलत काम सेवादानों व समिति ने किये थे,
18.	हिसार जेल से आने वाले नकली पत्रो के पीछे का सच
19.	देशद्रोह के मुकदमे से महेन्द्र द्वारा अपने बेटे अमित की जमानत करवाने के पीछे का सच
20.	देशद्रोह में अन्य भक्तो की जमानत से महेन्द्र का भड़कना
21.-	भक्तो का हिसार तारिखो पर जाना सही या गलत
22.-	नामदान सेन्टर खोलकर राष्ट्रीय समाज सेवा समिति द्वारा धर्म को धन्धे में दब्दील कर भक्त समाज को लूटना
23.-	राष्ट्रीय समाज सेवा समिति द्वारा, संत रामपाल जी महाराज पर झूठ बोलने का आरोप लगाना,
24.	महेन्द्र एंड पार्टी का उधार मांगने वाला नकली लैटर
25.	गुरूजी की जमानत 15 महीने पहले ही हो सकती थी लेकिन महेन्द्र ने जानबूझकर नहीं होने दीः
26.	सतगुरू देव जी की माता इन्द्रो माई का निधनः– .
27.	संत रामपाल जी महाराज जी के दर्शनों के लिए नेपाल से आई भक्तमती बिन्दियां को फांसी लगाना,
28.	महेन्द्र दास की राजनीति व हरियाणा प्रशासन में सांठ गांठ का प्रमाण
29.	सत सेवको द्वारा राष्ट्रीय समाज सेवा समिति पर केस (याचिका लगाना) करना
30.-	राष्ट्रीय समाज सेवा समिति द्वारा 24 मार्च 2016 को भक्तों को पुलिस से भिड़वाना
31.	संत रामपाल जी महाराज जी की बेटी मंजू व भक्तमती अनारो की वर्तमान में भूमिका
32.	वकीलों ने संत रामपाल जी महाराज जी के मुकदमों को बनाया, अपनी कमाई का जरिया,
33.	महेन्द्र ने कहा की संत रामपाल जी महाराज के आदेशों के बाद भी, मेरी मंजूरी जरूरी हैं।

क्र०सं०	विवरण
34.	सतलोक आश्रम मैनेजमेंट द्वारा महेन्द्र को सारशब्द प्राप्त होने का झूठी अफवाह उड़ाना,
35.	महेन्द्र व उसके बेटे अमित द्वारा संगत से सोना (गोल्ड) दान करवाने की प्लानिंग
36.	पवित्र धार्मिक पुस्तक ''ज्ञान गंगा'' में मिलावट
37.	राष्ट्रीय समाज सेवा समिति द्वारा हरियाणा के जातिगत जाट आंदोलन का समर्थन करना।
38.	महेन्द्र दास द्वारा भक्तो से जबरन जातिगत राजनीति करवाना
39.	जाट नेता यशपाल मलिक का बयान.....संत रामपाल समर्थकों का समर्थन लेकर बदल देंगे सरकारः–
40.	संगत से धर्म के नाम पर लूटे दान का मैनेजमेंट द्वारा राजनीति में दुरूपयोगः–
41	संत रामपाल जी महाराज का नाम लेकर संगत में भंडारे बन्द करवाना, राष्ट्रीय समाज सेवा समिति का अपना मनमाना आदेश
42.	रोहतक में प्रकट दिवस के बहाने, राष्ट्रीय समाज सेवा समिति का राजनैतिक प्रदर्शनः–
43	एक करोड़ के देशी घी और एक ट्रक चावल का भुगतान गुरूजी जेल से केसव रूप में आकर दुकानदार को करके चले गएः–
44	अगर संगत में भण्डारे बन्द है तो फिर रोहतक में भण्डारा क्यों
45.	संत रामपाल जी महाराज जी पर चल रहे है पच्चीस के ऊपर मुकदमें।
46.	बरवाला कांड के दौरान राष्ट्रीय समाज सेवा समिति द्वारा बच्चों व महिलाओं की जवाबदारी से इंकारः–
47.	राष्ट्रीय समाज सेवा समिति द्वारा राजस्थान के गैंगस्टर आनंदपाल सिंह की सी०बी०आई० जांच का समर्थन करना :
48-	संगत से प्रार्थना :– अब मनवस मैनेजमेंट व महेन्द्र उतर आया है अपनी घटिया व नीच हरकतों परः–

1. देश वासियो से प्रार्थनाः-

भारत के सभी बुद्धिजीवी व शिक्षित नागरिको से प्रार्थना है कृपया इस विशेष लेख को अपने कीमती समय में से कुछ क्षण निकालकर पूरा पढ़ने का कष्ट करें।

18 नवम्बर 2014 को हरियाणा के बहुचर्चित बरवाला कांड से आप सभी परिचित होंगे, जिसमें हरियाणा प्रशासन के द्वारा हजारो की संख्या में पुलिस बल के साथ सतलोक आश्रम बरवाला पर अटैक किया गया था, वह इसलिए क्योंकि चंडीगढ़ हाईकोर्ट ने जगतगुरू तत्वदर्शी संत रामपाल जी महाराज के खिलाफ कोर्ट की अवमानना के चलते अरेस्ट वारंट जारी किया था, साथ ही जजो न्यायालय के खिलाफ तीन पुस्तके, **भ्रस्ट जज कुमार्ग पर, न्यायालय की गिरती गरिमा व सच बनाम झूठ,** को झापने के मामले में भी कोर्ट व प्रशासन ने सख्ती दिखाई थी, आपजी ने तत्कालीन समय मीडिया चैनलो के माध्यम से जो भी सुना और देखा, उस आधार से आपजी ने संत रामपाल जी महाराज के विषय में जो भी सोचा या सोच रखा है उसमे आप के विचारो का कोई दोष नहीं है, लेकिन वास्तविक सच्चाई कुछ और ही है जिससे आपजी ही नहीं बल्कि अभी तक संत रामपाल जी महाराज के शिष्य भी पूरी तरह से परिचित नहीं है, जगतगुरू तत्वदर्शी संत रामपाल जी महाराज लगभग पिछले 23 वर्षो से वसुधैव कुटुम्बकम की नीति पर चलते हुये समाज को प्रेम शांति और अहिंसा का पाठ पढ़ाते आ रहे है, शास्त्र अनुकूल भक्ति बताकर भक्त समाज के मोक्ष का मार्ग प्रसरत कर रहे है, संत रामपाल जी महाराज वैसे ही है जैसा वे अपने सत्संगो में समाज को बनने के लिए कहते है और लाखों शिष्यो को वैसा बनाया भी, लेकिन बरवाला काण्ड के समय ऐसा क्या हुआ की अचानक भक्ति मर्यादाओ से दूर उनके शिष्य हाथो में लाठी, पत्थर और पेट्रोल बम्ब लेकर हिंसक होकर मरने मारने के लिए पुलिस प्रशासन से जा भिड़े, देश दुनिया ने बरवाला काण्ड मे जो नजारा देखा, जैसे भक्तो के काले कपड़े, हाथो में डंडे व पेट्राल बम्ब आदि।

दरअसल संत रामपाल जी महाराज जी को एक साजिश के तहत काफी दिनो से सतलोक आश्रम मैनेजमेंट व राष्ट्रीय समाज सेवा समिति नामक मनमुखी संगठन के द्वारा न्यायिक व वास्तविक सच्चाई की कोई जानकारी नहीं लगने दी।

सतलोक आश्रम मैनेजमेंट के मुखिया व संत रामपाल जी महाराज के छोटे

भाई महेन्द्र दास व समिति के कुछ लोगो ने एक सुनियोजित षडयंत्र के तहत ही उन्हें चंडीगढ़ कोर्ट में पेश होने से जबरन रोक के रखा हुआ था जिस कारण बरवाला कांड जैसी दुःखद घटना ने जन्म लिया, क्योंकि बरवाला कांड के उपरांत मीडिया को दिए अपने बयान में संत रामपाल जी महाराज जी ने स्वयं कहा है कि **''मुझे आश्रम में रोककर रखा हुआ था, जिस कारण कोर्ट में पेश नहीं हो सका''**

24 नवम्बर, 2014

रामपाल बोला, 'वो' मुझे मार देते, छुपा रहा तो बच गया

सुरेंद्र सोढी, हिसार

सतलोक आश्रम के संचालक रामपाल ने पुलिस रिमांड के तीसरे दिन रविवार को भी देर सायं जानकारियां दीं। उसका कहना था कि वह तो अदालत में पेश होना चाहता था पर उसको सेवा समिति के पदाधिकारी इसके खिलाफ थे। वे लोग उसकी जान लेना चाहते थे। इसलिए वह आश्रम में छुप कर बैठ गया।

पुलिस पूछताछ में रामपाल ने कहा कि जब तक आश्रम की कमान उसके हाथ में थी, कोई गड़बड़ नहीं होती थी। पर सेवा समिति के पदाधिकारियों का कब्जा होते ही उसे भी बंधक बना लिया गया। आश्रम में इतने हथियार कहां से आए, इस सवाल पर रामपाल टकटकी लगाए पुलिस अधिकारी को देखता रहा। अंत में पूछा गया कि इतना पैसा कहां से आया तो बोला- 'मैं बेकसूर हूं, मुझे इतना पता है। कई बार बता दिया, लोग दान-चंदा दे दिया करते थे।'

उंगलियों के इशारे पर खुल गई तिजोरी

- रिमांड के तीसरे दिन हरियाणा पुलिस को मिली कई जानकारियां

बार राइफल, पांच बंदूक बरामद

रामपाल की निशानदेही पर पुलिस ने बार राइफल और पांच बंदूक बरामद किया। बार हजार लाठियां भी बरामद हुईं। इससे पहले भी आश्रम से भारी मात्रा में हथियार मिल चुके हैं। इस मामले में पुलिस ने अब तक 896 लोगों को गिरफ्तार किया है।

शाम तीन बजे रामपाल को हवालात से उसके आश्रम ले जाया गया। पुलिस उसको सीधे उसके कमरे में ले गई। तिजोरी, तहखाना और दरवाजों पर लगे कोड युक्त लॉक पर उसकी उंगलियां चलीं तो ताले खुलने लगे। इसके बाद रामपाल दो जोड़ी कपड़े लेकर वापस हवालात लौटा।

दो बुलेट प्रूफ जैकेट मिली

सतलोक आश्रम में सर्च अभियान के दौरान डीजीपी एसएन वशिष्ठ पहुंचे। इस दौरान पुलिस को दो बुलेटप्रूफ जैकेट भी मिले। इसके अलावा तीन लाख 41 हजार की नकदी बरामद हुई।

2. भगत समाज से प्रार्थनाः- अब पढ़िये बरवाला कांड घटित होने के पीछे का कारण

सतगुरू प्रेमी भक्त आत्माओं से करबद्ध प्रार्थना है कि सबूतों सहित इस पुस्तक को निष्पक्ष भाव से पूरा पढ़े, क्योंकि प्रमाण सहित बात निंदा नही बल्कि चेतावनी होती है और परमात्मा ने भी कहा है कि...''साँचा शब्द कबीर का प्रकट किया जग माही-जैसे को तैसा कहे सो तो निंदा नाही''....

अर्थात जो जैसा है उसे वैसा का वैसा बताना कोई निंदा नहीं बल्कि एक परापकारी कार्य में आता है, और यह परोपकार का कार्य परमात्मा के आशीर्वाद से तब तक सुचारू रहेगा जब तक संगत का बच्चा बच्चा अपने **सतगुरू रूपी परमपिता संत रामपाल जी महाराज जी** के साथ साजिश करने वाले कुछ गद्दारों की हर एक करतूतों से परिचित नहीं हो जाती है।

कुछ दिनों पहले दास अपने एक भगत भाई के धर चला गया, जैसे ही बाइक खड़ी करके गेट की तरफ चलने लगा तो अचानक उनके 4 साल के बेटे ने हँसते हुए हाथ जोड़कर सत साहेब किया, और मेरा हाथ पकड़कर बोला भगत जी, अपने मालिक जेल से बाहर कब आएंगे''।

दास उस बच्चे के निश्च्छल प्रभु प्रेम के सामने फीका पड़ गया, और सोचने पर मजबूर हो गया कि अब इस मासूल बच्चे को क्या जवाब दूँ, परमात्मा तो हर घटना को घटाने व बढ़ाने में सक्षम हैं।

जब 21 ब्रह्मांड के स्वामी काल भगवान का रिमोट परमात्मा के हाथ में है तो फिर ये कोर्ट कचहरी औ जजो की क्या बिसात है जो उन्हें कैद करके रख सके, लेकिन यह आध्यात्मिक खेल है इसे कोई सांसारिक या वैज्ञानिक दृष्टिकोण से देखेगा तो कभी भी समझ में नही आयेगा, इसे केवल तत्त्वज्ञान की दृष्टि से देखने वाला सतगुरू का कृपापात्र भक्त ही समझ सकता है कि वर्तमान में क्या खेल चल रहा है।

एक पुरानी कहावत है कि.... **''भगत के वश में है भगवान''** परमेश्वर अपने लायक और नालायक दोनों ही बच्चो की हर वो इच्छा पूरी करते है जिसके लिए वे भक्ति कर रहे होते है, और दुर्भाग्य से कुछ नालायक बच्चे सतगुरू देव संत रामपाल जी महाराज जी के नजदीक सतलोक आश्रम में केवल अपनी सुख सुविधाओं और आर्थिक इच्छा पूर्तियों के लिए उस समय भक्ति का ढोंग करने आये जब सतगुरू देव जी इस काल लोक की तमाम कठिनाइयों को झेलते–झेलते अपने बच्चों को तत्तवज्ञान देने करोंथा आश्रम में सत्संग करना शुरू कर दिया था, आश्रम खुलते ही काल भगवान के विशेष कृपापात्र **महेन्द्र उर्फ मोहनलाल (संत रामपाल जी महाराज जी का छोटा भाई)** सहित अन्य परिवार वालों ने भी आश्रम में एंट्री कर ली, जो कि पहले खुद सतगुरू देव जी का विरोध करते थे।

समय बीतता चला गया और शुरू से ही मनवश हो चुके महेन्द्र उर्फ मोहन लाल के दिमाग में खरपतवार बढ़नी शुरू हो गई, क्योंकि महेन्द्र ने जब आज भी सतगुरू देव जी को परमात्मा नहीं माना है तो उस समय उसका सतगुरू देव जी को परमात्मा मानने का सवाल ही पैदा नहीं होता है, धीरे धीरे बढ़ती संगत और दान की आवक को देखकर मनवश महेन्द्र के मन में गुरूपद हासिल करके चौधर अपने हाथ में लेने की लालसा जागने लगी और आखिरकार मनवश महेन्द्र ने एक दिन सतगुरू देव जी के समक्ष जाकर, भक्ति मार्ग से संबंधित कुछ विशेष अधिकार मांगकर ज्ञान विरूद्ध हरकत की, जिसके लिए सतगुरू देव जी ने सख्त मना कर दिया और अपनी भक्ति पर ध्यान देने को कहा।

बस यहीं से मनवश अहंकारी महेन्द्र के मन में गाँठ पड़ गई और अपनी गुरूपद की महत्वकांशा पूर्ति के लिए षड्यंत्र का ताना बाना बुनने में लग गया, करोंथा आश्रम के सारे मैनेजमेंट को अपने हाथ में लेने की दृष्टि से अपने जैसे मनवश लोगों की सेवादारों के नाम पर टीम खड़ी करने लग गया, और 2005 में अपनी नौकरी से इस्तीफा देकर व बलजीत लहरी की सतलोक आश्रम के मैनेजमेंट में एंट्री करवाकर गुरूजी को षड्यंत्र के तहत जेल में देखने के लिए नापाक योजना बनाने लगा, और अगले ही वर्ष इन्हीं मनवश लोगों की उल्टी हरकतों के चलते करोंथा जमीन के विवाद में आर्य समाजियों के विरोध व आश्रम पर हमले के चलते निर्दोष गुरूजी को 22 महीने अकारण जेल में रहना पड़ा, तथा उन 22 महीनों में भी महेन्द्र एंड पार्टी ने मालिक की जमानत के लिए सही नियत से कोई कानूनी कार्यवाही ना करके वकीलों की फीस आदि के नाम पर आज की तरह ऐसे ही भोली संगत को खूब लूटा, अर्थात भक्त के वश में है भगवान वाली कहावत मनवश महेन्द्र एंड पार्टी की मंशा पर चरितार्थ हुई अर्थात परमात्मा ने इनकी घटिया इच्छा को भी पूरा किया

22 महीने बाद सतगुरू देव जी ने जेल से बाहर आकर दया की और पुनः सत्संग करने लगे और उधर महेन्द्र एंड पार्टी भी पुनः अपना संगठन मजबूत करके नई साजिश में जुटी रही, **इसी साजिश के चलते गुरूजी के आदेशो के विरूद्ध 2010 में राष्ट्रीय समाज सेवा समिति (RSSS) का मनमाने तरीके से मनवश लोगों का संगठन खड़ा कर दिया गया और धीरे धीरे सतलोक आश्रम मैनेजमेंट को अपने कब्जे में करता चला गया,** यहां तक कि इन मनवश लोगों

द्वारा सतगुरू देव संत रामपाल जी महाराज की फोटो का कम्प्यूटर से दुरूपयोग करके और उनके नकली साइन करके पीठ पीछे आश्रम के पुराने ट्रस्ट को खत्म करके 2012 में नई ट्रस्ट को लुधियाना में रजिस्टर करवाकर अपने नाम कर लिया और उसका नतीजा आज सब के सामने है कि क्या से क्या हो गया, देखिए यह फोटो जो गद्दार महेन्द्र ने ट्रस्ट अपने नाम करवाने के लिए स्वयं बीच में खड़ा है और गुरूजी की फोटो को कम्प्यूटर से सबसे अंत में लगा रखा है.....

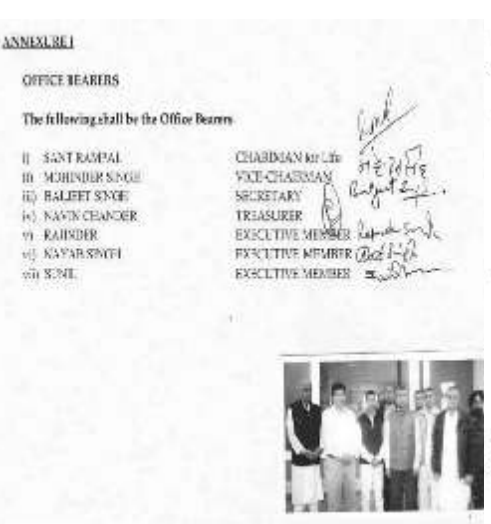

ANNEXURE I

OFFICE BEARERS

The following shall be the Office Bearers

i)	SANT RAMPAL	CHAIRMAN for Life
ii)	MOHINDER SINGH	VICE-CHAIRMAN
iii)	BALJEET SINGH	SECRETARY
iv)	NAVIN CHANDER	TREASURER
v)	RAJINDER	EXECUTIVE MEMBER
vi)	NAVAB SINGH	EXECUTIVE MEMBER
vii)	SUNIL	EXECUTIVE MEMBER

TRUST DEED

इसी मनवश राष्ट्रीय समाज सेवा समिति ने भोले भक्तों को काले कपड़े पहनाने से लेकर उनके हाथों में लठ पत्थर पेट्रोल बम्ब व बंदूके देकर उन्हें भक्तो से गुंडे बनाकर तथा सभी आदेश सतगुरू देव संत रामपाल जी महाराज के बताकर उनकी आड़ में बरलवाला कांड जैसा नरसंहार करवा दिया, लाखों परिवारों को भक्ति मार्ग से विमुख कर दिया, और सतलोक आश्रम बरवाला को वीरान बना दिया..... अन्यथा सोचने की बात है।

1. तत्त्वज्ञान व परमेश्वर का संविधान कहता है कि जिन आत्माओं को संविधान और कानून की पालना करवाकर जो महापुरूष (संत रामपाल जी महाराज) भक्त से पहले देश का एक सभ्य व आदर्श नागरिक बनने की शिक्षा देता है...**वह महापुरूष कभी स्वपन में भी कानून की अवहेलना नही कर सकता है।**

2. परमेश्वर के संविधान अनुसार जिस महापुरूष (संत रामपाल जी महाराज) ने सन 1994 के बाद आज तक अपनी 23 साल की आध्यात्मिक भक्ति यात्रा के सतमार्ग में जिन आत्माओं को उनके कुकर्म करने वाले हाथो में मंत्र कार्ड थमाया हो, सुमरनी थमाई हो और छिना झपटी करने वाले जिन हाथो को दान करना सिखाया हो.... **वह महापुरूष उन्ही आत्माओ को कमांडो बनाकर उनके हाथों में लठ, पत्थर और पेट्रोल बम्ब थमाकर स्वपन में भी बरवाला कांड करवाने के आदेश नहीं दे सकता हैं।**

3. परमेश्वर के संविधान अनुसार जिस महापुरूष (संत रामपाल जी महाराज) ने अपनी भक्ति युक्त आत्मा प्रहलाद भक्त पर आये संकट के समय स्वयं ढाल बनकर नरसिंह अवतार धारण करके सामने खड़ा हो गया था.... **क्या वही महापुरूष बरवाला कांड में अपनी सुरक्षा के लिए बेबस, मासूम बच्चो व महिलाओं को कभी ढाल बनाकर सतलोक आश्रम के गेट पर बैठा सकता है?**

अब यदि वास्तव में संगत गुरूजी के ऊपर से बदनामी के दाग हटता हुआ देखना चाहती है तो इस बरवाला कांड की **''लीला''** वाले मोतियाबिंद के चश्मा को उतारकर तत्त्वज्ञान का असली चश्मा चढ़ाकर धर्म को धंधे में तब्दील कर अपना पेट पालने वाले मनमुखी सतलोक आश्रम मैनेजमेंट व अपने कॉर्डिनेटर्स

के नम्बरो पर कॉल करके इस सच्चाई के विषय में सवालों के जवाब ले, जो आपको इस पुस्तक में आगे दिखाये जाएंगे....

1. बरवाला कांड से पहले जिन तत्त्वज्ञान हीन नकली संतो की गुरूजी के सामने आकर ज्ञान चर्चा करने की हिम्मत तक नही होती थी आज वे सभी नकली संत गुरूजी को ''फर्जी संत'' घोषित कर रहे है.... **केवल गद्दार सतलोक आश्रम मैनेजमेंट की महागलती के कारण**

2. बरवाला कांड से पहले कोई जानता तक नही था कि ठाकुर देवकी नंदन कोन है लेकिन आज उसका 20 साल का एक अदना सा अज्ञानी शिष्य यशराज, तत्त्वज्ञानी संत रामपाल जी महाराज के खिलाफ गंदी भाषा युक्त यू ट्यूब पर वीडियो डाल देता है और कोई ज्ञान आधार से जवाब देने की हिम्मत तक नही करता है सिवाय फेसबुक पर उआबाई के... **केवल गद्दार सतलोक आश्रम मैनेजमेंट की महागलती के कारण**

3. भक्त समाज कही गुरूजी की चर्चा करता है और बीच में कोई बरवाला कांड को लेकर गुरूजी के विषय में गंदा बोलने पर उतर आता है तो उस भक्त के पास शीश झुकाने के अलावा कोई चारा नहीं बचता है, क्योंकि **''लीला''** का नाम लेकर संगत को मूर्ख बनाया जा सकता है जगत को नही...

4. यदि कोई भक्त संतो के विषय में जेल में बैठे गुरमीत राम रहीम का हवाला देकर किसी को संत और असंत की परिभाषा बताने की कोशिश करता है तो उसे झट से जवाब मिलता है कि... तुम्हारे गुरूजी कोन से 5 स्टार होटल में बैठे है बात करता है संतो की और वह भक्त चुप हो जाता है. **केवल गद्दार सतलोक आश्रम मैनेजमेंट की महागलती के कारण।**

5. यदि कोई भक्त गुरूजी के तत्त्वज्ञान को सर्वश्रेष्ठ बताकर उन्हें एक परम संत के साथ–साथ संविधान व कानून का पालनकर्ता बताता है तो लोग यह कहकर तुरन्त चुप कर देते है कि... राम रहीम के पास तत्त्वज्ञान नही था लेकिन फिर भी उसने भारतीय कानून और संविधान की पालना की और कोर्ट के आदेश का सम्मान करते हुए पेश हो गया... लेकिन तुम्हे और तुम्हारे गुरूजी को तो तत्त्वज्ञान भी था उसके बाद भी ना तो कानून का पालन हुआ और नाही

कोर्ट का सम्मान हुआ, इसके बाद भक्त के पास जवाब नहीं होता है... **केवल गद्दार सतलोक आश्रम मैनेजमेंट की महागलती के कारण।**

अतः स्पष्ट है कि बरवाला कांड मनमुखी सतलोक आश्रम मैनेजमेंट और राष्ट्रीय समाज सेवा समिति नामक मनवश उपद्रवी संगठन की मनमानियों के चलते हुआ है

इतना सब होने पर भी कुछ नासमझ भगत यह कहते है कि यह तो परमात्मा की ''लीला'' चल रही है।

3.बरवाला कांड के विषय में भक्तो की शंका व सतगुरू देव जी के तत्वज्ञान आधार से उनका समाधान :- उपरोक्ट संदेश पढ़ने के बाद अब संगत को यह शंका होना स्वभाविक है कि... अगर मैनेजमेंट गलत कर रहा था तो क्या गुरूजी को पहले पता नहीं था, क्या कमांडो गुरूजी के साथ हिसार और रोहतक तारीखों पर नहीं जाते थे, क्या बरवाला कांड में बाहर खड़े कमांडो गुरूजी को दिखाई नहीं दे रहे थे, अगर गुरूजी के आदेश नहीं होते तो गुरूजी ने क्यों नहीं बताया कि कमांडो मेरे नहीं है और मेरा कोई आदेश नहीं है

सतगुरू के ज्ञान आधार से शंका समाधानः- सतगुरू देव जी ने सत्संग में बताया कि 650 साल पहले जब एक गणिका बहन (वैश्या) कबीर साहेब के सत्संग सुनकर और अपने कुकर्मो से परिचित होकर आत्म कल्याण के लिए सत्संग में आने लगी थी, उस समय भी आश्रम के मैनेजमेंट द्वारा उस बहन को वैश्या की दृष्टि से देखा जाता था और उसे अपनी और गुरूजी की बेइज्जती समझते हुए सत्संग में आने से रोकने लगे,

मैनेजमेंट से काफी परेशान होकर गणिका बहन ने अपना सारा दुख कबीर साहेब को बताया तो कबीर साहेब बोले, बेटी आप ऐसे ही सत्संग में आते रहो, उधर कबीर साहेब ने काल भगवान के साथ किए हुये वायदे अनुसार मैनेजमेंट पर दबाव ना देते हुए इशारो ही इशारो में सत्संग के माध्यम से उन्हें समझाने की कोशिश करने लगे की **''भाई कुष्टी होवै संत बंदगी कीजिए-हो वैश्या कै विस्वास चरण चित दीजिए''**

लेकिन मान बड़ाई और चौधर की आग में पक चुके मैनेजमेंट को कबीर

साहेब की सैन (इशारे) समझ में नहीं आये तो सोचा कि अब ये मैनेजमेंट भक्त ना रहकर अपने आप को भगवान समझ बैठा है एक बार इनकी फड़क निकाल ही देता हूँ, और साथ ही संगत का भी झाड़ा ले लेता हूँ कि कितने भक्त ज्ञान आधारी है और कितने चमत्कार और सुखों के वशीभूत होकर भक्त बनने का नाटक कर रहे है और उसके बाद क्या हुआ हम सब जानते है

यह उदाहरण उन भक्तो के लिए है जो आज यह कहते हैं कि **क्या राष्ट्रीय समाज सेवा समिति और महेन्द्र जी के विषय में गुरूजी को पता नहीं था कि वे कुछ गलत कर रहे हैं**

अतः जिस तरह 650 साल पहले कबीर साहेब को मैनेजमेंट की हरकतों व गणिका बहन के साथ किये जाने वाले दुव्यवहार आदि के विषय में सब पता था.. ठीक उसी तरह सतलोक आश्रम बरवाला में भी अन्तर्यामी सतगुरू देव जी को महेन्द्र व राष्ट्रीय समाज सेवा समिति के सब कारनामों का पता था लेकिन जिस तरह काशी में सब कुछ मालूम होते हुए भी पमेश्वर ने अपने गुणों के अनुसार सीधे शब्दों में ना कहकर औ काल भगवान के साथ किये वायदे अनुसार सीधे दबाव डाले बिना केवल इशारो में सब कुछ बता दिया था... ठीक वैसे ही बरवाला कांड से पहले के यदि सत्संग सुने जाए और गौर किया जाए तो सतगुरू देव जी ने सतलोक आश्रम मैनेजमेंट को सैकड़ो बार भगत बने रहने की इशारो इशारो में संकेत किये थे, लेकिन दुर्भाग्यवश मनवश महेन्द्र सहित मोटी बुद्धि वाले चौधरी लोग समझ नहीं सके या समझकर भी नासमझ बने रहने का नाटक करते रहे, इस बात को सतगगुरू देव जी और चौधरियों के अलावा कौन बेहतर जान सकता है

बरवाला कांड तो काल भगवान ने अपने महेन्द्र जैसे मनवश यंत्रों के माध्यम से करवाना ही था लेकिन साथ ही परमेश्वर ने भी इसी बहाने काशी की तरह आश्रम मे बढ़ रही गंदगी व संगत का भी ज्ञान आधार से झाड़ा लेना था, अन्तर्यामी सतगुरू देव जी तो इन महेन्द्र जैसे चौधरियो के मन में जमा हो चुकी उस गंदगी से पहले ही परिचित थे जो आने वाले समय में भक्त समाज और इस पवित्र भक्तिमार्ग के लिए रोड़ा बनने जा रही थी, लेकिन लाल और लालड़ी की कहानी वाले उस ताऊ की तरह सतगुरू देव जी को तो सब पता था कि कौन

सा लाल है और कौन सी लालड़ी लेकिन ताऊ उन नादान बच्चों को भविष्य में धोखा खाने से बचाने के लिए और सफल व्यापारी बनाने के लिए चाहता था कि ये बच्चे भी अपने विवेक से लाल और लालड़ी की पहचान करना सीख जाएं और मेरे शरीर छोड़ने के बाद ये बच्चे कभी धोखा ना खा जाये,

परमेश्वर की दी हुई बुद्धि से लगता है की आज गुरूजी (परमेश्वर) भी उस ताऊ की तरह यही चाहते हैं कि मेरे बच्चे भक्त और अभक्त में पहचान करके मेरे द्वारा दिये गए तत्त्वज्ञान की रोशनी में चलना सीख जाएं तांकि कल को मेरे सतलोक जाने के उपरांत ऐसे कालदूतों के धोखों से बचे रहे और इस सतभक्ति से मोक्ष प्रापत करके मेरे पास आते रहे,

लेकिन परमेश्वर के इशारों को ना समझकर संगत आज भी अपने इस अनमोल भक्ति मार्ग के वर्तमान निर्णय तत्त्वज्ञान की रोशनी से ना लेकर, केवल नकली पत्र, संदेहप्रद ऑडियो, और मैनेजमेंट के मनमखी आदेशों के सहारे अधिक चल रही है

जब आज साक्षात प्रथ्वी पर परमेश्वर के रहते सहते संगत का यह हाल है तो कल को परमेश्वर जब अपना लीलामई पंचतत्त्व शरीर त्यागकर अपने निज लोक सतलोक को प्रस्थान करेंगे और उस समय भी यदि मनवश महेन्द्र जैसे कालदूत वर्तमान जैसी गुरूद्रोही वाली स्थिति पैदा कर देंगे तो, जो संगत आज एक दूसरे की देखादेखी में चलते हुए सही गलत का निर्णय नहीं कर पा रही है तो कल को गुरूजी की अनुपस्थिति में कैसे कर पायेगी।

क्योंकि कल को ना तो कोई पत्र और नाहीं कोई ऑडियो सतलोक से आयेगा, नाही सतलोक में ए.पी. सिंह वकील और महेन्द्र का लड़का अमित मिलने जा सकता है, नाही रोहतक में गुरूजी की बेटी मंजू के पास सतलोक से फोन आ सकता है आदि आदि, अतः विवेकी भक्त लिए तो इशारा ही काफी है, परमेश्वर की दी हुई बुद्धि से लगता है परमेश्वर सतलोक से इस गंदे लोग में केवल संगत के लिए ही आयें हैं अब अगर संगत विवेकी ना बनकर केवल नासमझ बने रहना चाहती है तो फिर सीधी सी बात है परमेश्वर तत्त्वज्ञान लेकर भी नासमझी व देखदेखी में चल रहे जीवों को सतलोक ले जाने के

लिए इस गंदे लोग में नहीं आते हैं, अर्थात नासमझ व मूर्खो के समूह में से जो जो उनकी आत्मा सत्य का संग करके तत्त्वज्ञान आधार से अपने भक्ति रूपी सफर में मर्यादा से चलेगी केवल उन्हें ही परमेश्वर अपनी शरण में लेते रहेंगे,

जो समर्थ परमेश्वर सतलोक में बैठे बैठे अक्षर पुरूष के 16 संख ब्रह्मांड और काल भगवान के 21 ब्रह्मांड चला सकते हैं तो उस समर्थ के लिए जेल में बैठे बैठे मुट्ठी भर जीवों को पार करना कौन सी बड़ी बात है,

लेकिन सतगुरू देव जी द्वारा प्रदत बुद्धि से लगता है कि जो भक्त आज परमेश्वर के तत्त्वज्ञान को नजरअंदाज कर केवल राष्ट्रीय समाज सेवा समिति, मनमुखी सतलोक आश्रम मैनेजमेंट, नकली पत्र व संदेहप्रद ऑडियो रूपी लाठी के सहारे अंधे होकर चल रहे हैं, उनके लिये 650 साल पहले की तरह पछतावे के अलावा कुछ भी हाथ लगना शेष नहीं रह जायेगा।

महेन्द्र जैसे मनवश लोगों के नापाक इरादों को देखते हुए समय बहुत कम बचा है और अगर जल्दी ही संगत ने समय रहते तत्वज्ञान आधार से निर्णय लेकर अपना भक्ति सफर शुरू नहीं किया और ऐसे ही इन चौधरियों के इशारों पर चलती रही तो आने वाले समय में पूरे विश्व की बर्बादी का कारण केवल देखादेखी में चल रही संगत होगी

प्रार्थी/लेखक
जगतगुरू तत्वदर्शी परमसंत सतगुरू रामपाल जी महाराज जी का शिष्य
पवन दास, जयपुर (राजस्थान)
8769548494, 8696215598

4. देखिए सारी सच्चाई सबूतो सहित व प्रत्येक संदेश के साथ नीचे सबूत के लिए फोटो कॉपी दी जा रही है साथ ही ऑडियो, वीडियो, व पीडीएफ फाइल आदि सबूत देखने के लिए www.barwalakand.com पर देख सकते हैं।

राष्ट्रीय समाज सेवा समिति का गठन व संविधानः- महेन्द्र उर्फ मोहन लाल ने सतगुरू रामपाल जी महाराज जी के मना करने के बावजूद राष्ट्रीय समाज सेवा समिति का गठन किया और 14 पेज का एक लिखित संविधान बनाय, जिसके पॉइंट नंबर 8 पर कहा गया है कि कोई भी अनुपदेशी इस समिति का सदस्य बन सकता है **(अर्थात 8 नंबर पॉइंट के तहत महेन्द्र ने अन्य बाहरी असामाजिक तत्वों जैसे आर्य समाज के लोगो को बरवाला कांड से पहले ही अपने षडयंत्र में शामिल कर लिया था साथ ही**

इसी तरह पॉइंट नंबर 12 पर लिखा है कि राष्ट्रीय समाज सेवा समिति संत रामपाल जी महाराज से किसी भी कार्य में कोई दिशा निर्देश नही लेगी, संत रामपाल जी का काम केवल सदग्रंथो को पढ़कर सत्संग करना और नामदान देना ही रहेगा, बाकी जिम्मेदारियों से उनको मुक्त किया जाता है **(अर्थात गुरूजी से कोई भी दिशा निर्देश ना लेना का मतलब यह समिति मनमाना आचरण करेगी और बरवाला काण्ड में वही मनमाना काम इन लोगो ने कर दिया, जैसे भक्तो को गुरूजी के आदेश बताकर उनके हाथों में बन्दूक, लठ, डंडे और पैट्रोल बम्ब थमाकर कमांडो बनाकर आश्रम के बाहर मरने मारने के लिए खड़ा कर दिया देखिये, इसकी पूरी पीडीएफ फाईल देखने के लिए हमारी वेबसाइट www.barwalakand.com पर देखें।**

(8.) 'राष्ट्रीय समाज सेवा समिति' का पदाधिकारी केवल सतनाम प्राप्त भक्त ही बन सकता है, सदस्य बिना नाम लिए हुए भी बन सकता है जो समिति के नियमों का पूर्ण तौर से पालन करेगा।

(12.) 'राष्ट्रीय समाज सेवा समिति' 'संत रामपाल जी महाराज' से किसी प्रकार के कार्य में दिशा-निर्देश नहीं लेगी क्योंकि 'संत रामपाल जी महाराज' का कार्य केवल सभी धर्मों के धार्मिक सद्ग्रन्थों का अध्ययन करके सत्संग प्रवचन करना तथा आने वाले भक्तजनों को नाम दीक्षा देना ही रहेगा। अतः 'संत रामपाल जी महाराज' अन्य सभी प्रकार की जिम्मेदारियों से मुक्त रहेंगे।

5.संत रामपाल जी महाराज द्वारा चंदीगढ़ हाईकोर्ट में एफीडेविट देकर राष्ट्रीय समाज सेवा समिति के साथ किसी भी तरह के सम्बन्ध से इंकार करना:- 2014 में जब राष्ट्रीय समाज सेवा समिति ने मनमाने तरीके से कुछ जवान भक्तो को अपने कॉर्डिनेटर सिस्टम के माध्यम से गरूजी के आदेश बताकर ब्लैक कमांडो बनाने शुरू कर दिए, और गुरूजी की हिसार व रोहतक पेशियों पर अपने शक्ति प्रदर्शन के लिए प्रयोग करने लगे, इस घटनाक्रम के चलते चंडीगढ़ हाई कोर्ट ने गुरूजी से समिति के विषय में जवाब मांगा तो चंडीगढ़ हाई कार्ट के इस आदेश पर **गरूजी ने अपना बयान एफिडेविट के माध्यम से दिया, जिसमें गुरूजी ने साफ साफ कहा है कि ''मेरा राष्ट्रीय समाज सेव समिति से कोई लेना देना नही है... जबकि राष्ट्रीय समाज सेवा समिति के अध्यक्ष मास्टर रामकुमार ढाका ने कोर्ट में गुरूजी के बयानों के विरूद्ध अपना बयान दिया कि राष्ट्रीय समाज सेवा समिति संत रामपाल जी महाराज के द्वारा ही बनाई गई है।**

CRCCP-12-2014 (O&M)

IN THE HIGH COURT OF PUNJAB & HARYANA AT CHANDIGARH

CRCCP-12-2014 (O&M)

Versus

Present: Mr.R.S.Pur, Senior Advocate, with

Mr.Gautam Dutt, Advocate, for the contemner.

Mr.Sandeep Varman, Addl.A.G., Haryana.

The affidavit further contains an averment that Rampal Dass has neither issued any direction nor appeal to anybody to be present either at Hisar or Rohtak and devotees of their own had assembled at

CRCCP-12-2014 (O&M)

Hisar and Rohtak but in the next very para, deposes that the decision to come to Hisar and Rohtak Courts on 14.07.2014 and to arrange security for Rampal Dass was taken by the National Social Service Committee collectively.

The affidavit filed by Rampal Dass on 28.08.2014, reveals that Rampal Dass disowns any connection with the members of the National Social Service Committee and deposes that he never called upon them to be present at Hisar or Rohtak but in paragraph 7 admits that people who had come to Hisar and Rohtak are members of the National Social Service Committee being run by Master Ram Kanwar Dhaka.

➡ गुरू जी ने साफ मना किया है, कि मेरा RSSS से कोई सम्बन्ध नही है

Mr. Ram Kanwar Dhaka, who is present in Court, states that all members of the National Social Service Committee are devotees of Rampal Dass and have taken 'Guru Diksha' i.e. 'Naam', binding them as devotees of Rampal Dass. He further states that nobody can become an office bearer of the society without being a devotee and taking 'Naam' personally from Rampal Dass. Mr.Ram Dhaka ने प्रोल्शा से सोच करने कि कोशिश कि RSSS गुरु जी दुकान चलाई जाती है, जबकि गुरु जी ने साफ मना किया था

6. बरवाला कांड से पहले राष्ट्रीय समाज सेवा समिति ने संगत को बरवाला आश्रम में कुछ पर्चे बटवाकर जबरन इस समिति का सदस्य बनने के लिए दबाव भी बनाया था कि " **सारनाम प्राप्त भक्त या भक्तमति को इस समिति का सदस्य बनाया अनिवार्य है नहीं तो सतलोक आश्रम में उनका प्रवेश सदा सदा के लिए बंद कर दिया जायेगा** "अर्थात जो पूर्णतया सतगुरू देव जी के तत्वज्ञान के विरूद्ध है क्योंकि परमात्मा ने यह सतभक्ति ज्ञान आधार की बताई है नाकि की दबाव की, इससे साफ जाहिर है कि महेन्द्र एंड पार्टी द्वारा भक्तो को डराकर जबरन इस समिति का सदस्य बनाया गया था, देखिए।

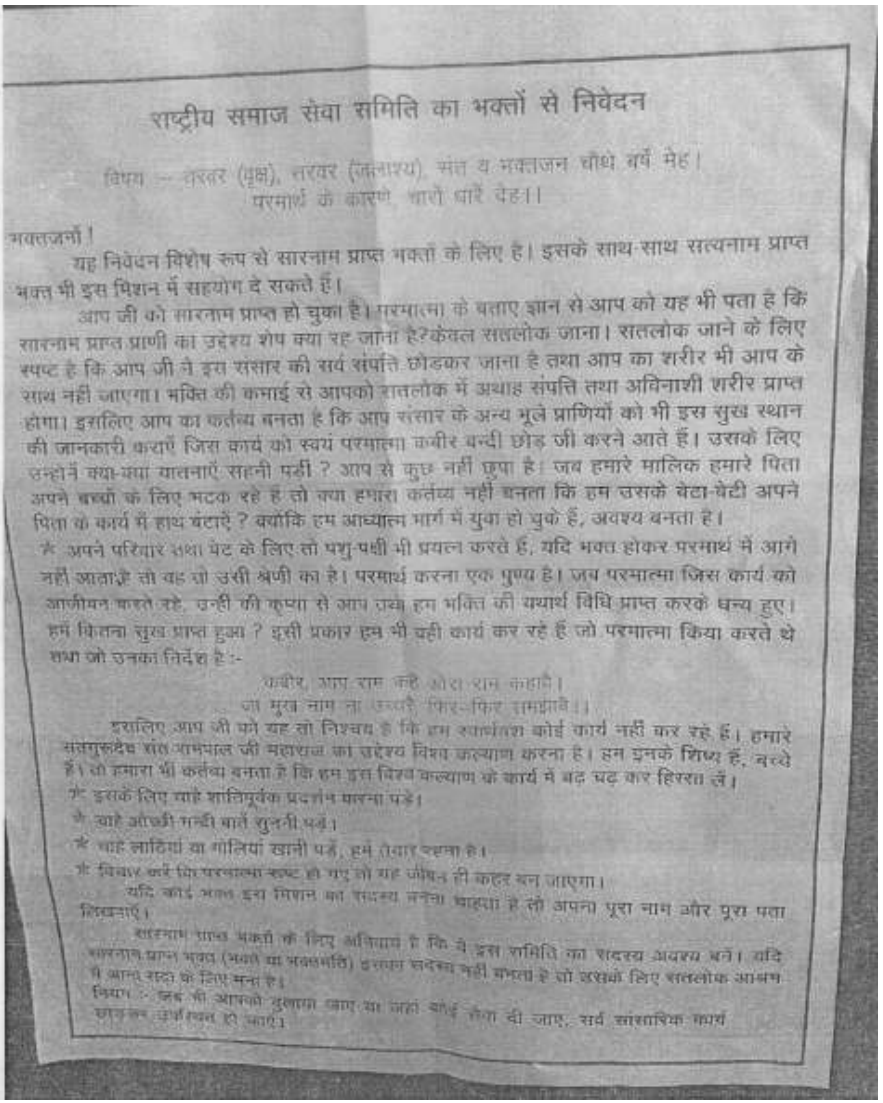

राष्ट्रीय समाज सेवा समिति का भक्तों से निवेदन

विषय — तरवर (वृक्ष), तरवर (जलाशय), संत व भक्तजन चौथे वर्ष मेह।
परमार्थ के कारण, चारों धारें देह।।

भक्तजनों !

यह निवेदन विशेष रूप से सारनाम प्राप्त भक्तों के लिए है। इसके साथ-साथ सत्यनाम प्राप्त भक्त भी इस मिशन में सहयोग दे सकते हैं।

आप जी को सारनाम प्राप्त हो चुका है। परमात्मा के बताए ज्ञान से आप को यह भी पता है कि सारनाम प्राप्त प्राणी का उद्देश्य शेष क्या रह जाता है? केवल सतलोक जाना। सतलोक जाने के लिए स्पष्ट है कि आप जी ने इस संसार की सर्व संपत्ति छोड़कर जाना है तथा आप का शरीर भी आप के साथ नहीं जाएगा। भक्ति की कमाई से आपको सतलोक में अथाह संपत्ति तथा अविनाशी शरीर प्राप्त होगा। इसलिए आप का कर्तव्य बनता है कि आप संसार के अन्य भूले प्राणियों को भी इस सुख स्थान की जानकारी कराएँ जिस कार्य को स्वयं परमात्मा कबीर बन्दी छोड़ जी करने आते हैं। उसके लिए उन्होंने क्या-क्या यातनाएँ सहनी पड़ीं ? आप से कुछ नहीं छुपा है। जब हमारे मालिक हमारे पिता अपने बच्चों के लिए भटक रहे हैं तो क्या हमारा कर्तव्य नहीं बनता कि हम उसके बेटा-बेटी अपने पिता के कार्य में हाथ बंटाएँ ? क्योंकि हम आध्यात्म मार्ग में युवा हो चुके हैं, अवश्य बनता है।

* अपने परिवार तथा पेट के लिए तो पशु-पक्षी भी प्रयत्न करते हैं, यदि भक्त होकर परमार्थ में आगे नहीं आता है तो वह तो उसी श्रेणी का है। परमार्थ करना एक पुण्य है। जब परमात्मा जिस कार्य को आजीवन करते रहे, उन्हीं की कृपा से आप तथा हम भक्ति की यथार्थ विधि प्राप्त करके धन्य हुए। हमें कितना सुख प्राप्त हुआ ? इसी प्रकार हम भी वही कार्य कर रहे हैं जो परमात्मा किया करते थे तथा जो उनका निर्देश है :-

कबीर, आप राम कहै औरा राम कहावै।
जो मुख नाम ना उच्चरै फिर-फिर समझावै।।

इसलिए आप जी को यह तो निश्चय है कि हम स्वार्थवश कोई कार्य नहीं कर रहे हैं। हमारे सतगुरुदेव संत रामपाल जी महाराज का उद्देश्य विश्व कल्याण करना है। हम इनके शिष्य हैं, बच्चे हैं। तो हमारा भी कर्तव्य बनता है कि हम इस विश्व कल्याण के कार्य में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लें।

* इसके लिए चाहे शांतिपूर्वक प्रदर्शन करना पड़े।
* चाहे ओछी मन्दी बातें सुननी पड़ें।
* चाहे लाठियां या गोलियां खानी पड़ें, हमें तैयार रहना है।
* विचार करें कि परमात्मा स्पष्ट हो गए तो यह जीवन ही कहर बन जाएगा।

यदि कोई भक्त इस मिशन का सदस्य बनना चाहता है तो अपना पूरा नाम और पूरा पता लिखवाएँ।

सारनाम प्राप्त भक्तों के लिए अनिवार्य है कि वे इस समिति का सदस्य अवश्य बनें। यदि सारनाम प्राप्त भक्त (भक्त या भक्तमति) इसका सदस्य नहीं बनता है तो उसके लिए सतलोक आश्रम में आना सदा के लिए मना है।

नियम :- जब भी आपको बुलाया जाए या जहां कोई सेवा दी जाए, सर्व सांसारिक कार्य छोड़कर उपस्थित हो जाएं।

7. बरवाला कांड से पहले... अक्टूबर 2014 में इसी समय राष्ट्रीय समाज सेवा समिति ने बरवाला आश्रम में एक और पर्चा बंटवाया था जिसमें जबरन ज्योति और पाठ के माध्यम से अधिक से अधिक दान देने पर जो दिया गया था, इस पर्चे में भक्ति मर्यादा के विपरीत सारनाम प्राप्त भक्तो को पाठ प्रकाश के लिए 9000 रूपये और सतनाम प्राप्त भक्तो को ज्योति के पैसे जमा करवाने के आदेश दिए गए, साथ ही एक संकेत देकर जल्दी पैसे देने के लिए भक्तो को डराया भी गया कि अगले महीने 24 नवंबर से ज्योति के पैसे 700 रूपये से बढ़कर 1000 कर दिए जाएंगे, ताकि भक्त 700 रूपये के चक्कर में इसी महीने ज्यादा से ज्यादा दान राशि जमा करवाये,

गौर करेंगे तो इस पर्चे में कही भी गुरूजी का कोई आदेश नही लिखा है केवल भक्तो को गुमराह करने के लिए ''परमेश्वर आदेश'' लिख दिया, उसके बाद ''सतगुरू उपदेश'' लिख दिया, और उसके बाद राष्ट्रीय समाज सेवा समिति का सभी भक्तो से निवेदन लिख दिया, ... एक जगह बीच में भक्तो को भ्रमित करने के लिए इन्होंने लिख दिया कि ''पाठ और ज्योति के पैसे दर्शनो के समय सतगुरू देव जी के हाथों में ही देना है ''तांकि भक्तो को समिति पर कोई शंका ना हो और भक्त समाज यही सोचे कि जब पैसा गुरूजी के हाथों में देना लिखा है तो वास्तव में गुरूजी के ही आदेश होंगे? देखिये

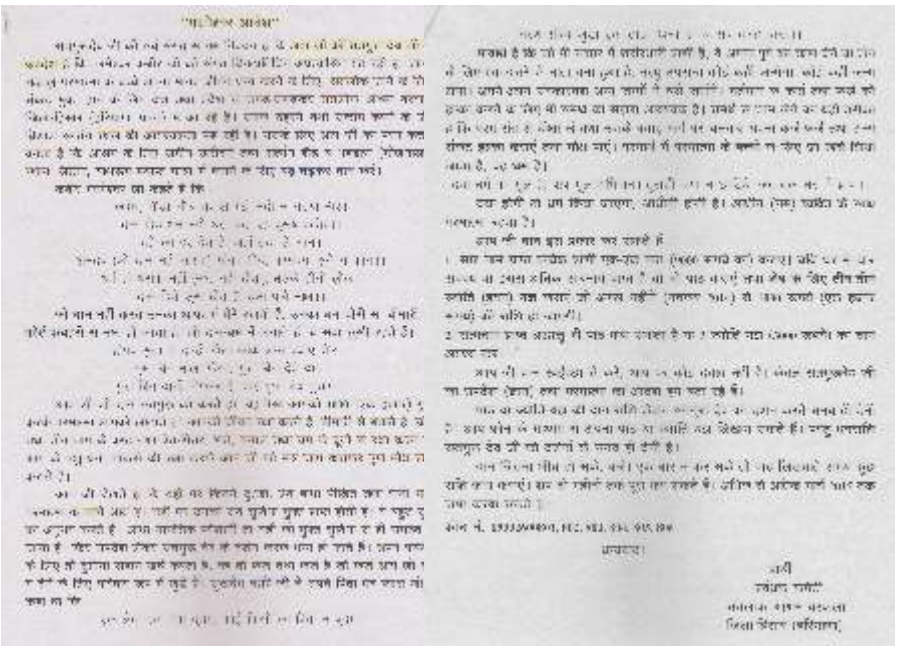

8. बरवाला कांड से पहले आश्रम में राष्ट्रीय समाज सेवा समिति व मैनेजमेंट की मनमानी इतनी बढ़ गई थी कि माता बहनो के साथ भी इनका बर्ताव अश्लील व अभद्रतापूर्ण हो गया था, जिसका सबूत नेपाल के भक्तो द्वारा दुखी होकर सतगुरू देव को लिखा गया एक पत्र है **क्योंकि सतलोक आश्रम मैनेजमेंट ने नेपाल के एक भक्त को हॉल में ले जाकर उसे नंगा करके सरियों से बुरी तरह पीटकर अधमरा कर दिया था, देखिये यह पत्र व सतगुरू देव जी का मैनेजमेंट को जवाब**

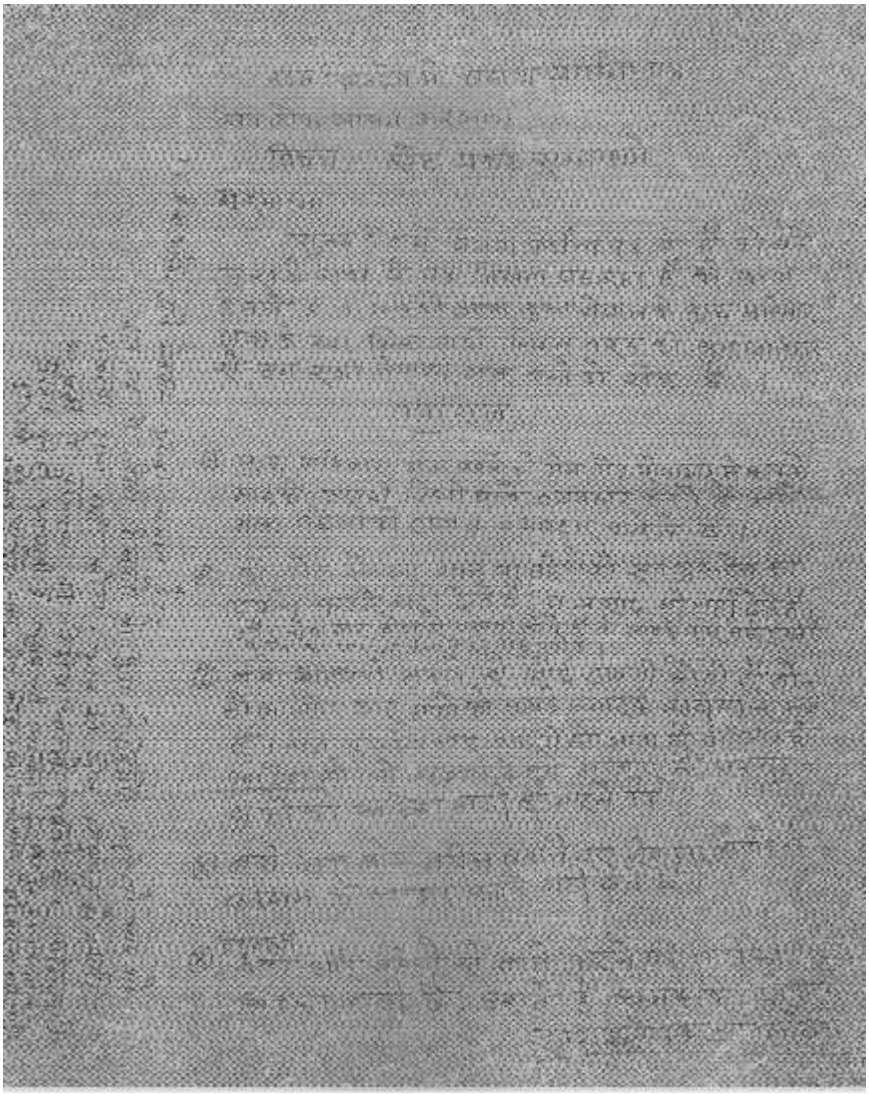

9. अब शुरू होता है गुरूजी के नकली हस्ताक्षर का खेल....

महेन्द्र ने गुरूजी के नकली साइन करके व फोटो लगाकर लुधियाना में जो कबीर परमेश्वर भक्ति ट्रस्ट बनाया था, अब उसकी लैटर पेड पर गुरूजी के नकली साइन करके महाराष्ट्र के पूना शहर में एक खाता खुलवाया, शायद 90ः भक्तो को पता नही है कि महाराष्ट्र के पूना मे बरवाला आश्रम की तरह प्रोजेक्ट पर महीने में 2 बार सत्संग होता था क्योंकि पैसो के लालची महेन्द्र और बलजीत को पता था कि महाराष्ट्र में काफी भक्त ऐसे है जो बड़े बड़े उद्योगपति है जो मोटा दान दिया करते थे अतः उस दानराशि को अपने कब्जे में करने के लिए इन दोनों ने लैटर पेड पर गुरूजी की तरफ से नकली साइन करके पूना में खाता खुलवाया और पैसे को अपने कब्जे में करते चले गए, **देखिये नीचे लैटर पेड पर गुरूजी के अलग अलग नकली साइन, जबकि नीचे गुरूजी का पेन कार्ड है जिसमें गुरूजी के असली साइन है देखिए**

10. सतगुरू देव जी के दोनो लड़को की भूमिका- कई वर्षो से उपरोक्त सभी उल्टी हरकतों में महेन्द्र व बलजीत का साथ सतगुरू देव जी के दोनों लड़के बिजेन्द्र व मनोज भी दे रहे थे, **क्योंकि चाचा महेन्द्र ने अपने इन दोनों भतीजो को राष्ट्रीय समाज सेवा समिति में उप प्रधान का पद दे रखा था और पैसो के साथ साथ सभी तरह की मौज मस्तियों की खुली छूट भी दे रखी थी ताकि महेन्द्र को कोई रोकने टोकने वाला ना रहे,** परिवार वालो की इन्ही गलत हरकतों के चलते सन 2013 में ही सतगुरू देव जी ने अपने राशन कार्ड से सभी का नाम हटवा दिया था क्योंकि ये लोग सतगुरू देव जी के वचनों व आदेशो पर कम व अपनी मनमानियों पर अधिक चलते थे... **देखिये सतगुरू देव जी का नया राशन कार्ड-**

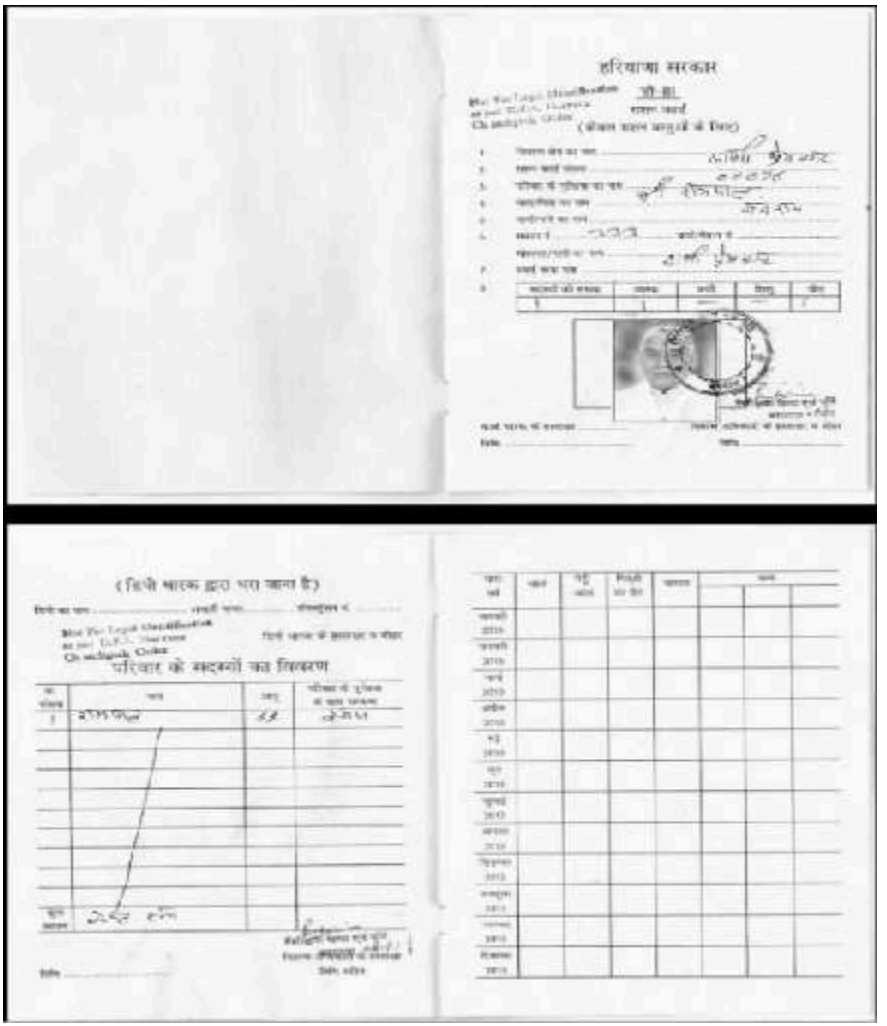
हरियाणा सरकार

(डिपो धारक द्वारा भरा जाना है)

परिवार के सदस्यों का विवरण

11.मैनेजमेंट द्वारा न्यायपालिका पर तीन पुस्तकें लिखना- बरवाला कांड से पहले राष्ट्रीय समाज सेवा समिति ने अपनी मनमानी हरकतों के चलते भारतीय न्यायपालिका पर तीन विवादित पुस्तके **भ्रष्ट जज कुमार्ग पर, न्यायालय की गिरती गरिमा व सच बनाम झूठ** छपवाकर भक्त समाज के माध्यम से पूरे देश में यह कहकर बंटवाया की ये तीनों पुस्तकें गुरूजी ने लिखी है जिसके परिणाम स्वरूप कोर्ट का रवैया सतगुरू देव जी के खिलाफ सख्त हो गया, महेन्द्र के मुख से इसका वीडियो सबूत देखने के लिए हमारी वेबसाइट www.barwalakand.com पर देख सकते हैं।

12. बरवाला काण्ड को रोकने के लिए प्रशासन का प्रयास– बरवाला काण्ड को रोकने के लिए हरियाणा प्रशासन ने काफी प्रयास किये, सरकार ने एयर एम्बुलेंस अर्थात हेलीकॉप्टर की सुविधा मुहैया करवाने के लिए भी कहा कि हम संत रामपाल जी महाराज की कोर्ट मे पेशी करवाकर उन्हें वापस आश्रम में छोड़ देंगे **साथ ही सरकार ने अपने प्रतिनिधि भी समझोते के लिए आश्रम में गुरूजी से मिलने के लिए भेजे थे लेकिन महेन्द्र ने उन्हें गुरूजी से नहीं मिलने दिया और आश्रम में शंका समाधान वाले कमरे से ही बातचीत करके बाहर निकाल दिया, इसके अलावा धर्मगुरू रवि शंकर ने भी गुरूजी से बात करनी चाही थी लेकिन गद्दार महेन्द्र ने गुरूजी से बात ना करवाकर उन्हे अनदेखा कर दिया, हमारी** www.barwalakand.com पर देख सकते हैं।

13. महेन्द्र का मीडिया को झूठा बयान देना– इतना ही नही 20 साल से भक्ति की आड़ में भगत बनने का नाटक कर रहे महेन्द्र ने व आश्रम के प्रवक्ता राजकपूर ने सरेआम मीडिया को झूठा ब्यान दिया कि **संत रामपाल जी महाराज बरवाला आश्रम में नही है हमने परसो उन्हें अच्छे इलाज के लिए बाहर किसी हॉस्पिटल में भर्ती करवा दिया है, महेन्द्र व राजकपूर का वीडियो देखने के लिए हमारी वेबसाइड** www.barwalakand.com **पर देखें ।**

14. 18 नवम्बर 2014 का काला दिन- आखिरकार 18 नवंबर 2014 की दोपहर को पुलिस प्रशासन व राष्ट्रीय समाज सेवा समिति के कमांडो के बीच भीषण टकराव शुरू हो गया, जिसमे सैकड़ो की संख्या में भक्त व पुलिस के जवान घायल हुए और आश्रम की तरफ से 5 महिला भक्त व एक बच्चे सहित 6 मौते हुई, तथा राष्ट्रीय समाज सेवा समिति के षडयंत्र के चलते सतलोक आश्रम बरवाला भारत सहित पूरे विश्व में निंदा व बदनामी का विषय बन गया व गुरूजी पर तरह तरह के घटिया लांछन लगाए गए तथा

न्यायालय के द्वारा देशद्रोह का मुकदमा लगा दिया गया।

अर्थात सतलोक आश्रम मैनेजमेंट व राष्ट्रीय समाज सेवा समिति अपनी मंशा में सफल हुई।

14.. बरवाला कांड के बाद सतगुरू देव जी का पहला बयान और वह भी राष्ट्रीय समाज सेवा समिति के खिलाफ :- 18 नवंबर 2014 को बरवाला कांड होने व 19 नवंबर को तकरीबन रात के 9 बजे के आस पास सतगुरू देव जी ने पुलिस के समक्ष सरेंण्डर कर दिया और तभी से बरवाला कांड के रहस्य से पर्दा उठना खुरू हो गया, सतगुरू देव जी को मेडिकल जांच के लिए बरवाड़ा आश्रम से सीधे पंचकुला (चंदीगढ़) ले जाया गया, तकरीबन रात के एक बजे मेडिकल से बाहर आते समय मीडिया ने सतगुरू देव जी से सवाल करना शुरू कर दिया, जिसके जवाब में सतगुरू देव जी ने कहा की....''आश्रम के बाहर जो छः मौते हुई है उनका मुझे बेहद अफसोस है, जबकि सतलोक आश्रम मैनेजमेंट संगत को गुरूजी का आदेश बताकर गुमराह कर रहा है कि जो 6 भक्त मारे गए थे वे सतलोक चले गए है अर्थात उनका मोक्ष हो गया, सतगुरू देव जी ने कहा कि आश्रम के बाहर जो काले कपड़े पहने लोग खड़े थे वे मेरे नही थे सब राष्ट्रीय समाज सेवा समिति मेरी नही है.... जबकि सतलोक आश्रम मैनेजमेंट आज भी उल्टा आरोप गुरूजी पर ही लगा रहा है कि यह समिति संत रामपाल जी महाराज ने ही बनाई थी।

सतगुरू देव जी ने कहा कि मुझे तो आश्रम में रोक के रखा हुआ था जिस कारण मै कोर्ट में नही जा सका.... जबकि मैनेजमेंट कह रहा है कि संत रामपाल जी महाराज झूठ बोल रहे है, भक्त समाज अच्छे से जानता है कि इस सकल सृष्टि में अगर कोई सच बोलने वाला सतवादी पुरूष है तो केवल परमपुज्य परमेश्वर रामपाल जी महाराज जी है तथा उनके मुख कमल से निकला हर एक शब्द सत्य ही होता है झूठ उनके आसपास भी नही टिकती है देखिए... सभी वीडियो सबूत अपनी आँखो से व सतगुरू देव जी के मुख कमल से हमारी वेबसाइट www.barwalakand.com पर देंखें।

15. परमात्मा कहते है ''सिर साटे की भक्ति है और कछु नहीं बात शिर के साटे पाइय अविगत अलग अनाथ''

लेकिन इन गद्दार लोगों ने कांड से पहले और कांड के बाद सभी बयान गुरूजी को शीश देने के बजाए गुरू का शीश लेने वाले की कर्म किये, क्योंकि बरवाला कांड के बाद पुलिस की गिरफ्त में आये राष्ट्रीय समाज सेवा समिति के अध्यक्ष मास्टर रामकुमार ढाका, पुरूषोत्तम सैनी कुरूक्षेत्र वाला, आश्रम का मुख्य ट्रस्टी बलजीत लहरी, बलजीत की बेटी बबिता, आश्रम में भक्तो के इंटरव्यू लेने वाला राजकपूर, राजेन्द्र भटगांव, आदि सभी लोगों ने पुलिस रिमांड के दौरान बरवाला कांड की सारी की सारी जिम्मेदारी गुरूजी पर ही डाल दी, और गुरूजी के खिलाफ बयान दिए कि भक्तो को कमांडो बनाने से लेकर, आश्रम के बाहर ढाल बनाकर बच्चो व महिलाओं को बैठाने के सारे आदेश हमें संत रामपाल जी महाराज ने ही दिए थे। देखिए

झूठ बोल रहा है रामपाल

खासमखास बोले, बाबा ने ही कहा था बच्चों व महिलाओं को बनाओ ढाल

हिसार के किसान का सिर फोड़ 82 लाख रुपये लूटे

हरियाणा मंत्रिमंडल की बैठक आज

25 नवंबर 2014, दैनिक जागरण, देहरादून / हरिद्वार / हल्द्वानी

सहयोगियों ने कहा, झूठ बोल रहा रामपाल

सुरेश लोधी, हिसार

* औरतों व बच्चों को ढाल बनाने के आदेश उसी ने दिए थे

16. पुलिस के बयान में गुरूजी ने कहा कि मेरा बना बनाया आशियाना उजाड़ दिया – पुलिस के बयानों में सतगुरू देव जी ने साफ साफ कहां है कि बरवाला कांड के जिम्मेदार बलजीत लहरी, राजकपूर, पुरूषोत्तम, व राजेन्द्र भटगांव है जिन्होंने मेरा बना बनाया आशियाना उजाड़ दिया, देखिए सबूत

दैनिक भास्कर

201 गवाह, 20 जज, किसी फैसला 40 साल में

पूछताछ में रामपाल बोला

ढाका और बलजीत ने किया सारा कांड

रामपाल चौथी बार रिमांड पर

5 सहयोगियों ने दिए पेट्रोल बम, आंसू गैस

दौलतपुर आश्रम का सामान भी जला होगा

17. एक अन्य बयान में आश्रम में हुए गलत कामों के विषय में पुलिस के पूछने पर गुरूजी ने साफ साफ कहा है कि.....

"आश्रम में गलत काम हुए पर मैंने नहीं किये, आश्रम में सभी गलत काम सेवादार और समिति वालो ने किये और करवाये, देखिए

रामपाल की हवालात में दूसरी रात और तीसरे दिन का हाल

पुलिस : तेरे कमरे में टीवी स्क्रीन, महिलाओं के स्नानघरों में शौचालय और महिलाओं के ढेरों वस्त्र, ये क्या है?

रामपाल : आश्रम में कैमरे हैं, मेरे कमरे में स्क्रीन है, गलत नहीं। नहाण और निफराम की जगह कैमरे नहीं है, जाके देख ल्यो। सारे कैमरे भक्तों के कपड़ों और सामान पर नजर रखने के लिए लगाए गए थे।

पुलिस : तू करता था सामान की निगरानी

रामपाल : .. चुप

पुलिस : लड़कियां, महिलाएं और आश्रम में इतने गलत काम, बता।

रामपाल : आश्रम में गलत काम होए, पर मन्नै नहीं करे।

पुलिस : किसने किए और करवाए?

रामपाल : वे..सेवादार अर ..समिति आले।

पुलिस : अलमारी, दरवाजे और तिजोरियों के कोड नंबर बता।

रामपाल : एक टक देखने के बाद चुप

पुलिस : कैमरों की हार्ड डिस्क कहां है?

रामपाल : मन्ने नहीं पता

पुलिस : कुछ चाहिए, चाय..?

रामपाल : बोतल में पानी भरवाद्यो

आश्रम में छुपे तीन और समर्थकों को ढूंढ़ निकाला

सर्च आपरेशन में मिली 82 मोटरसाइकिल, एक बस, जिप्सी

आश्रम में गलत काम होए पर मन्नै नहीं करे

रामपाल की हवालात में दूसरी रात और तीसरे दिन का हाल

इतने सबूत आँखो देखकर यह तो समझ में आ चुका है कि बरवाला कांड रूपी सारा का सारा खेल सतलोक आरम मैनेजमेंट के मुखिया महेन्द्र और उसकी मनमुखी राष्ट्रीय समाज सेवा समिति द्वारा अपनी राजनैतिक व आर्थिक मंशाओं की पूर्ति के लिए कुछ राजनैतिक व अन्य धर्म पंथो के इशारे पर खेला गया है, लेकिन बरवाला कांड के बाद इन्होने पुनः संगत को दान के नाम पर गुरू जी का आदेश बताकर लूटना शुरू कर दिया कि गुरूजी की जमानत के लिए बढ़िया वकील करने है और उनकी फीस के लिए पैसो की जरूरत है,

जबकि बरवाला कांड के समय महेन्द्र एण्ड पार्टी के पास कई करोड़ो रूपये पहले से ही थे देखिए....सतलोक आश्रम का बरवाला में खुला हुआ पंजाब नेशनल बैंक का स्टैटमेंट, बरवाला कांड से दो दिन पहले ही इस खाते से तकरीबन सवा करोड़ रूपये इंटरनैट बैंकिग के जरिये निकाले गए थे इसके अलावा आश्रम के अन्य 5,6 खातों में से रूपये निकाले गए थे देखिए,

THE TIMES OF INDIA

INDIA AA

Over Rs 1 crore withdrawn from ashram accounts as cops closed in on Rampal

Sukhbir Siwach | TNN |
Nov 22, 2014, 05.50AM IST

BARWALA: Even as full-scale police and paramilitary operations to arrest controversial preacher Rampal were underway at Barwala in Hisar, and the cops were virtually knocking at the ashram gates, transactions amounting to over a crore rupees were made in bank accounts of ashram trusts, including the one in the Barwala branch of Punjab National Bank, it was revealed on Friday.

In fact, sensing that the police were closing in, in quick succession over two days, and Rs 55 lakh was withdrawn from the account of ashram's Kabir Parmeshwar Bhakti Trust, said sources in the government. This account (No. 1631002100020895) was opened on October 1, 2012, with an opening balance of Rs 34.73 lakh. When the authorities came to know about this, the administration asked the bank to freeze the account on November 17. It still had Rs 61.94 lakh in it. The administration also found Rs 6 lakh in another account of Bandi Chhod Bhakti Mukti Trust, also associated with the ashram. Then the officials rushed to check the ashram's other bank accounts in Barwala.

Sources said the administration located a couple of accounts in a nationalized bank at Barwala but it had negligible balance. The officials believe that money was withdrawn from them. The administration then ordered the bank authorities to block only withdrawal from ashram accounts.

naven Gautam, 41 minutes ago 8:19 PM
सत्य की खोज भाग-4

naven Gautam, 37 minutes ago 8:20 PM
सत्य की खोज भाग-4

साथ ही बरवाला कांड में माता बहनों को लाखों रूपये देकर बाहर निकालना – राष्ट्रीय समाज सेवा समिति के द्वारा बरवाला कांड के बाद आश्रम से भी कई लाखों रूपये माता व बहनों को देकर बाहर निकाला गया था और बाद में उनकी वसूली के लिए उन सबके नाम व पते नोट कर लिये गये थे, इसी प्रकरण के चलते दो लाख रूपये की वसूली के सिलसिले में राजेन्द्र मोर और महेन्द्र की आपस में काफी कहा सुनी हो गयी थी राजेन्द्र मोर भी आश्रम के मैनेजमेंट में ही शामिल था और उसकी पत्नी को बरवाला कांड के बाद मैनेजमेंट ने दो लाख रूपये देकर बाहर निकाला था, बाद में उन दो लाख रूपये के सिलसिले में महेन्द्र का फोन आया तो राजेन्द्र मोर ने पैसे देने से इंकार कर दिया, उसके बाद महेन्द्र राजेन्द्र पर नाराज हो गया और भला बुरा कहने लगा, उसी समय राजेन्द्र ने भी फोन पर महेन्द्र को धमकाया की तूने भी

तो आश्रम के पैसों से अपनी कोठी बनाई है तेरे घर में जितनी भी सुख सुविधाओं की चीजें जैसे– टीवी, फ्रीज, कूलर, बैड है सब के सब आश्रम के दान से ही तो आया है यह सुनकर महेन्द्र ने फोन काट दिया और दौबारा पैसो का जिकर नहीं किया।

18. अब शुरू होता है हिसार जेल के नाम से नकली चिट्ठीयों (लेटर) का खेलः– बरवाला कांड के बाद राष्ट्रीय समाज सेवा समिति में पैसों व चौदर के लिए दो गुट बन गए थे एक गुट का मुखिया महेन्द्र बाहर था तो दूसरा मुखिया राजकपूर आज भी अंदर है सतलोक आश्रम मैनेजमेंट ने बरवाला कांड से पहले ३३ करोड़ के लगभग ६० एकड़ जमीन का सौदा किया था जिसका बयाने के रूप में ५ करोड़ रूपया पहले ही दिया जा चुका था और २८ करोड़ रूपया देना बाकी था लेकिन उसके बाद बरवाला कांड हो गया तो महेन्द्र ने सोचा अच्छा मौका है क्यों ना वह ५ करोड़ रूपया वापिस ले लिया जाए इस साजिश के तहत महेन्द्र ने एक नकली पत्र गुरूजी का नाम लेकर अपने कॉर्डिनेटर सिस्टम के माध्यम से संगत में बटवा दिया जिसमें लिखा था कि... ''जो जमीन का बयाना दे रखा है उसे कम अधिक करके वापस लेलें, और अभी कुछ न करें (अर्थात अभी जमीन नहीं खरीदनी है) लेकिन इसके बावजूद महेन्द्र को पैसो की भूख इतनी बढ़ गयी थी की उसने संगत को भी लूटना शुरू कर दिया और गुरूजी का आदेश बताकर मार्च २०१५ में पहली दान सेवा उसी जमीन के नाम पर शुरू की थी, **देखिए नीचे महेन्द्र एंड पार्टी के द्वारा निकाला गया जमीन के नाम से फर्जी पत्र और गौर करके देखेंगे तो पता चलेगा की तीनों पत्रों में शब्द वही है लेकिन लिखावट में जमीन और आसमान का फर्क है, सोचने की बात है अगर यह लेटर गुरूजी ने लिखा होता तो तीनों की लिखावट में इतना अंतर क्यों, भगत समाज स्वंय निर्णय करें, देखिये इसकी फोटो कॉपी हमारी www.barbala kand.com पर।**

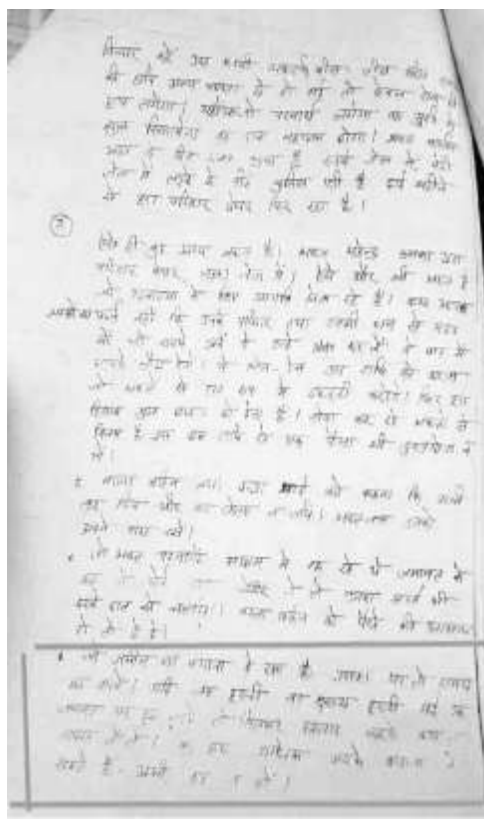

महेन्द्र एंड पार्टी ने भगत समाज मे कम्प्यूटर से टाइप करके और भी कई नकली पत्र संगत में भेजे है जिनमें लिखा है कि.... गुरूजी जेब में आराम से है और जेल में आश्रम जैसा वातारण है ऐसा लिखकर संगत को धोखे में इसलिए रखा गया तांकि जेल में गुरूजी द्वारा जो कष्ट उठाये जा रहे है उनकी तरफ संगत का ध्यान न जाये और दान सेवा अधिक से अधिक आती रहे यदि संगत को हकीकत का पता चल जायेगा कि गुरूजी का लगभग 25 से 30 दिन का रिमांड हुआ है तो संगत बिदक जायेगी

जबकि हकीकत यह है कि पिछले 1 साल से पूरी सर्दी निकल गई लेकिन गुरूजी को जेल प्रशासन के द्वारा रात को ओढ़ने के लिए कम्बल व नहाने के लिए गर्म पानी तक नहीं दिया गया, देखिए अपनी आँखो से wwww.barwalakand.com पर।

सतलोक आश्रम प्रकरण: रामपाल ने मांगा गर्म पानी व कंबल, सुनवाई 25 मार्च को

हिसार/02 मार्च/रिपोर्टर

सतलोक आश्रम प्रकरण में आरोपियों पर दर्ज हत्या के मामले में आज रामपाल सहित अन्य आरोपियों की कोर्ट में पेशी हुई। कोर्ट ने अब इस मामले में अगली सुनवाई 25 मार्च को तय की है। दूसरी तरफ रामपाल की कोर्ट में पेशी का पता चलने पर रामपाल के सैकड़ों समर्थक सैंट्रल जेल पार्ट-2, व कोर्ट के नजदीक एकत्र हुए। इस दौरान हर बार की तरह पुलिस प्रशासन को रामपाल के अनुयायियों को मौके से खदेड़ने में काफी मशक्कत करनी पड़ी।

जेल अधीक्षक मामला स्थानीय कोर्ट से हुआ खारिज

सतलोक आश्रम प्रकरण में रामपाल के वकील द्वारा लगाए गए सैंट्रल जेल पार्ट-2 के जेल अधीक्षक द्वारा 50 लाख रुपए की मांग करने के आरोप पर आज कोर्ट में सुनवाई हुई, जिसमें जेल अधीक्षक व्यक्तिगत रूप से पेश हुए और अपना पक्ष कोर्ट के समक्ष रखा। कोर्ट को पता चला कि इस मामले से संबंधित सुनवाई पंजाब एवं हरियाणा में भी है, जिसके चलते कोर्ट ने इस मामले को हिसार कोर्ट से खारिज कर दिया है।

हिसार. रामपाल के समर्थक राजगढ़ रोड स्थित एक दीवार पर बैठे हुए।

रामपाल की पत्नी ने कोर्ट से रामपाल के लिए गरम पानी और कंबल की रखी डिमांड

सतलोक आश्रम प्रकरण में आरोपी रामपाल की पत्नी, बेटी और पुत्रवधू ने रामपाल को जेल में नहाने के लिए गरम पानी और कंबल देने को लेकर एफिडेविट दिया था। इस पर कोर्ट ने 25 मार्च को ही सुनवाई करने को कहा है। रामपाल के परिजनों ने कोर्ट को एफिडेविट में माध्यम से कहा था कि रामपाल को जेल में नहाने के लिए गरम पानी नहीं दिया जा रहा है और सर्दी के चलते न ही कम्बल दिया जा रहा है। अब इस मामले में कोर्ट 25 मार्च को निर्देश दे सकती है।

19. देशद्रोह के मुकदमे से महेन्द्र द्वारा अपने बेटे अमित की जमानत करवाने के पीछे का सचः- महेन्द्र द्वारा अपने बेटे अमित की रिश्वत देकर देशद्रोह के मुकदमें से जमानत करवानाः– बरवाला कांड के बाद गुरूजी सहित जिन–जिन भक्तो पर देशद्रोह की धारा लगाई गई थी उनमें एक महेन्द्र का इकलोता पुत्र अमित भी शामिल था जो रिश्तें में गुरूजी का भतीजा है अर्थात खून के रिश्तें में आता है, इसके बावजूद भी देश्द्रोह जैसे बड़े मुकदमें में अन्य भक्तों की जमानत ना होकर सबसे पहले अमित की जमानत होना महेन्द्र की राजनैतिक व प्रशासनिक साठ–गांठ की तरफ इशारा करती है देखिए,

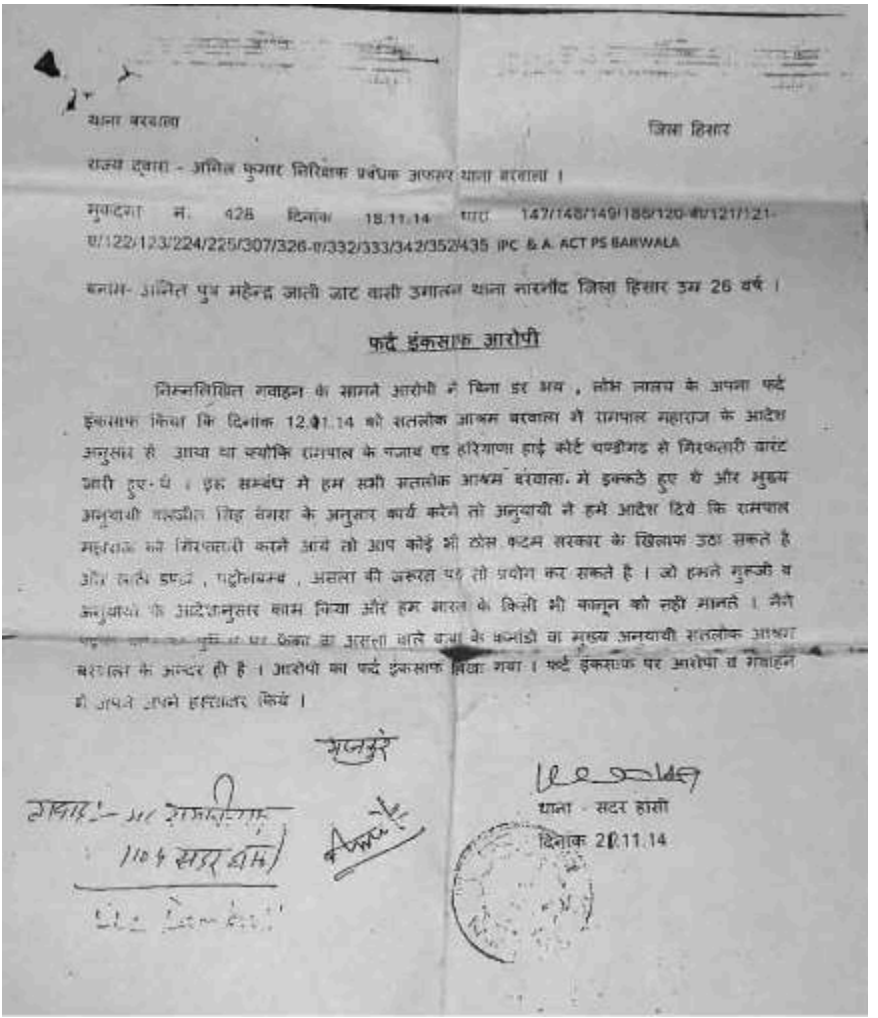

थाना बरवाला

जिला हिसार

राज्य द्वारा - अनिल कुमार निरिक्षक प्रबंधक अफसर थाना बरवाला ।

मुकदमा नं. 426 दिनांक 18.11.14 धारा 147/148/149/186/120-बी/121/121-ए/122/123/224/225/307/326-ए/332/333/342/352/435 IPC & A. ACT PS BARWALA

बनाम- अमित पुत्र महेन्द्र जाती जाट वासी उगालन थाना नारनौंद जिला हिसार उम्र 26 वर्ष ।

फर्द इंकसाफ आरोपी

निम्नलिखित गवाहन के सामने आरोपी ने बिना डर भय , लोक न्यायालय के अपना फर्द इंकसाफ किया कि दिनांक 12.11.14 को सतलोक आश्रम बरवाला से रामपाल महाराज के आदेश अनुसार से आया था क्योंकि रामपाल के खिलाफ एड हरियाणा हाई कोर्ट चण्डीगढ़ से गिरफ्तारी वारंट जारी हुए थे । इस सम्बंध मे हम सभी सतलोक आश्रम बरवाला मे इकट्ठे हुए थे और मुख्य अनुयायी सतजीत सिंह वंगश के अनुसार कार्य करेंगे तो अनुयायी ने हमे आदेश दिये कि रामपाल महाराज की गिरफ्तारी करने आये तो आप कोई भी ठोस कदम सरकार के खिलाफ उठा सकते है और सभी हथियार , पट्रोलबम्ब , असला की जरूरत पड़े तो प्रयोग कर सकते है । जो हमने गुरूजी व अनुयायी के आदेशानुसार काम किया और हम भारत के किसी भी कानून को नहीं मानते । मैंने [illegible] पुलिस पर फेंका था असली वाले बम्ब के कमांडो या मुख्य अनुयायी सतलोक आश्रम बरवाला के अन्दर ही है । आरोपी का फर्द इंकसाफ लिया गया । फर्द इंकसाफ पर आरोपी व गवाहिन ने अपने अपने हस्ताक्षर किये ।

अनुवाद

गवाह:- [illegible]
1104 सदर थाना

थाना - सदर हांसी
दिनांक 20.11.14

20. देशद्रोह में अन्य भक्तो की जमानत से महेन्द्र का भड़कना :- अमित की जमानत से पहले सर्वप्रथम देशद्रोह के मुकदमें में बंद एक अन्य भगत सिद्धार्थ के परिवार वालों ने उसकी जमानत अर्जी लगवाई तो तुरन्त गुरूजी के नाम से नकली लेटर निकालकर उनके परिवार वालों को महेन्द्र ने चुप कर दिया उस लेटर में लिखा था कि.... ''भगत सिद्धार्थ ने सर्वप्रथम जमानत की अर्जी लगाकर कौन सी समझदारी की बात की है, बस के ड्राइवर से आगे यदि यात्री जाना चाहे तो क्या सम्भव है (अर्थात उस लेटर का मतलब था कि गुरूजी से पहले कोई भगत अपनी जमानत करवाता है तो वह बेवकूफ है) **अब सोचने की बात है फिर इस लेटर के वितरित महेन्द्र ने गुरूजी की जमानत से पहले अपने लड़के अमित की जमानत क्यों लगवाई, देखिए सिद्धार्थ के नाम से निकाला गया नकली लेटर,**

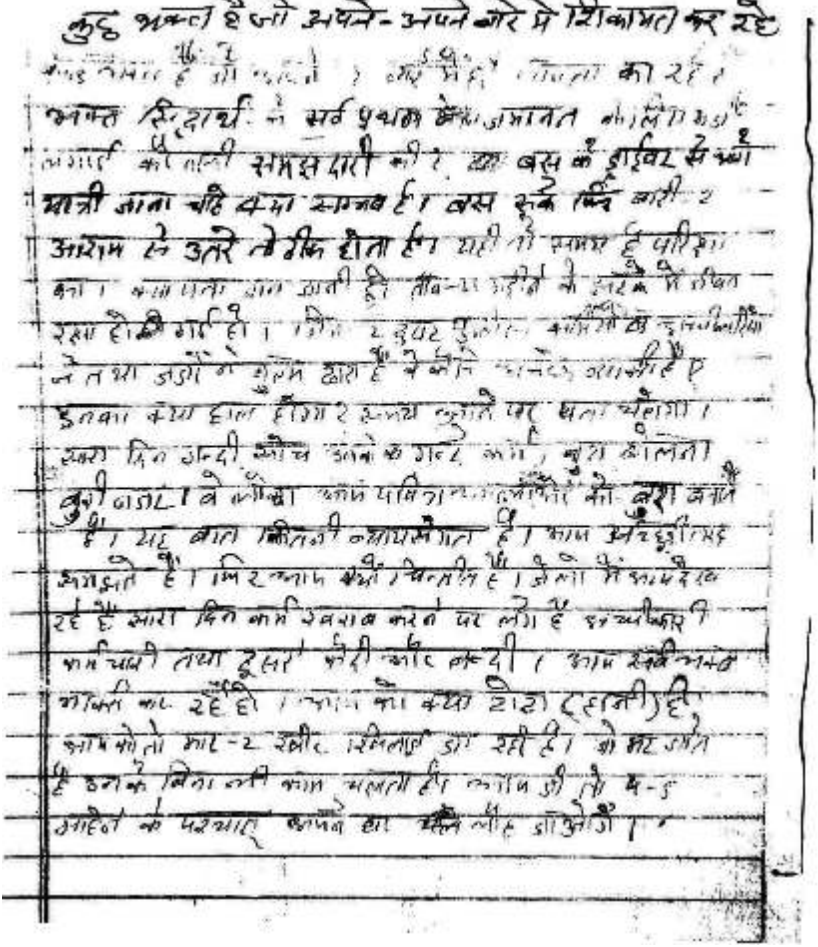

21. भक्तो को हिसार में तारीखों पर बुलवाकर गुरूजी के मुकदमों को उलझानाः– बरवाला कांड में राष्ट्रीय समाज सेवा समिति ने भोले भक्तो को मोहरा बनाकर गुरूजी के आदेशों के नामपर देश दुनिया के सामने जो तांडव मचाकर इस तत्त्वज्ञान व सतगुरू देव जी को बदनाम करने की जो कोशिश की थी शायद उस से भी महेन्द्र को संतुष्टि नहीं हुई तो अब भक्तो को हिसार तारीखों पर कोर्ट के चक्कर लगवाने की प्लानिंग शुरू कर दी। कॉर्डिनेटर सिस्टम के माध्यम से भक्तो तक संदेश पहुँचाया की गुरूजी का आदेश है अधिक से अधिक हिसार तारीखों पर आना है क्योंकि महेन्द्र को अच्छे से पता था कि कोर्ट में भक्तो की भीड़ के चलते तारीखों पर तारीखे पड़ती रहेगी और एक दिन देशद्रोह के मुकदमें में चार्ज फ्रेम हो जायेगा, जबकि कोर्ट बार–बार कह रहा था कि सतं रामपाल जी के भक्तो की भीड़ के चलते उनके मुकदमों की सुनवाई में दिक्कत आ रही है लेकिन भोले भगत इस बात को समझ नहीं पाए, और ना ही तरख्वाह पर महेन्द्र के लिए काम कर रहे मैनेजमेंट व कॉर्डिनेटरो ने संगत को समझने दिया, तथा भगत समाज को चाहिए की स्वयं हिसार तारीखों पर ना जाकर मैनेजमेंट व वकीलों को आगे करना चाहिए जिन लोगों की वहां जरूरत हैं,.... ''देखिए कोर्ट का स्टैटमेंट www.barwalakand.com पर।

रामपाल का ऐसी जगह ट्रायल हो जहां कानून व्यवस्था की दिक्कत न आए

* कोर्ट की अवमानना का मामला

सतलोक आश्रम मामले में सुनवाई आज

रामपाल के खिलाफ केस की सुनवाई कहां करवाई जाए सुझाव दें कोर्ट मित्र : हाईकोर्ट

तें रा ऑर्डर में कानून न आए तब तक मुकदमे के लिए लिखे

पंचकूला (4 जुलाई) (निसंके) : पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने रामपाल के खिलाफ चल रहे ट्राइल कोर्ट के मामले की सुनवाई के लिए कोई वैकल्पिक व्यवस्था करने के कोर्ट मित्र की नियुक्ति की है। कोर्ट ने कहा कि ऐसा स्थान बताएं जहां कोई ऑर्डर न आए।

हाईकोर्ट ने कहा कि कोर्ट ने रामपाल के खिलाफ चल रहे केस की जानकारी इकट्ठा की है। सुनवाई के दौरान कोर्ट को यह बताया गया कि रामपाल के खिलाफ एक मामले की सुनवाई सेशंस के सेशन जज की कोर्ट में विचाराधीन थी लेकिन पिछले साल सेशन जज ने इस मामले को एडीशनल सेशन जज को सुनवाई के लिए रेफर कर दिया। इस पर हाईकोर्ट ने कहा कि जब यह मामला हाईकोर्ट की नजर में है और कई साल से सेशन जज इस मामले की सुनवाई कर रहे थे तो उन्हें यह मामला एडीशनल सेशन जज को रेफर नहीं करना चाहिए था। हाईकोर्ट ने सेशन के सेशन जज को इस मामले में कोर्ट में स्टेटमेंट रिकॉर्ड करने का आदेश दिया है।

सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट को बताया गया कि हिसार में रामपाल के खिलाफ की सुनवाई के दौरान रामपाल के हजारों शिष्य की भीड़ जेल के आसपास इकट्ठा हो जाती है जिस कारण स्थानीय प्रशासन व अस्पताल के लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

हाईकोर्ट ने इस पर हरियाणा सरकार को फटकार लगाते हुए कहा कि कानून व्यवस्था को बनाए रखना सरकार की जिम्मेदारी है। इसलिए सरकार को रामपाल के खिलाफ चल रहे केसों को लेकर स्टेटमेंट देने का आदेश दिया है।

22. नामदान सेंटर खोलकर भक्त समाज से अरबो रूपये लूटने की साजिश व आवाज उठाने पर कुछ भक्तो को गुरूद्रोही घोषित करनाः-

राष्ट्रीय समाज सेवा समिति ने गुरूजी के आदेशों के नाम पर जिस कदर भक्तो का आर्थिक शोषण किया है उस पाप की शायद ही कोई माफी हो, कभी जमीन के नाम पर लूट मचाई तो कभी वकीलों की फीस के नाम पर, जबकि हकीकत यह है कि नाही तो आजतक कोई जमीन खरीदी गई और नाही वकीलनों ने कोई तीर मारा है सिवाय गुरूजी को और अधिक फसाने के, उसके उपरांत मैनेजमेंट ने संगत को और अधिक ठगने के उद्देश्य से नामदान केन्द्र खोलने शुरू कर दिए जहा भक्तो से खुले दान के साथ–साथ ज्योति और पाठ के नाम पर जमकर लूट मचाई जाने लगी, और हर महीने हजार हजार रूपए करके 2 बार पाठ के पैसे बढ़ा दिए अर्थात 11000 रूपये पाठ के कर दिए, जबकि गुरूजी के आदेश नाही तो नामदान खोलने के थे और नाही ज्योति और पाठ के पैसे लेने के, क्योंकि दान हमेशा गुरू के हाथों में देने से ही सफल होता है और सतलोक आश्रम बरवाला में गुरूजी स्वयं ज्योति और पाठ के पैसे अपने हाथों में लेते थे और उनका पाठ करवाया जाता था तब जाकर भक्तो को लाभ होता था, लेकिन आज भोली संगत ज्योति और पाठ का पैसा गुरूजी के हाथों में देने के बजाए चोरो और ठगों के हाथों में दे रही है और नाही सगंत के नाम का कही पाठ या ज्योति जलाई जाती है अतः इस मनमाने आचरण के चलते आज भक्त समाज को लाभ के बजाए हानि अधिक उठानी पड़ रही है,

क्योंकि संगत के दान का सरासर दुरूपयोग किया जा रहा है जैसे हरियाणा के जाट आंदोलन में महेन्द्र एंड पार्टी के द्वारा उनको समर्थन के साथ साथ 16 लाख रूपये भी दिए गए, अब भक्तो की दानराशि से जाट समाज ने सीधी सी बात है उन पैसो को राजनीति में लगाया और साथ ही शराब व मास आदि खाकर बार्बद किया होगा, और परमात्मा के संविधान के अनुसार यदि भक्त के दान का दुरूपयोग किया जाएगा तो आँख मीचकर दान देने वाला और लेने वाला दोनों ही पाप के भागी बनते है (**जब परमात्मा की दया से संगत में से कुछ सत सेवको ने महेन्द्र एंड पार्टी से बरवाला की जमीन की रजिस्ट्री, वकीलों की फीस ओर दान का हिसाब, ज्योति और पाठ के नाम पर लूट, आदि पर सवाल करने शुरू किए और संगत को सच्चाई बताने लगे**

तो महेन्द्र एंड पार्टी ने अपने लूटमार का धंधा बन्द होते देख पहले पवन जयपुर वाले को व बाद में संजय दिल्ली वाले का गुरूजी के नाम का नकली पत्र निकालकर संगत में गुरूद्रोही घोषित कर दिया, ताकि संगत गुरूजी के आदेशों के नाम से डरकर इन दानों से दूर रहे और यह सच्चाई भक्त समाज में जाने से रूक जाये (देखिये सभी नकली पत्र जो पहले ही फर्जी साबित हो चुके है) **www.barwalakand.com** पर देंखें।

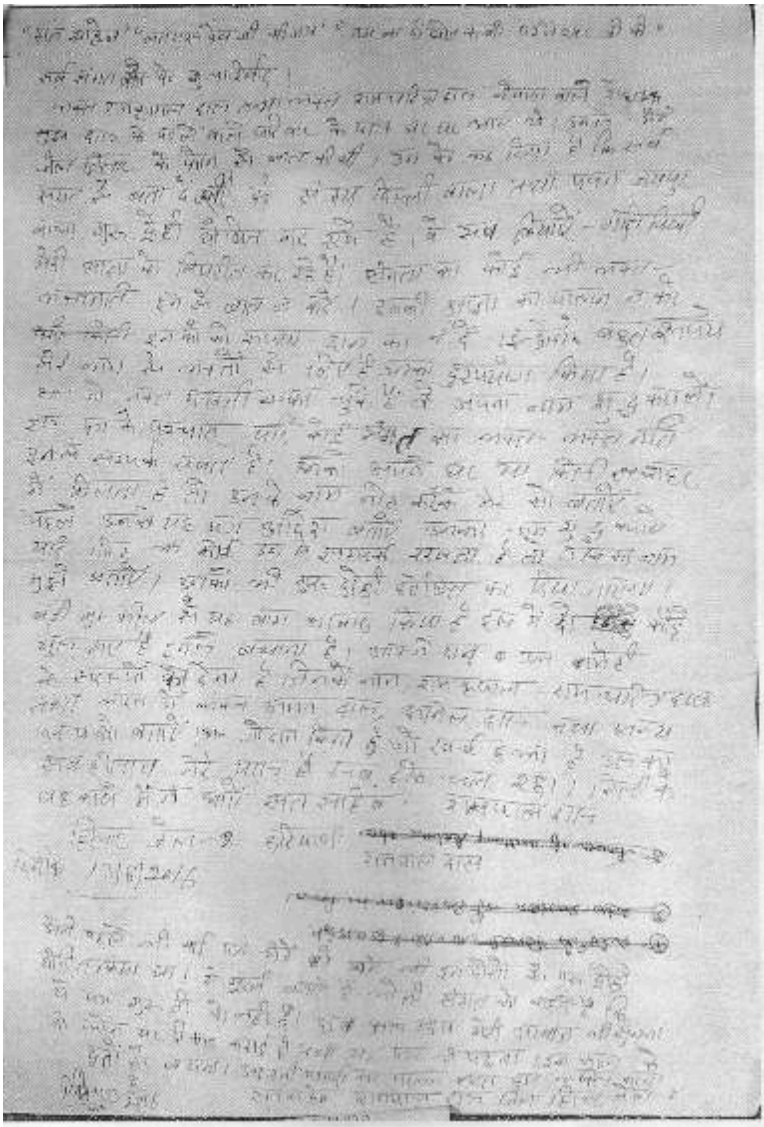

23. सतवादी गुरूजी झूठ बोलने के लिए कैसे कह सकते है:-

महेन्द्र एंड पार्टी द्वारा सतगुरू देव जी को बदनाम करने उन्हें एक सामान्य संत साबित करने के उद्देश्य व प्रशासन को भड़काने के मकसद से इन पत्रों में भक्तो को झूठ बोलकर पुलिस के खिलाफ जो केस करवाने की बाते लिखी गई है वे परमेश्वर के गुणों से दूर–दूर तक मेल नही खाती है और नाही हमारे सतवादी सतगुरू देव जी किसी को झूठ बोलने की सलाह दे सकते है

देखिए इस पत्र में लिखा है कि '' जिनके पास जितने पैसे थे वे उनसे 2 या 3 हजार ज्यादा लिखवाए, अर्थात बरवाला कांड में जेल जाते समय पुलिस वालों ने जिन भक्तों से जितने पैसे छीने थे वे भक्त छीने गए पैसों से 2 या 3 हजार रूपए ज्यादा लिखवाए,

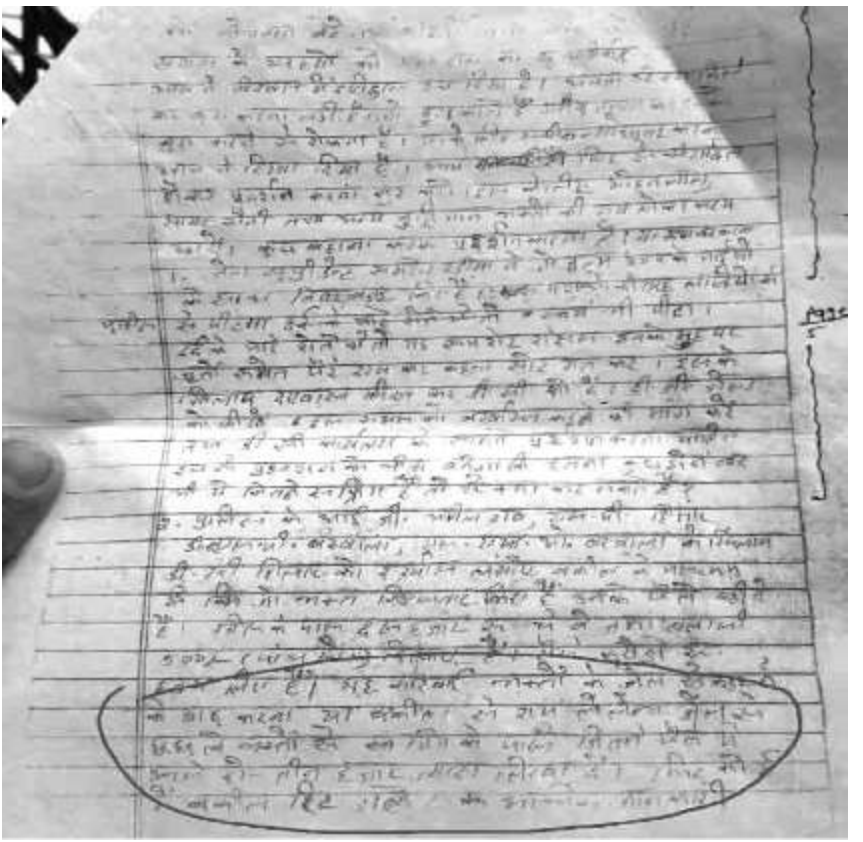

24. महेन्द्र एंड पार्टी का उधार मांगने वाला नकली लैटर

नीचे दिए गए इस पत्र को पढ़कर संगत के समझ में आ जायेगा कि कैसे महेन्द्र एंड पार्टी नकली लैटर लिखती है, महेन्द्र एंड पार्टी द्वारा यह नकली पत्र भक्त रविन्द्र ढाका के लिए लिखा गया है जिसका पूना में ट्रांसपोर्ट का अच्छा काम है, भक्त रविन्द्र ढाका से 50 लाख रूपए ऐंठने के मकसद से महेन्द्र एंड पार्टी ने गुरूजी के नाम से पत्र लिखा जिसमें गुरूजी ने 50 लाख रूपये रविन्द्र ढ़ाका से उधार मांगे है.... **जबकि गुरूजी ने पैसे मांगने वाले संतो को ''अज्ञानी और भड़वा'' बताया है और कहा है कि.... मांगै सोही भड़वा कहिये दर दर फिरै अज्ञानी- जोगी जोग सम्पूर्ण जिसका वो मांग ना पीवै पानी.... देखिये यह नकली पत्र व नवीन सोनीपत वाले की ओडियो जो खुद कह रहा है कि यह पत्र नकली है www.barwalakand.com पर।**

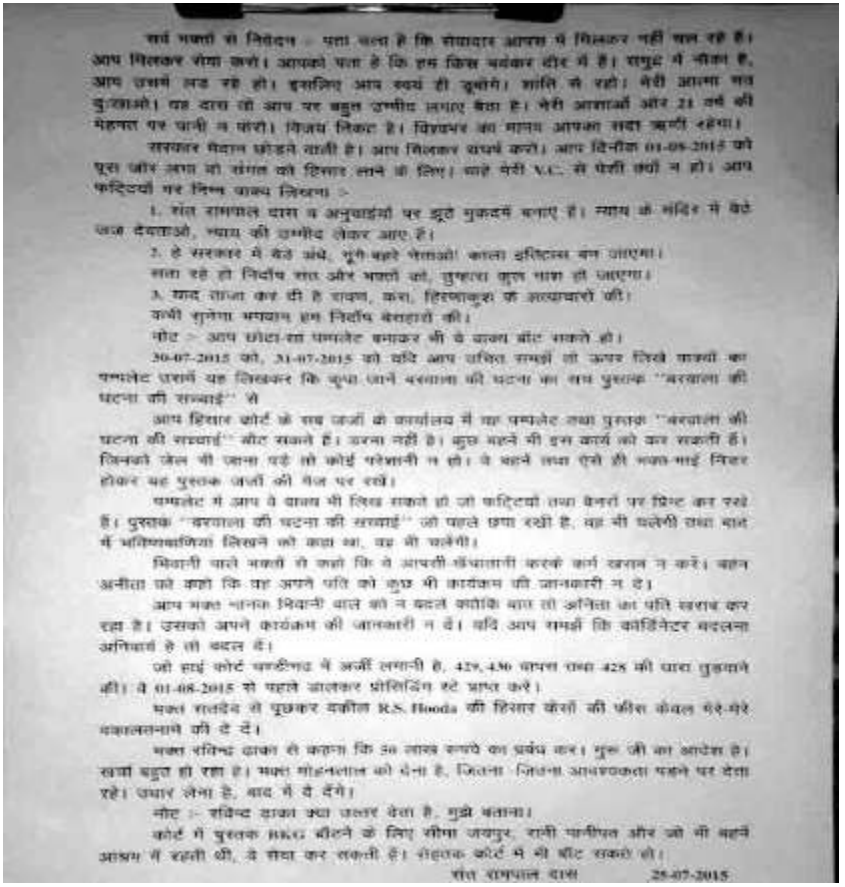

सर्व भक्तों से निवेदन :- पता चला है कि सौदागर आपस में मिलकर नहीं चल रहे हैं। आप मिलकर रहना सीखो। आपको पता है कि हम किस मकसद दौर में हैं। समुद्र में नौका है, आप उसमें लड़ रहे हो। इसलिए आप स्वयं ही डूबोगे। शांति से रहो। मेरी आत्मा सत् दुःखाओ। यह दास तो आप पर बहुत उम्मीद लगाए बैठा है। मेरी आशाओं और 21 वर्ष की मेहनत पर पानी न फेरो। विजय निकट है। विश्वभर का मालिक आपका सदा ऋणी रहेगा।

सरकार मैदान छोड़ने वाली है। आप मिलकर संघर्ष करो। आप दिनांक 01-08-2015 को पूरा और अपना सो संगत को हिसाब लाने के लिए। चाहे मेरी V.C. से पेशी क्यों न हो। आप कंटिटियों पर निम्न वाक्य लिखना :-

1. संत रामपाल दास व अनुयाईयों पर झूठे मुकदमें बनाए हैं। न्याय के मंदिर में बैठे जज देवताओ, न्याय की उम्मीद लेकर आए हैं।

2. हे सरकार में बैठे अंधे, भूखे बहरे भेड़ाओ! काला इतिहास बन जाएगा।
सत्ता रहे हो निर्दोष सत और भक्तों को, तुम्हारा सुख चारा ही जाएगा।

3. याद रखना कर दी है दायण, कंस, हिरणाकुश के अत्याचारों की।
कभी सुनेगा भगवान हम निर्दोष बेसहारों की।

नोट :- आप छोटा-सा पम्पलेट बनाकर भी ये वाक्य बांट सकते हो।

30-07-2015 को, 31-07-2015 को यदि आप उचित समझो तो ऊपर लिखे वाक्यों का पम्पलेट उसमें यह लिखकर कि कृपा आने बरवाला की घटना का सच पुस्तक ''बरवाला की घटना की सच्चाई'' से

आप हिसार कोर्ट के सब जजों को कार्यालय में यह पम्पलेट तथा पुस्तक ''बरवाला की घटना की सच्चाई'' बांट सकते हैं। डरना नहीं है। कुछ बहनें भी इस कार्य को कर सकती हैं। जिनको जेल भी जाना पड़े तो कोई परेशानी न हो। वे बहनें तथा ऐसे ही भक्त-भाई निडर होकर यह पुस्तक जजों की मेज पर रखें।

पम्पलेट में आप वे वाक्य भी लिख सकते हो जो कंटिटियों तथा बैनरों पर प्रिन्ट कर रखे हैं। पुस्तक ''बरवाला की घटना की सच्चाई'' जो पहले छपा रखी है, वह भी चलेगी तथा साथ में भविष्यवाणियां लिखने को कहा था, वह भी चलेगी।

मिवानी वाले भक्तों से कहो कि वे आपसी खींचातानी करके कार्य खराब न करें। बहन अनीता को कहो कि वह अपने पति को कुछ भी कार्यक्रम की जानकारी न दे।

आप भक्त नानक मिवानी वाले को न बदलो क्योंकि बात तो अनिता का पति खराब कर रहा है। उसको अपने कार्यक्रम की जानकारी न दे। यदि आप समझो कि कोर्डिनेटर बदलना अनिवार्य है तो बदल दें।

जो साई कोर्ट चण्डीगढ़ में अर्जी लगाती है, 420, 430 वापस लेना 420 की धारा लुकवाने की। वे 01-08-2015 से पहले जाकर प्रोसिडिंग रद्द प्राप्त करें।

भक्त राजदेव से पूछकर वकील R.S. Hooda की हिसार कोर्टों की फीस केवल मेरे-मेरे वकालतनामे की दे दें।

भक्त रविन्द्र ढाका से कहना कि 50 लाख रूपये का प्रबंध करे। गुरू जी का आदेश है। खर्चा बहुत हो रहा है। भक्त मोहनलाल को मेना है, जितना जितना आवश्यकता पड़ने पर देता रहे। उधार लेना है, बाद में दे देंगे।

नोट :- रविन्द्र ढाका क्या उत्तर देता है, मुझे बताना।

कोर्ट में पुस्तक R.K.C. बांटने के लिए सीमा जयपुर, रानी चण्डीगढ़ और जो भी बहनें आश्रम में रहती थी, वे सेवा कर सकती हैं। सेवादार कोर्ट में भी बांट सकते हो।

संत रामपाल दास 28-07-2015

25. गुरूजी की जमानत 15 महीने पहले ही हो सकती थी लेकिन महेन्द्र ने जानबूझकर नहीं होने दीः– सत सेवको ने आज से लगभग **16** महीने पहले फरीदाबाद व दिल्ली के कुछ भक्तो से **4** लाख रूपए वकील की फीस के लिए इकट्ठे करके एक वकील हिरेन दासन व सरिता वकील को सतगुरू देव जी के पास हिसार जेल में जमानत की प्रार्थना के लिए भेजा था

सतगुरू देव जी ने प्रार्थना स्वीकार की और खुश होकर जमानत की तैयारी के लिए कहते हुए वकालत नामे पर हस्ताक्षर भी किये, लेकिन जब महेन्द्र को इस बात का पता चला कि सत सेवको द्वारा गुरूजी की जमानत की तैयारी की जा रही है तो गद्दार महेन्द्र उसी समय करनाल की वकील सरिता सिंह के पास पहुँच गया और ये कहते हुए जमानत रूकवादी की अभी ऐसे कैसे जमानत हो जायेगी, **(देखिये नीचे गुरूजी का वकालात नामा और ..... पर भक्तमति सरिता वकील की ऑडियो जिसमें उन्होंने साफ साफ कहा है कि यदि महेन्द्र जी जमानत के लिए मना नही करते तो अब तक गुरूजी की जमानत हो सकती थी, वकालत नामा और ऑडियो सुनकर संगत स्वयं निर्णय करें कि गुरूद्रोही वाला काम सत सेवको ने किया है या महेन्द्र ने) www.barwalakand.com पर।**

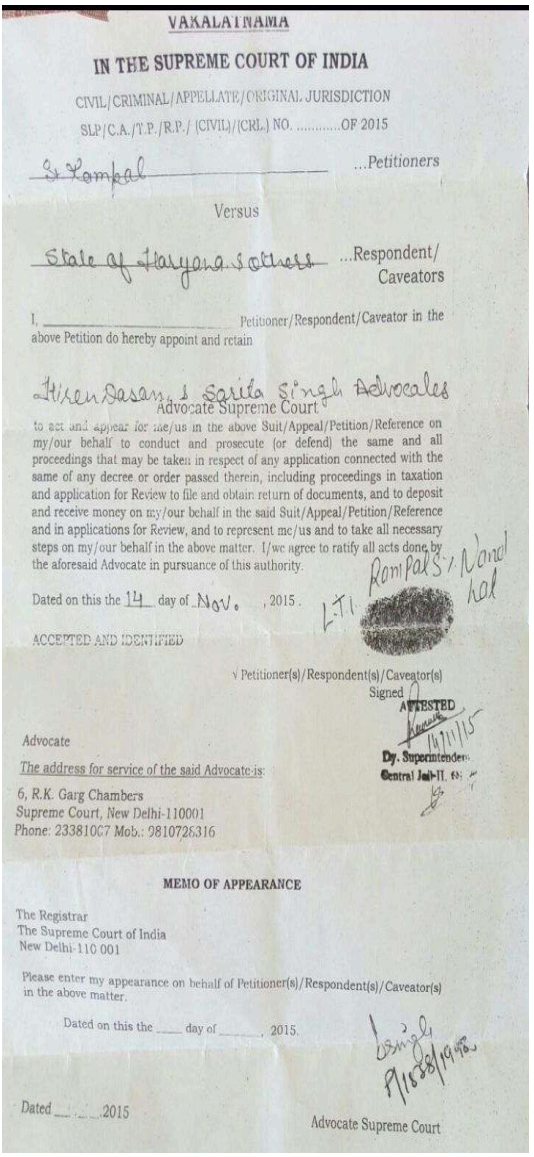

VAKALATNAMA

IN THE SUPREME COURT OF INDIA

CIVIL/CRIMINAL/APPELLATE/ORIGINAL JURISDICTION

SLP/C.A./T.P./R.P./ (CIVIL)/(CRL.) NO. .....OF 2015

S. Rampal ...Petitioners

Versus

State of Haryana & others ...Respondent/ Caveators

I, _____ Petitioner/Respondent/Caveator in the above Petition do hereby appoint and retain

Hiren Dasan & Sarita Singh Advocates

Advocate Supreme Court

to act and appear for me/us in the above Suit/Appeal/Petition/Reference on my/our behalf to conduct and prosecute (or defend) the same and all proceedings that may be taken in respect of any application connected with the same of any decree or order passed therein, including proceedings in taxation and application for Review to file and obtain return of documents, and to deposit and receive money on my/our behalf in the said Suit/Appeal/Petition/Reference and in applications for Review, and to represent me/us and to take all necessary steps on my/our behalf in the above matter. I/we agree to ratify all acts done by the aforesaid Advocate in pursuance of this authority.

Dated on this the 14 day of Nov. , 2015.

Rampal S/ Nand Lal

L.T.I.

ACCEPTED AND IDENTIFIED

√ Petitioner(s)/Respondent(s)/Caveator(s)

Signed

ATTESTED

14/11/15

Dy. Superintendent

Central Jail-II, [illegible]

Advocate

The address for service of the said Advocate is:

6, R.K. Garg Chambers
Supreme Court, New Delhi-110001
Phone: 23381007 Mob.: 9810728316

MEMO OF APPEARANCE

The Registrar
The Supreme Court of India
New Delhi-110 001

Please enter my appearance on behalf of Petitioner(s)/Respondent(s)/Caveator(s) in the above matter.

Dated on this the ____ day of _____, 2015.

Singh
9/1888/1998

Dated ____ 2015

Advocate Supreme Court

26. सतगुरू देव जी की माता इन्द्रो माई का निधनः– नवम्बर **2016** में सतगुरू देव जी की माताजी इन्द्रो माई का निधन हो गया था सतगुरू देव जी ने दाह संस्कार में शामिल होने के लिए कोर्ट में अर्जी लगाई जिसे रोहतक कोर्ट ने तो स्वीकार कर लिया था लेकिन चंडीगढ़ हाइकोर्ट का फैसला अगले दिन १२ बजे आना था की गुरूजी को उनकी माँ के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए १ दिन की जमानत दी जाये या नही, कोर्ट का फैसला १२ बजे आना था, लेकिन महेन्द्र एंड पार्टी ने कोर्ट का फैसला गुरूजी के हक में आते देख १२ बजे तक कोर्ट का फैसला आने से पहले ही सुबह ८ बजे आनन फानन में इन्द्रो माई का अंतिम संस्कार करवा दिया ताकि गुरूजी को जमानत ना मिल सके (भक्त समाज सवयं निर्णय करे कोर्ट गुरूजी को एक दिन की जमानत अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए दे रहा था लेकिन जब कोर्ट का फैसला आने से पहले ही अंतिम संस्कार कर दिया गया तो उधर कोर्ट ने भी जमानत कैंसिल करदी, और कहा कि हम जिस कार्य के लिए संत रामपाल जी महाराज को जमानत देना चाहते थे वह कार्य तो हो चुका है फिर जमानत किस लिए,)

रोहतक, झज्जर, दिल्ली, गुड़गांव में लगातार दबिश दे रही है। इस ऑपरेशन में गुड़गांव और दिल्ली पुलिस भी जुटी है।

कोई पकड़ा गया है या नहीं, इसकी पुष्टि नहीं हो सकी है। इधर गुड़गांव में पकड़े गए पांच संदिग्ध बदमाशों से पूछताछ चल रही है।

डीजीपी ने जजों को चेंबर में दिखाई खुफिया रिपोर्ट

रामपाल आतंकी नहीं, लेकिन वह जमानत का हकदार नहीं: हाईकोर्ट

लीगल रिपोर्टर | चंडीगढ़

बरवाला स्थित सतलोक आश्रम के प्रमुख रामपाल की तीन सप्ताह की अंतरिम जमानत दिए जाने की मांग को मंगलवार को पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया। जस्टिस एम जियार्पाल व जस्टिस दर्शन सिंह की खंडपीठ ने कहा कि फैसले में कहा कि रामपाल कोई आतंकी नहीं है, लेकिन समर्थकों के रवैये को देखते हुए जमानत का लाभ नहीं दे सकते।

कोर्ट चाहती थी कि रामपाल अपनी मां की आत्मा के लिए शांति पाठ में शामिल हो, लेकिन इंटेलीजेंस रिपोर्ट कानून व्यवस्था बिगड़ने की बात कह रही हैं। मंगलवार को मामले की सुनवाई आरंभ होते ही डीजीपी व सोनीपत के एसपी कोर्ट में हाजिर हुए। हाईकोर्ट ने दोनों से पूछा कि आखिर क्यों रामपाल को पुलिस की सुरक्षा में पाठ में शामिल होने देने की इजाजत देने में ऐतराज है। डीजीपी ने बताया कि इंटेलिजेंस से कुछ इनपुट आई हैं। बेंच के दोनों जज डीजीपी के साथ चेंबर में चले गए। चेंबर से वापस आने के बाद हाईकोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया। करीब साढ़े चार बजे बेंच ने अंतरिम जमानत याचिका खारिज कर दी। कोर्ट ने कहा कि वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए सुनवाई के दौरान भी जेल के बाहर रामपाल के समर्थक जमा हो जाते हैं। समर्थक अपनी भावनाओं से काबू खो सकते हैं।

कोर्ट ने कहा- समर्थकों को काबू करना हो सकता है मुश्किल

नमी के फॉर्मूले का होगा रिव्यू : सीएम

द में किसानों को दिक्कत न आए, इसलिए निकाला था फॉर्मूला

सरकार ने 18% नमी तक धान खरीदा

दूसरी शर्त कोर्ट ने यह रखी थी कि यदि जमानत वाले दिन भक्तो को कोर्ट के आस पास इकट्ठा किया गया तो भी हम जमानत नही देंगे और मैनेंजमेंट ने कॉर्डिनेटर सिस्टम के माध्यम से उस दिन भक्तो की भीड़ जमा करदी, जो कोर्ट की शर्त के विपरीत था, देखिये सबूत अपनी आँखो से जिसमें कोर्ट ने कहा है कि **''रामपाल जमानत का हकदार है लेकिन उनके समर्थकों का रवैया देखते हुये जमानत नही दी गई,**

27. नेपाल की भक्तमति को हिसार में फाँसी, महेन्द्र एंड पार्टी का एक राजनैतिक षडयंत्र व गुरूजी की जमानत में रोड़ाः– महेन्द्र एंड पार्टी ने अपनी राजनैतिक साजिश के चलते गुरूजी को अपनी माताजी के अंतिम संस्कार में शामिल होने वाली जमानत कैंसिल करवाने के बाद, गुरूजी ने अंतिम दिन पाठ में शामिल होने की कोर्ट में पुनः अर्जी लगाई जिसे कोर्ट ने स्वीकार करते हुए पुलिस दस्ते के साथ 23 नवंबर को अपनी माँ के पाठ में शामिल होने का आदेश सुनाया, लेकिन महेन्द्र ने यहां भी जमानत में रोड़ा अटका दिया और वापिस कोर्ट में एक दिन की जमानत के बजाए ३ दिन की जमानत करवाने की अर्जी लगा डाली जिसे कोर्ट ने खारिज कर दिया, और

फंदे पर झूली महिला रामपाल समर्थक

साथ ही अपने राजनैतिक व प्रशासनिक षडयंत्र के तहत नेपाल से गुरूजी के दर्शनों के लिए आई भक्तमति बिंदिया जो परिवार सहित हिसार में ठहरी हुई थी उसे 18 नवबंर 2016 की रात्रि को फाँसी हो जाती है, फाँसी लगने की जगह व पेड़ को देखते हुए साफ साफ समझा जा सकता है कि बिंदिया को फाँसी लगाई गई थी, ताकि गुरूजी को मिलने वाली जमानत में यह फाँसी वाली न्यूज रोड़ा बन जाये, और वही हुआ 22 नवंबर 2016 को जब कोर्ट ने हरियाणा के डी.जी.पी. और सोनीपत के एस०पी० को

कोर्ट में बुलाकार पूछा कि आखिर संत रामपाल जी को जमानत क्या नही दी जाये इसका कारण बताओ, तो डी०जी०पी० और एस०पी० ने चैंबर में जाकर जज को कुछ ऐसे सबूत दिखाए जैसे नेपाल से आई बहन बिंदिया की फाँसी वाली न्यूज़ और सोनीपत में जहां पाठ हो रहा था वहां मैनेजमेंट द्वारा जमा की गई भक्तों की भीड़, जिसे देखकर कोर्ट ने गुरूजी की जमानत कैंसिल कर दी **(देखिये कोर्ट की न्यूज़ और फाँसी वाली फोटो व भक्त समाज सवयं निर्णय करे कि महेन्द्र एंड पार्टी की राजनैतिक व प्रशासनिक पहुँच के चलते गुरूजी को जबरन और अधिक फसाया जा रहा है)**

चाह कर भी हाई कोर्ट ने रामपाल को नहीं दी जमानत

* मानवता के आधार पर हाई कोर्ट देना वाला था जमानत, लेकिन कानून व्यवस्था बिगड़ने के कारण किया इन्कार

डीजीपी बोले, समर्थकों को संभाल पाना मुश्किल होगा

28. महेन्द्र उर्फ मोहन लाल की प्रशासन व राजनीति में मजबूत मकड़ व सेटिंग का एक नमूनाः-

संगत में बहुत कम भक्तो को पता है कि महेन्द्र उर्फ मोहन लाल हरियाणा पुलिस में डी०जी० (डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस) का ड्राइवर था जिस कारण प्रशासनिक अनुभव के साथ–साथ काफी बड़े अधिकारियों से भी उसका मेल मिलाप व सेटिंग थी जिसका फायदा महेन्द्र ने बरवाला कांड करवाने व बरवाला कांड से बच निकलने में उठाया और आज गुरूजी के मुकदमो में सुस्त और सही दिश में कानूनी प्रक्रिया ना करके उठा रहा है, हाल ही महेन्द्र की प्रशासनिक साठगाँठ का एक और जीता जागता नमूना सामने आया है दरअसल संजय दिल्ली वाला बरवाला कांड के सभी सबूत व राष्ट्रीय समाज सेवा समिति सहित सभी दोषियों की लिस्ट व अन्य महत्वपूर्ण सबूतों वाली 500 जीबी की हार्ड डिस्क लेकर हरियाणा के डी०जी०पी० श्री क०पी० सिंह जी को देने उनके ऑफिस में गया था लेकिन डी०जी०पी० साहब ने सबूत लेने से साफ साफ इंकार कर दिया जबकि हरियाणा प्रशासन के लिए यह सबूत बहुत महत्वपूर्ण थे **(अतः संगत समझ सकती है कि क्यो हरियाणा प्रशासनिक भी**

महेन्द्र सहित इन भगोड़ो को पकड़ने में रूचि नहीं ले रहा है अर्थात् महेन्द्र एंड पार्टी का अपने बचाव के लिए भक्तो के दान का कहा कहा दुरूपयोग किया जा रहा है)

To

The Director General of Police(Haryana),
Office Chandigarh

Sub: Submission of Hard Disk (500GB) in the matter of Sanjay Rai & Ors. Vs State of Haryana & Ors. CRL.Misc.-M-32343 of 2016 Date of Next Hearing:- 30/11/2016

Sir,

On the subject cited above, it is stated that the matter under reference is pending for hearing before the Hon'ble High Court of Punjab & Haryana and necessary reply from the Govt. of Haryana is still awaited.

This is for your kind information that the matter is basically against the internal management of **Satlok Ashram, Barwala and R.S.S.S (Rashtriya Samaj Sewa Samiti)** and the details of the conspirators have already been mentioned in the aforesaid CRL, but till date no action has been taken against them. It seems that the Govt. of Haryana is neither taking keen interest in the matter nor taking strict action against the conspirators due to unknown reasons.

Further I am (The Petitioner) is enclosing one of the Hard Disk (500GB) showing certain activities of the internal management of Satlok Ashram and R.S.S.S for taking action against the conspirators. Copies of the same will be also provided to the Hon'ble High Court of Punjab & Haryana as well as Hon'ble Supreme Court of India in due course. Now I also offer my assistance to Govt. of Haryana in the matter, if needed. I am the Eye Witness of whatever happened in between 05th of November 2014 to 20th November 2014 in Satlok Ashram, Barwala.

In view of above you are once again requested to enquire into the matter immediately which require prompt stringent action against the conspirators to meet the end of justice.

DATE OF NEXT HEARING : 30TH NOVEMBER 2016

Thanking You

Yours faithfully,

Enclosed:- 500GB Hard Disk

(SANJAY RAI)
419, Pkt-5,
Mayur Vihar, Phase-1,
New Delhi-110091
Contact No.:- +91- 9871030521 / 9312474902

29. चंडीगढ़ हाइकोर्ट में सत सेवको द्वारा राष्ट्रीय समाज सेवा समिति के खिलाफ याचिका लगानाः–

महेन्द्र एंड पार्टी ने जब अपनी राष्ट्रीय समाज सेवा समिति के माध्यम से भोले भक्त समाज को गुरूजी के आदेश बताते हुए राष्ट्रपति जी से इच्छा मृत्यु के आदेश लेकर एक बड़ा नर संहार करवाकर गुरूजी को फसाने के उद्देश्य से आत्म हत्या के फार्म भरवाये जा रहे थे उसी समय सत सेवको ने वकील खड़ा करके महेन्द्र एंड पार्टी के इस षडयंत्र के खिलाफ चंदीगढ़ हाइकोर्ट में एक याचिका लगाई और कहा गया कि राष्ट्रीय समाज सेवा समिति हमारे पूज्य सतगुरू देव जी की जमानत के मार्ग में रोड़ा बनी हुई है और उधर भक्त समाज को गुमराह किया जा रहा है कि हमे भारत की न्याय व्यवस्था पर विश्वास नहीं है अतः हम आत्म हत्या करेंगे (भक्त समाज ध्यान दे यदि उस समय परमात्मा ने सत सेवको को निमित बनाकर महेन्द्र एंड पार्टी के खिलाफ यह याचिका नही लगवाई होती तो आज येलोग सैकड़ो भक्तो को मरवाकर कोई बड़ी अनहोनी घटना करवा चुके होते जिसका आरोप सीधे सीधे गुरूजी पर लगाया जाता) देखिये न्यूज़ व वीडियो देखने के लिए वेबसाइट **www.barwalakand.com पर।**

आर.एस.एस. ने सतलोक आश्रम व रामपाल को किया था हाईजैक

रामपाल समर्थकों ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर आर.एस.एस. पर लगाए गंभीर आरोप; आर.एस.एस. के लोग रामपाल के समर्थकों को आत्महत्या के लिए उकसा रहे हैं : याची; हाईकोर्ट ने याचिका पर सुनाई करते हुए हरियाणा सरकार और डी.जी.पी. को नोटिस जारी कर मांगा जवाब

चंडीगढ़ 15 सितम्बर (विवेक): सतलोक आश्रम प्रमुख रामपाल के समर्थकों ने पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर राष्ट्रीय समाज सेवा समिति (आर.एस.एस.) पर रामपाल समर्थकों को आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप लगाया है। साथ ही यह भी कहा है कि आश्रम में जो कुछ भी हुआ उसके लिए रामपाल जिम्मेदार नहीं थी।

कुछ लोगों ने आश्रम और रामपाल को हाईजैक कर लिया था और उन्हें रास्ते से हटाना चाहते थे। हाईकोर्ट ने इस याचिका पर हरियाणा सरकार और डी.जी.पी. को नोटिस जारी करते हुए जवाब दाखिल करने के आदेश दिए हैं। कथित संत रामपाल के समर्थकों की ओर से दाखिल की गई याचिका में आरोप लगाया गया है कि राष्ट्रीय समाज सेवा समिति का कंट्रोल कुछ असामाजिक तत्वों के हाथ में आ गया है।

संत रामपाल अहिंसा व शांति का संदेश देते है लेकिन राष्ट्रीय समाज सेवा समिति संत रामपाल के शिष्यों

चीन की घेराबं

30.राष्ट्रीय समाज सेवा समिति द्वारा 24 मार्च 2016 को भक्तो को पुलिस से भिड़वाना:- परमात्मा कहते है '' दया बिना दरवेश कसाई'' यदि भक्त के हृदय में दया भाव और सबको अपना समझने का भाव नही है तो वह कसाई तुल्य है, और महेन्द्र एंड पार्टी ने 24 मार्च 2016 को यह कसाई कर्म भी कर दिखाया, कॉर्डिनेटर के माध्यम से संगत में मैसेज भेजा गया कि गुरूजी का आदेश है 24 मार्च 2016 को हिसार जेल नंबर 2 के आगे डंडे और झंडे लेकर आने है और उस दिन पुलिस व भक्तो की झड़प करवादी गई जिसमें 11 भक्तों पर केस, 25 को जेल और कई भक्त भाई बहन घायल हुए,

मैनेजमेंट के इस कुकृत्य से सबसे बड़ी निंदा मीडिया के माध्यम से सतगुरू देव जी की हुई, जो भक्त समाज के लिए बहुत बड़ी शर्म की बात थी, लेकिन महेन्द्र एंड पार्टी ने अगले ही दिन संगत में एक और मैसेज भेजा और बताया कि... **''गुरूजी कल की मारपीट वाली सेवा से बहुत खुश है और जो भक्त इस कांड में शमिल थे उनके सतलोक जाने की टिकट पर एक मोहर और लग चुकी है'' (देखिये नीचे 2 मार्च के बाद 24 मार्च के लिए डंडे का इशारा और मीडिया में माध्यम से गुरूजी की करवाई गई बदनामी)**

हिसार में रामपाल समर्थकों का पुलिस पर हमला, तीन घायल

शाम को सेंट्रल जेल के साथ लगते मकान में रस्सी लेकर घुसे

सेंट्रल जेल टू के सामने जुटे

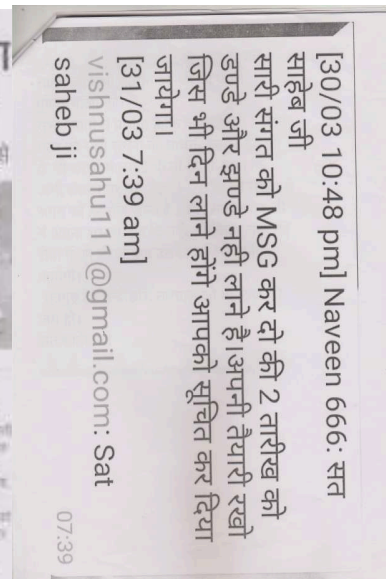

[30/03 10:48 pm] Naveen 666: सत साहेब जी
सारी संगत को MSG कर दो की 2 तारीख को डण्डे और झण्डे नही लाने है।अपनी तैयारी रखो जिस भी दिन लाने होंगे आपको सूचित कर दिया जायेगा।
[31/03 7:39 am] vishnusahu111@gmail.com: Sat saheb ji

31. गुरूजी की बेटी मंजू और भक्तमति अनारो माई को डराकर पवन जयपुर वाले के खिलाफ बनवाया वीडियोः-

पेशी पर आया रामपाल बोला

नेक आत्मा कैसे कर सकती है देशद्रोह, इस सरकार का नाश होगा

अमर उजाला ब्यूरो

रोहतक। एक खिलाफ मर्डर की गई सभी एफआईआर झूठी और मनगढ़ंत हैं। नेक आत्मा भी कोई विरोधी तक का प्रयोग नहीं करती उसी देशद्रोही कैसे घोषित किया जा सकता है। करीबन सात साल कोर्ट के आरोपी रामपाल ने सत्यमेव जयते की प्रदेश सरकार पर निशाना साधा। देशद्रोह के आरोपी रामपाल की कार्यकर्ता कोर्ट में पेशी पर लाया गया था। कोर्ट से बाहर आते समय उसने कहा कि नेक आत्माओं को सरकार नष्ट कर रहा है। ऐसी ही हालात रही तो इस सरकार का नाश होगा। रामपाल ने पूरे प्रकरण की जांच सीबीआई से कराने की भी मांग की है।

रामपाल परिवार की महिलाएं चला रही हैं भक्तों का नेटवर्क

वकीलों से भिड़े पुलिसकर्मी, एक सस्पेंड

रामपाल की कार के साथ पुलिस ने रामपाल को कोर्ट कर्मचारी सहित उसके करीबी लोगों को भेजा था। अब तो सारे आठ महीनों से जेल में है। फिर भी रामपाल का नेटवर्क बरकरार है। रामपाल की

पेशी वाले दिन भी वह रोहतक में उसके अनुयायी इंतजार पहुंच रहे हैं। वाय पुलिस प्रशासन के सामने यह सवाल है कि आखिर भारत से नेपाल तक कैसा रामपाल का नेटवर्क किसके हाथों में है। रोहतकी अनिल भारिया का कहना है कि रामपाल के परिवार की सभी महिलाएं जेल से बाहर हैं। उन्होंने रामपाल के परिवार की महिला सहित अन्य अनुयायियों पर नेटवर्क चलाने का आरोप लगाया।

पेज 2 पर

महेन्द्र ने पुलिस का भय दिखाकर ही मंजू और अनारो माई से पवन और संजय के खिलाफ एक वीडियो बनवाया था जिसमें उन दोनों को गुरूद्रोही बताया गया था, जबकि वास्तविकता यह है कि जब पवन जयपुर वाले ने गुरूजी की भक्तमति अनारो माई और बेटी मंजू से जेल में प्रार्थना लगवाई तो गुरूजी ने साफ साफ कह दिया था कि ''मैने किसी को भी गुरूद्रोही नही कहा है पवन अच्छा भक्त है उसे कहना कि डटकर सेवा करे, भगवान का आशीर्वाद उसके साथ है **(सबूत के लिए पवन दास की प्रार्थना वाली ऑडियो तथा मंजू और अनारो माई का वीडियो हमारी वेबसाइट www.barwalakand.com पर सुने और देखे तथा स्वयं निर्णय करें)**

32. ए०पी० सिंह वकील का सतगुरू देव जी की जमानत में रोड़ा बनना:– संगत बेचारी जोशीले भाषण सुनकर जिस ए०पी० सिंह वकील को भगवान से कम नहीं समझती थी दरअसल मैनेजमेंट के पैसो पर व महेन्द्र के इशारो पर चल रहे उस वकील की हकीकत यह है जब सत सेवको ने चंडीगढ़ हाइकोर्ट में राष्ट्रीय समाज सेवा समिति वालो के खिलाफ याचिका लगाई तो महेन्द्र व राष्ट्र समाज सेवा समिति को फंसता हुआ देख सत सेवको को मीडिया के माध्यम से धमकाया की जिन लोगो ने यह याचिका लगाई है मैं उसके खिलाफ एफ०आई०आर० करवाऊंगा.....**जबकि विचार करने की बात है सत सेवकों ने यह याचिका सतगुरू देव जी के पक्ष में लगाई थी जिससे प्रशासन को पता चल जाता कि संत रामपाल जी महाराज निर्दोष है और बरवाला कांड उनके आदेशों की आड़ में राष्ट्रीय समाज सेवा समिति ने करवाया है, फिर भी ए०पी० सिंह ने सत सेवको पर एफ०आई०आर० करवाने की धमकी दी, (संगत विचार करें कि ए०पी० सिंह वकील गुरूजी को फंसाने के लिए केस लड़ रहा है या महेन्द्र को बचाने के लिए देखिये सबूत...)**

रामपाल के वकील ने कहा, कुछ धार्मिक संगठनों से जुड़े लोग बाबा को बदनाम करने में जुटे हैं, सबके खिलाफ एफआईआर कराऊंगा

दलील ये भी

ऐसी ही धाराओं में कइयों को जमानत दी तो बाबा को क्यों नहीं

इनमें हुई सुनवाई

घुटने नहीं टेके तो कर दिया अंदर

मुकदमे ट्रांसफर करने पर बहस हुई पूरी, अब 19 सितंबर को होगा फैसला

मुकदमे में ये लोग हैं आरोपित

पहली बार 51 सौ रुपये और दोबारा लापरवाही करने पर 11 हजार रुपये का दंड लगेगा

33. गद्दार महेन्द्र का बयानः- गुरूजी से प्रार्थना होने के बाद भी मेरी मंजूरी जरूरी है परमात्मा ने सत्संगो में बताया की..... गुरू बड़े है गोविन्द से मन में देख विचार– हरी सुमरे सो रह गये गुरू भजे हो पार'' अर्थात भगवान से बड़ा गुरू को बताया गया है और गुरू के आदेश के बाद किसी के आदेश या मंजूरी की जरूरत नहीं होती है,

लेकिन जैसा कि पहले कहा जा चुका हैं कि महेन्द्र स्वंय गुरू बनना चाहता था जिस वजह से वह गुरूजी को परमात्मा नहीं मानता था, इसका सबसे बड़ा उदाहरण यह है कि जब पवन जयपुर वाले ने गुरू जी से दान के विषय में प्रार्थना लगवानी चाही की यह आदेश जेल से गुरूजी के है या नहीं तो उसी समय पता लगने पर महेन्द्र का पवन दास के पास फोन आया और उसने कहा की.... गुरूजी से प्रार्थना लगवाने के बाद भी मेरी अनुमति जरूरी है **(अब भगत समाज स्वयं निर्णय करें कि जो व्यक्ति गुरूजी के आदेशों के ऊपर अपनी मंजूरी लेने की बात कह रहा है उस व्यक्ति ने गुरूजी को परमात्मा तो क्या अपना बड़ा भाई भी नहीं समझा वरना भारतीय संस्कृति में बड़े भाई की आज्ञा को पिता तुल्य समझा जाता है) सुनिए महेन्द्र की यह ऑडियो हमारी वेबसाइट www.barwalakand.com पर।**

34. गुरू बनने की लालसा में महेन्द्र द्वारा अपने आपको सारशब्द मिलने की छूठी अफवाह उड़वानाः–

महेन्द्र एंड पार्टी ने अपनी घिनोनी हरकतों के चलते गुरूजी पर देशद्रोही की धारा लगवाकर और एक सामान्य संत समझते हुए यह मान लिया था कि अब गुरूजी जेल से बाहर नहीं आने वाले है और अब गुरू बनने का अच्छा मौका है इस दुर्भावना के चलते अपने विशेष कृपापात्र नवीन सोनीपत वाले के माध्यम से संगत में एक अफवाह उड़ाई की महेन्द्र को सच्चा शब्द (सारशब्द) मिला हुआ है जो हम सतलोक में छोड़कर आये थे, देखिये इसका वीडियो हमारी वेबसाइट **www.barwalakand.com पर।**

लेकिन परमात्मा ने दया की और आश्रम से लिखित एक पुस्तक (मानवता का गिरता ह्रास व विकास के पेज नंबर 82) में महेन्द्र के इस पाखंड का भी पर्दाफास करवा दिया उस पुस्तक में लिखा है कि जब तक सभी नकली कबीर पंथ और उनके अलावा अन्य पंथ नही मिट जाएंगे तब

तक सारशब्द छुपा के रखना है (संगत यह दोनों सबूत देकर खुद निर्णय करे की अभी तो सभी नकली कबीर पंथ व अन्य पंथ चल ही रहे है फिर ऐसे में महेन्द्र को सारशब्द कहा से मिल गया) देखिए सार शब्द के विषय में प्रमाण व हमारी वेबसाइट www.barwalakand.com पर नवीन द्वारा भेजा गया सार शब्द वाला वीडियो,

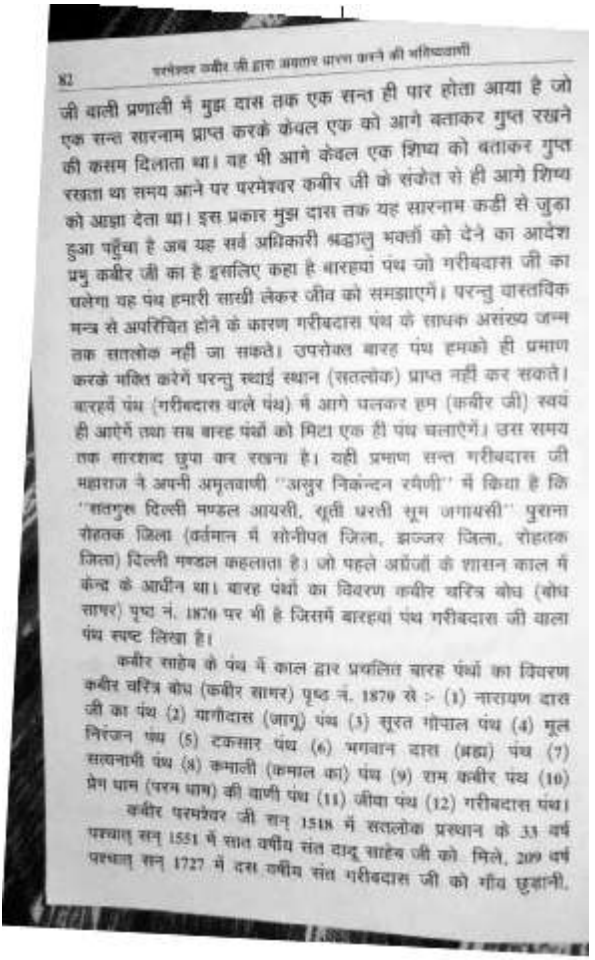

82 परमेश्वर कबीर जी द्वारा अवतार धारण करने की भविष्यवाणी

जी वाली प्रणाली में मुझ दास तक एक सन्त ही पार होता आया है जो एक सन्त सारनाम प्राप्त करके केवल एक को आगे बताकर गुप्त रखने की कसम दिलाता था। वह भी आगे केवल एक शिष्य को बताकर गुप्त रखता था समय आने पर परमेश्वर कबीर जी के संकेत से ही आगे शिष्य को आज्ञा देता था। इस प्रकार मुझ दास तक यह सारनाम कड़ी से जुड़ा हुआ पहुँचा है जब यह सर्व अधिकारी श्रद्धालु भक्तों को देने का आदेश प्रभु कबीर जी का है इसलिए कहा है बारहवां पंथ जो गरीबदास जी का चलेगा वह पंथ हमारी साखी लेकर जीव को समझाएगें। परन्तु वास्तविक मन्त्र से अपरिचित होने के कारण गरीबदास पंथ के साधक असंख्य जन्म तक सतलोक नहीं जा सकते। उपरोक्त बारह पंथ हमको ही प्रमाण करके भक्ति करेगें परन्तु स्थाई स्थान (सतलोक) प्राप्त नहीं कर सकते। बारहवें पंथ (गरीबदास वाले पंथ) में आगे चलकर हम (कबीर जी) स्वयं ही आएंगे तथा सब बारह पंथों को मिटा एक ही पंथ चलाएंगें। उस समय तक सारशब्द छुपा कर रखना है। यही प्रमाण सन्त गरीबदास जी महाराज ने अपनी अमृतवाणी "असुर निकन्दन रमैणी" में किया है कि "सतगुरु दिल्ली मण्डल आयसी, खूंटी धरती सूम जगायसी" पुराना रोहतक जिला (वर्तमान में सोनीपत जिला, झज्जर जिला, रोहतक जिला) दिल्ली मण्डल कहलाता है। जो पहले अंग्रेजों के शासन काल में केन्द्र के आधीन था। बारह पंथों का विवरण कबीर चरित्र बोध (बोध सागर) पृष्ठ नं. 1870 पर भी है जिसमें बारहवां पंथ गरीबदास जी वाला पंथ स्पष्ट लिखा है।

कबीर साहेब के पंथ में काल द्वारा प्रचलित बारह पंथों का विवरण कबीर चरित्र बोध (कबीर सागर) पृष्ठ नं. 1870 से :- (1) नारायण दास जी का पंथ (2) गणीदास (जागू) पंथ (3) सुरत गोपाल पंथ (4) मूल निरंजन पंथ (5) टकसार पंथ (6) भगवान दास (ब्रह्म) पंथ (7) सत्यनामी पंथ (8) कमाली (कमाल का) पंथ (9) राम कबीर पंथ (10) प्रेम धाम (परम धाम) की वाणी पंथ (11) जीवा पंथ (12) गरीबदास पंथ।

कबीर परमेश्वर जी सन् 1518 में सतलोक प्रस्थान के 33 वर्ष पश्चात् सन् 1551 में सात वर्षीय संत दादू साहेब जी को मिले, 209 वर्ष पश्चात् सन् 1727 में दस वर्षीय संत गरीबदास जी को गाँव छुड़ानी,

35. भक्त समाज से सोना (गोल्ड) दान करवाने की बाप बेटे (महेन्द्र-अमित) की साजिशः-

जब संगत के अरबो की दानराशि सहित ज्योति और पाठ के पैसों से भी महेन्द्र एंड पार्टी की माया की हवस शांत नहीं हुई तो बेटे अमित को मोहरा बनाकर संगत में गुरूजी के नाम से एक रिकॉर्डिंग डलवाई की

आज अमित गुरूजी से मिलने जेल गया था तो गुरूजी ने आदेश दिया है कि संगत मे छोटे से लेकर बड़ा व माता बहने सोने से बनी कोई भी वस्तु ना पहने क्योंकि सोने में काल प्रवेश कर चुका है,

अपनी इस घटिया साजिश के तहत संगत से सोना दान करवाने की पूरी प्लानिंग थी लेकिन मालिक ने दया करी और सत सेवको के माध्यम से ज्ञान आधारित मैसेज डलवाकर इनकी साजिश को फेल करवाया (**महेन्द्र के बेटे अमित की यह रिकॉर्डिंग सुनने के लिए हमारी वेबसाइट www.barwalakand.com पर सर्च करें**)

सत् गुरू देव की जय

सत् साहेब

-*- सर्व संगत से प्राथना हे कि ,सत् गुरूदेव जी के आदेशानुसार कोई भी भगत आत्मा -
माता ,बहन,भाई एंवम बच्चे -सोने की अंगुटी ,गले मै हार ,कानो मै बाली ,गले की चैन आदी कोई भी सोने के आभुषण ना पहने ,क्योकि सोने मै काल प्रवेश कर चुका हे!
---अधिक जानकारी के लिये संपर्क करे ,***
म.प्र. स्टेट को-आडिनेटर
भगत विष्णुदास बैतुल
मो. 094253 81640

1:24 PM

36. पवित्र धार्मिक पुस्तक ''ज्ञान गंगा'' में मिलावटः-

मनवश महेन्द्र एंड पार्टी ने अपने स्वार्थवश सतगुरू देव जी के कर कमलों द्वारा लिखित पुस्तक ''ज्ञान गंगा'' को भी नहीं छोड़ा, ज्ञान गंगा के पृष्ठ नंबर 149 और 173 पर फ्रांस के भविष्यवक्ता नास्त्रेदमस द्वारा लिखी भविष्य वाणी में ''राष्ट्रद्रोह'' शब्द का अपने बचाव के लिए गलत अर्थ निकालकर उसे सतगुरू देव जी के साथ जोड़कर संगत में भेज दिया, मनवश मैनेजमेंट ने उसका अर्थ लिखा है कि ''उस हिन्दू संत पर देशद्रोह का मुकदमा चलेगा'' जबकि इसका वास्तविक अर्थ अन्य ही है जो संगत नीचे सबूत में देख सकती है, बरवाला कांड में रष्ट्रीय समाज सेवा समिति की हरकतों के चलते सतगुरू देव जी पर देशद्रोह की धारा लग गई थी, संगत में चर्चा होने लगी कि गुरूजी

पर लगी देशद्रोह की धारा का कारण केवल मैनेजमेंट है, **अतः मनवश महेन्द्र एंड पार्टी ने यह इल्जाम भी नास्त्रेदमस पर थोप दिया कि उसने भविष्यवाणी में ऐसा ही लिखा है, मैनेजमेंट ने सोचा कि इससे संगत का ध्यान बरवाला कांड मे हमारे कुकर्मो से हट जाएगा और यही साचेंगे कि गुरूजी पर देशद्रोह के विषय में तो नास्त्रेदमस ने पहले से ही लिख रखा है इसमें मैनेजमेंट की कोई गलती नहीं है (देखिये सबूत पुरानी ज्ञान गंगा व नई ज्ञान गंगा का पेज नंबर 149 व 173) www.barwalakand.com पर।**

OLD

ज्ञान गंगा 149

जो हिन्दुओं में प्रचलित है उसमें भी भिन्न अर्थ का ज्ञान उस तत्कालीन संत का होगा। वह सतगुरु का अनुयाई होगा। वह एक अद्वितीय संत होगा।

8. (पृष्ठ 74) :- बहुत सारे संत नेता आएंगे और जाएंगे, सर्व परमात्मा के दोहे तथा अभिलाषी होंगे। मुझे (नास्त्रेदमस को) आंतरिक साक्षात्कार उस सतगुरु का हुआ है।

हिन्दुस्तान का हिन्दू संत आपसी अंधकारी (संघेहान के अभाव से अंधे) प्रलयकारी (स्वयं एक भाई-भाई को मार रहा है, बंटवारा से विमुख है, हिन्दू-हिन्दू का शत्रु, मुसलमान-मुसलमान का दुश्मन बना है) युद्धकारी (भाग की दौड़ में बेमर्य मानव) जगत को उस प्रकाश देने वाला सर्वश्रेष्ठ आध्यात्मिक धार्मिक विश्व नेता की अपनी उन्नती के लिए कोई अभिलाषा नहीं होगी अर्थात मानव उद्धार के लिए मिशन के अतिरिक्त कुछ भी स्वार्थ नहीं होगा। वह अभिमान होगा, वह मेरी भविष्यवाणी की पोथ की बात होगी की वास्तव में वह तत्कालीन संत संसार में अवश्य प्रसिद्ध होगा। उसके द्वारा बहुत ज्ञान नदियाँ उस समय बहेंगी। वह संत आधुनिक वैज्ञानिकों की आँखें खोलेगा करेगा (ऐसे आध्यात्मिक मानकर करेगा कि वैज्ञानिक भी आश्चर्य में पड़ जाएँगे। उसका सर्व ज्ञान शास्त्र प्रमाणित होगा। मैं (नास्त्रेदमस) कहता हूँ कि बुद्धिजीवी व्यक्ति उसकी उपेक्षा न करें, उसे छोटा प्रामाणिक न समझें, उस समयेत महापुरुष (सतगुरु को) निरादरभाव करके (आसन पर बैठाकर) उसको आसन देव मानकर पूजा करें। वह आगे पुरुष (सतगुरु) का अनुयाई दुनिया का सतगुरु होगा।

"नास्त्रेदमस के सर्वकथन में अन्य भविष्यवक्ताओं की भविष्यवाणियाँ"

NEW

ज्ञान गंगा 149

जो हिन्दुओं में प्रचलित है उसमें भी भिन्न अर्थ का ज्ञान उस तत्कालीन संत का होगा। वह सतगुरु का अनुयाई होगा। वह एक अद्वितीय संत होगा।

8. (पृष्ठ 74) :- बहुत सारे संत नेता आएंगे और जाएंगे, सर्व परमात्मा के दोहे तथा अभिलाषी होंगे। मुझे (नास्त्रेदमस को) आंतरिक साक्षात्कार उस सतगुरु का हुआ है। नास्त्रेदमस ने कहा है कि उस महान हिन्दू धार्मिक नेता को न पहचानकर उस पर राष्ट्रद्रोह का झूठा आरोप लगाया जाएगा। मुझे (नास्त्रेदमस को) दुख है कि वह महान धार्मिक नेता (WHICH) उपेक्षा का पात्र बनाया जाएगा, क्यूं हिन्दुस्तान का हिन्दू संत आपसी अंधकारी (संघेहान के अभाव से अंधे) प्रलयकारी (स्वयं एक भाई-भाई को मार रहा है, बंटवारा से विमुख है, हिन्दू-हिन्दू का शत्रु, मुसलमान-मुसलमान का दुश्मन बना है) युद्धकारी (भाग की दौड़ में बेमर्य मानव) जगत को उस प्रकाश देने वाला सर्वश्रेष्ठ आध्यात्मिक धार्मिक विश्व नेता की अपनी उन्नती के लिए कोई अभिलाषा नहीं होगी अर्थात मानव उद्धार के लिए मिशन के अतिरिक्त कुछ भी स्वार्थ नहीं होगा। वह अभिमान होगा, वह मेरी भविष्यवाणी की पोथ की बात होगी की वास्तव में वह तत्कालीन संत संसार में अवश्य प्रसिद्ध होगा। उसके द्वारा बहुत ज्ञान नदियाँ उस समय बहेंगी। वह संत आधुनिक वैज्ञानिकों की आँखें खोलेगा करेगा (ऐसे आध्यात्मिक मानकर करेगा कि वैज्ञानिक भी आश्चर्य में पड़ जाएँगे। उसका सर्व ज्ञान शास्त्र प्रमाणित होगा। मैं (नास्त्रेदमस) कहता हूँ कि बुद्धिजीवी व्यक्ति उसकी उपेक्षा न करें, उसे छोटा प्रामाणिक न समझें, उस समयेत महापुरुष (सतगुरु को) निरादरभाव करके (आसन पर बैठाकर) उसको आसन देव मानकर पूजा करें। वह आगे पुरुष (सतगुरु) का अनुयाई दुनिया का सतगुरु होगा।

"संत रामपाल जी महाराज के सर्वकथन में अन्य भविष्यवक्ताओं की भविष्यवाणियाँ"

MIXING BY RSSS

ज्ञान गंगा 173

...(74)...

हिंदु संस्कृति, धर्म, व त्यांचे राष्ट्रप्रेम याबद्दल, नॉस्ट्रडेमस स्वतः च्या 'प्रेझर अमुनहे, वे उल्लेखतेने उद्धार काढतो, हे त्यांत काही आंतरिक साक्षात्कार झाल्यामुळे काहीत अलाना असे चमत्कारदर्शक उपपदार्थ आहेत. परवांतील हिंदु हे खरे हिंदुस्तानचे रहिवासी, भारतांतील मुस्लिम हे घुसखोर तरी किंवा बाहेरी मुसलमान, त्यांनुळे त्यांना, नॉस्ट्रडेमस, राष्ट्रद्रोही म्हणतो. हिंदु धर्मीहिवाय हिंदुस्तान अशक्य, आणि हिंदुस्तानचे हिंदु संस्कृतीहि अशक्यच्च। आगामी प्रलयंकारी युद्धातून जगाला नवा प्रकाश देणारा जगन्नेता म्हणुन हिंदुच नेता असेल याबद्दल 'नॉस्ट्रडेमस' ठाम आहे।

सत साहेब जी ।

* अनुवाद * (नास्त्रेदमस की मराठी भाषा में लिखित भविष्यवाणी का हिन्दी अनुवाद)

नोट:- ज्ञान गंगा "सद्ग्रन्थ के पृष्ठ 173 पर लिखी मराठी भाषा का हिन्दी रूपान्तरण

अनुवाद

"हिन्दू संस्कृति, धर्म और उनका राष्ट्रप्रेम इसके बारे में, नास्ट्रडेमस ने खुद कुछ लिखा है, फिर भी कहा है, क्योंकि उनको आन्तरिक साक्षात्कार से ऐसा लगता है भारत में रहने वाले हिन्दू लोग ही हिन्दुस्तान के मूल निवासी हैं, भारत में रहने वाले मुस्लिम घुसपैठ हैं इसलिए उनको नॉस्ट्रडेमस राष्ट्रद्रोही कहता है, हिन्दू धर्म के बिना हिन्दुस्तान बन नहीं सकता, हिन्दुस्तान में हिन्दू संस्कृति ही बहुत पुरानी है। आने वाले समय के प्रलयकारी युद्ध की दुनिया में अगर नई किरण उजाड़ छोड़ दे सकता है तो वो हिन्दू है हिन्दू नेता (लीडर) ही पूरी दुनिया में एक नई किरण ला सकता है।

37. महेन्द्र एंड पार्टी द्वारा गुरूजी के ज्ञान विरूद्ध जाट आरक्षण को समर्थन देना व 16 लाख का आर्थिक सहयोग देनाः– परमपूज्य सतगुरू देव जी का नारा है कि ''जीव हमारी जाति है मानव धर्म हमारा, हिन्दू मुस्लिम, सिक्ख, ईसाई, धर्म नही कोई न्यारा'' एक भक्त को जाति व धर्म के बंधनों से बाहर निकलकर अपने आप को जीव संज्ञा में समझते हुए हृदय में मानवता के गुणों का समावेश करना चाहिए अर्थात एक भक्त को जीव अपनी जाति और मानव धर्म समझना है, लेकिन ज्ञान, भक्ति और मर्यादाओ से कोसो दूर मनवश मैनेजमेंट द्वारा हरियाणा के जाट आरक्षण को समर्थन देकर यह अच्छे से साबित कर दिया कि इनका मकसद केवल राजनीति करना है इनकी घटिया सोच अभी जातपात के बंधनों में जकडी हई है.

रामपाल के अनुयायी धरने पर पहुंचे, ₹5 लाख का दिया चंदा

इन्हें भक्ति और भगवान से कोई लेना देना नहीं है, कहते है कुत्ता पागल हो जाता है तो सबसे पहले अपने मालिक को ही काटने को दौड़ता है यहां मैनेजमेंट ने यह कहावत सिद्ध कर दी है देखिये महेन्द्र एंड पार्टी द्वारा जाटो को दिया गया समर्थन पत्र (प्रेस नोट) जिसमें हरियाणा सरकार के द्वारा जाटो के साथ किये जा रहे अन्याय को बंद करके उन्हें न्याय देने की बात कही गई है, जबकि इस प्रेस नोट में सतगुरू देव जी व हमारे भक्त भाइयो के साथ हरियाणा प्रशासन द्वारा किये गए अत्याचारों के जिक्र एवम हमे जल्दी न्याय देने का जिक्र होना चाहिए था, लेकिन मैनेजमेंट को तो जाटो के साथ मिलकर अपनी राजनैतिक रोटियां सेकनी थी उन्हें भक्त और भगवान से अगर कुछ लगाव होता तो इस जातिगत राजनीति से दूर अपनी भक्ति व कानूनी प्रक्रिया की और अधिक ध्यान देना था (**देखिये सबूत व भक्त समाज स्वंय निर्णय करे की भक्त समाज को मैनेजमेंट किस दिशा में ले जा रहा है)**

38 महेन्द्र दास द्वारा भक्तो से जबरन जातिगत राजनीति करवाना:-

रोहतक | सेक्टर छह में जाट जागृति सेवा के धरने पर पहुंचे आर्य समाजी।

किसी कीमत पर नहीं होगी रामपाल से बात : आर्य

आर्य समाजी यशपाल के उस बयान से भी खफा हैं, जिसमें उन्होंने रामपाल दास के समर्थन के जवाब में दोनों पंथों के बीच विवाद खत्म कराने की कोशिश करने की बात कही थी। आर्य प्रतिनिधि सभा हरियाणा के प्रधान मास्टर रामपाल आर्य ने कहा है कि रामपाल दास ने करौंथा कांड में 4 लोगों की हत्या करवाई। दो से निर्दोष लोगों पर गोलियों व लाठियों से हमला करवा। उससे बातचीत आर्य समाज के सिद्धांत के खिलाफ है।

रामपाल ने जाट बनकर समर्थन दिया : मलिक

यशपाल मलिक ने कहा कि हमारे धरने पर जो भी समर्थन देगा, स्वागत है। आर्यसमाजी भी आकर 22 लाख रुपए और समर्थन दे जाएं। जो घटना घटी, उसकी सजा रामपाल दास भुगत रहा है, जेल में है। हम खुद भी आर्य समाजी हैं। हमने उनसे बात की कि जो भी आपस में मिस-अंडरस्टैंडिंग हुई है, वो नहीं होनी चाहिए। अगर रामपाल दास आज वापस जाट बनकर समर्थन देना चाहता है तो आर्यसमाजी भी आर्यसमाजी से पहले जाट बन जाएं। हम पिछले विवादों में नहीं घुसना चाहते।

धरनों पर संत रामपाल के भक्त नहीं बल्कि जाट बनकर आना होगा, महेन्द्र एंड पार्टी ने बेशर्मी की हद पार करते हुए उनकी यह बात भी स्वीकार करली (देखिये सबूत अपनी आँखों से व स्वयं निर्णय करें)

जाट आरक्षण संघर्ष समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष यशपाल मलिक ने सतलोक आश्रम मैनेजमेंट से कोई समर्थन नहीं मांगा था, राजनीति का विष चख चुकी महेन्द्र एंड पार्टी खुद ही जाट आरक्षण को समर्थन देने पहुँची थी इसके बावजूद भी यशपाल मलिक ने महेन्द्र एंड पार्टी को चतावनी देते हुए साफ साफ कहा कि यदि हमें समर्थन देना है तो **हमारे**

वे अपने पति का इलाज करवा सकें।

रामपाल ने नहीं कहा धरना दो

वरिष्ठ अधिवक्ता एपी सिंह का कहना है कि रामपाल ने कभी समर्थकों से नहीं कहा है कि धरना दो या प्रदर्शन करो। वे स्वयं ऐसा कर रहे हैं। सरकार के प्रति उनका रोष है, जो धरनों का समर्थन करके जता रहे हैं। यह उनका निजी फैसला है, जिसमें रामपाल की कोई भूमिका नहीं है।

ए०पी० सिंह वकील का बयान, संत रामपाल जी महाराज जी ने नहीं दिया जाटो को समर्थन:– अपनी घटिया व पुरानी आदत के चलते सतगुरू देव जी के आदेशो का हवाला देकर जाट आरक्षण मे भोली संगत को झोंकने वाले मनवश मैनेजमेंट की उस समय झूठ का पर्दाफास हो गया जब उन्ही के वकील ए०पी० सिंह ने मीडिया में बयान दे दिया कि **संत रामपाल जी महाराज ने जाटो के किसी भी धरने का कोई समर्थन नहीं किया है यह फैसला राष्ट्रीय समाज सेवा समिति के कुछ लोगों का है जो सरकार के खिलाफ अपना रोष प्रकट कर रहे है** देखिये नीचे

39. जाट नेता यशपाल मलिक का बयान.....संत रामपाल समर्थकों का समर्थन लेकर बदल देंगे सरकारः– मनवश मैनेजमेंट स्वार्थ में अंधा होकर सतगुरू देव जी के तत्वज्ञान के विपरीत सारी क्रिया कर रहा था लेकिन संगत ने भी समझने की कोशिश नहीं की, यह भी नही सोचा कि गुरूजी के तत्वज्ञान और गंदी जातिगत राजनीति का तो 36 का आंकड़ा है और नाही गुरूजी ने आज से पहल कभी ऐसा कोई ज्ञान विरूद्ध घटिया आदेश दिया था फिर आज ऐसा आदेश कैसे दे सकते है उधर जाट नेता यशपाल मलिक के मंच से सरेआम दिए जा रहे बयान से भी संगत इस घौर राजनीति को नहीं समझ पाई जो कह रहा था कि **''रामपाल के चेलो हम जैसे कहे वैसे करते रहना फिर देखना सरकार कैसे बदली जाती है हमें बदलना आता है देखिये नीचे सबूत व वीडियो के लिए हमारी वेबसाइट www.barwalakand.com पर सर्च करें।**

www.gangaputratimes.co.in

और समाचार

gangaputratimes@yahoo.com

09

संत रामपाल के समर्थकों का साथ लेकर बदलेंगे सरकारः मलिक

डेरा सच्चा सौदा की कार के वोट पर संत रामपाल समर्थकों की मदद लेंगे जाट, बीजेपी ने डेरा सच्चा सौदा के चुनाव में समर्थन का करता चुकाना

बच्चों को कुपोषण से बचाएं : डा. भोला

मंत्री कविता जैन के प्रस्ताव को

40 संगत से धर्म के नाम पर लूटे दान का मैनेजमेंट द्वारा राजनीति में दुरूपयोगः-

सतगुरू देव जी ने बताया कि सुपात्र व अधिकारी को दिया हुआ दान फलित होता है नाकि कुपात्र व अनाधिकारी को दिया हुआ दान, और ज्ञान आधार से इस सृष्टि में केवल एक मात्र सुपात्र और अधिकारी हमारे सतगुरू देव जी ही है नाकि मनवश मैनेजमेंट और कॉर्डिनेटर, सतगुरू देव जी ने भिखारी को, मंदिर मस्जिद आदि में दान देने को उचित नहीं बताया क्योंकि आपके दान का यदि दुरूपयोग किया जाएगा तो उसमें आपका बराबर का सहयोग माना जाता है और पाप के भागी भी बराबर के बनते है, और जब तक

साधक के दान के एक एक पेसे का परमार्थ में सदुपयोग नहीं होगा तब तक परमेश्वर उस साधक को लाभ नहीं देते हैं, और यही स्थिति आज भक्त समाज के साथ हो रही है, दान व ज्योति पाठ का पैसे देते देते भी संगत महादुखी है क्योंकि संगत के दान का पैसा सरेआम महेन्द्र एंड पार्टी द्वारा राजनीति में लगा जा रहा है जाट आरक्षण में 16 लाख रूपए तो प्रत्यक्ष और करोड़ो रूपए अन्य तरीको से बर्बाद कर दिया गया, उस दानराशि का जाहिर सी बात है जाट समाज ने बीड़ी, शराब, हुक्का, मास खाने व अपने जातिगत उत्थान के कार्यो में लगाया होगा अर्थात अंततः दान का दुरूपयोग हुआ और परमेश्वर के विधान अनुसार जिन जिन साधको का उस दानराशि में सहयोग होगा उन सबको अपने इस कर्म की प्रतिक्रिया भी भोगनी पड़ेगी, क्योंकि दान केवल सतगुरू के हाथों में देने से ही फलित होता है **देखिए महेन्द्र एंड पार्टी द्वारा जाट आरक्षण में आर्य समाजी जाट नेता यशपाल मलिक को दिया गया दान व वीडियो सबूत देखने के लिए हमारी वेबसाइट www.barwalakand.com पर सर्च करें**

41. संगत भंडारे करे तो ''नामखण्ड'' और जाट आरक्षण में पैसे देकर भी भंडारा करें तो कोई नामखंड नहीं:– मनवश मैनेजमेंट ने पैसों की भूख के चलते परमेश्वर के संविधान के विपरीत उन्ही के आदेशों की आड़ में संगत में होने वाले सत्संगों में धार्मिक भंडारे बन्द करवा रखे है ताकि सत्संगों में खर्चे कम हो और दानराशि ज्यो की त्यों मैनेजमेंट के हाथों में पहुँचती रहे, लेकिन पाखंडी मैनेजमेंट की पोल उस समय खुल गई जब इन्होंने जाट आंदोलन के समय धरणों पर संगत को उनके पाप का अन्न खिलाना शुरू कर दिया और हद तो तब हो गई जब इस पाखंडी मैनेजमेंट ने सतगुरू देव जी का आदेश बता दिया कि ''जाट आरक्षण में

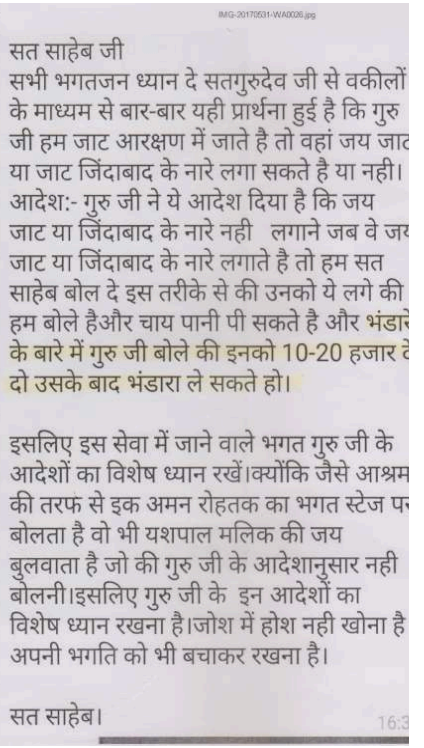
IMG-20170531-WA0026.jpg

सत साहेब जी
सभी भगतजन ध्यान दे सतगुरुदेव जी से वकीलों के माध्यम से बार-बार यही प्रार्थना हुई है कि गुरु जी हम जाट आरक्षण में जाते है तो वहां जय जाट या जाट जिंदाबाद के नारे लगा सकते है या नही।
आदेश:- गुरु जी ने ये आदेश दिया है कि जय जाट या जिंदाबाद के नारे नही लगाने जब वे जय जाट या जिंदाबाद के नारे लगाते है तो हम सत साहेब बोल दे इस तरीके से की उनको ये लगे की हम बोले हैऔर चाय पानी पी सकते है और भंडारे के बारे में गुरु जी बोले की इनको 10-20 हजार दे दो उसके बाद भंडारा ले सकते हो।

इसलिए इस सेवा में जाने वाले भगत गुरु जी के आदेशों का विशेष ध्यान रखें।क्योंकि जैसे आश्रम की तरफ से इक अमन रोहतक का भगत स्टेज पर बोलता है वो भी यशपाल मलिक की जय बुलवाता है जो की गुरु जी के आदेशानुसार नही बोलनी।इसलिए गुरु जी के इन आदेशों का विशेष ध्यान रखना है।जोश में होश नही खोना है अपनी भगति को भी बचाकर रखना है।

सत साहेब।

उनके धरनों पर 10, 20 हजार रूपये देकर भंडारा कर सकते है'' **देखिये (संगत विचार करे की भक्त समाज सत्संगो में लाखो का दान करता है तो भी उन्हें गुरूजी का आदेश बताकर भंडारा नहीं करने देते है और दूसरी तरफ जाट आरक्षण में गुरूजी का आदेश बता दिया कि 10, 20 हजार रूपये देकर भंडारा कर सकते है, मैनेजमेंट का यह दोगलापन व सबूत देखकर भक्त समाज में धार्मिक भंण्डारे रूकवाकर कैसे मनवश मैनेजमेंट ने संगत के पुण्य बनने से रोक रखा है)** जाट आरक्षण में भक्तों द्वारा भण्डारा करने वाला वीडिया देखिये **www.barwalakand.com पर।**

42. रोहतक में प्रकट दिवस के बहाने, राष्ट्रीय समाज सेवा समिति का राजनैतिक प्रदर्शनः-

पुरानी कहावत है कि, '' घर की बही और लिखने वाला काका'' सतलोक आरम मैनेजमेंट का भी यही सिद्धान्त है तानाशाही मनमाना फरमान देने वाला महेन्द्र उर्फ मोहन लाल और संगत में प्रसारित करने वाले कॉर्डिनेटर, सतगुरू देव जी के आदेशों के विपरीत रोहतक में कबीर साहेब प्रकट दिवस को राजनैतिक मंच बना दिया गया, जहा जाट नेताओं ने धार्मिकता की आड़ में जमकर भाजपा सरकार को कोसते हुए राजनीति का खेल खेला, और परमेश्वर के आध्यात्मिक नियम अनुसार जहा धार्मिकता की आड़ में राजनैतिक पारी खेली जाती है वहा परमेश्वर के बजाए काल भगवान प्रकट होते है तथा ऐसे राजनैतिक अखाड़े में भक्तों को धार्मिक भंडारे की कहकर बुलाया गया अर्थात

'मांगें नहीं मानी तो जीना कर देंगे हराम'

रामपाल के कार्यक्रम की झलकियां

भक्त समाज को सतगुरू देव जी के आदेशो के बहाने गुमराह कर उन्हें पाप का भागी बनाया गया (**सबूत के तौर पर देखिये न्यूज़ और संगत स्वयं निर्णय करे**

कि मैनेजमेंट मनमानी करते हुए इस सतभक्ति मार्ग को किस कदर देश दुनिया के सामने आहिस्ता आहिस्ता बदनामी के छींटे लगा रहा है)

43. एक करोड़ के देशी घी और एक ट्रक चावल का भुगतान गुरूजी जेल से केसव रूप में आकर दुकानदार को करके चले गएः- काल भगवान के एजेंट महेन्द्र उर्फ मोहन लाल ने इस सतभक्ति मार्ग और तत्वज्ञान रूपी दीपक को अपने कॉर्डिनेटरो के माध्यम से पाखंड की फूक मार मारकर बुझाने में कोई कसर नही छोड़ी लेकिन हर बार परमेश्वर के सामने मुँह की खाता है लेकिन रोहतक भंडारे के दूसरे दिन कॉर्डिनेटर्स के माध्यम से संगत में यह अफवाह फैलाकर अंधविश्वास की हद पार कर दी की **'' गुरूजी ने जेल से केसव रूप में आकर देशी घी और चावल के ट्रक का भुगतान कर दिया है''**

अब इन मंदबुद्धि मैनेजमेंट वालो से कोई पूछे कि अगर गुरूजी केसव रूप में आये थे तो टैंट वाले, तेल वाले, सब्जी वाले, डीजे वाले, बस वालो से और 10 हजार कर्मचारी जो मैनेजमेंट किराए पर लाया था क्या उनसे कोई दुश्मनी थी जो उनका भुगतान करके नही गए, जो परमात्मा केसव रूप में आकर धी और चावल का पेमेंट कर सकते है क्या वे आज वकीलों का पेमेंट नही कर सकते है ताकि मैनेजमेंट का लूटना और संगत का लुटना दानों ही बंद हो जाये **(तत्त्वज्ञान आधार से संगत स्वयं निर्णय करे कि यह निराधार बात आपके कितनी गले उतरती है)**

44 मैनेजमेंट के अनुसार जब गुरूजी ने संगत में भंडारे बन्द करवा रखे है तो फिर रोहतक में भंडारे के आदेश किसने दिए?

सोचने की बात है जब सतलोक आश्रम मैनेजमेंट के अनुसार गुरूजी ने संगत में होने वाले सत्संगों में भंडारे बन्द करवा रखे है केवल 4 बिस्कुट और चाय का ही आदेश है तो फिर 9 जून को रोहतक में पूरे हरियाणा को भण्डारे करवाने के आदेश किसने दिए है, क्योंकि हमारे परमपूज्य परमात्मा सतगुरू रामपाल जी महाराज जी तो कभी भी दोगले आदेश नही देते है अतः स्पष्ट है कि यह दोगला और राजनैतिक आदेश महेन्द्र उर्फ मोहनलाल का था जो अपनी आगामी चुनावी रणनीति के तहत अपने हरियाणा जाट समाज के बहुमत आधार से राष्ट्रीय समाज सेवा समिति नामक संगठन को चुनावी मैदान में उतारने की तैयारियों में लगा हुआ है, क्योंकि महेन्द्र एंड पार्टी का शुरू से ही भक्ति में कम

और राजनीति में ज्यादा रूझान रहा है और इसी रूझान के चलते **सन 2013 में भी सतलोक आश्रम मैनेजमेंट ने भक्तों को गुरूजी का आदेश बताकर हरियाणा के ओमप्रकाश चौटाला की इनेलो राजनैतिक पार्टी को वोट डलवा दिए थे, (पुनः देखिये जाट नेता यशपाल मलिक का बयान जिसमें वह कह रहा है कि ''रामपाल समर्थकों को लेकर बदलेंगे सरकार'')**

45 आज तक संगत को नहीं पता कि मैनेजमेंट ने अपनी हरकतों के चलते गुरूजी पर कुल कितने मुकदमें लगवा रखे हैं:-

पहली बात तो आज भक्त समाज मैनेजमेंट व कॉर्डिनेटर्स से इतना डरा हुआ है कि उनसे कोई सवाल पूछता नहीं है और अगर हिम्मत करके पूछ भी लेता है तो उसे एक ही जवाब मिलता है कि गुरूजी पर केवल एक देशद्रोह का केस चल रहा है.... जबकि हकीकत यह है कि आज हिसार सहित देशभर में गद्दार मैनेजमेंट की हरकतों के चलते गुरूजी पर 25 से ऊपर मुकदमे चल रहे है **(देखिए नीचे मुकदमों की लिस्ट)**

FIR 835 Dated 19-06-2015, P.S. Hisar Civil Lines
U/S 323/506, B.C. 306 IPC
Present Case Status – PROSECUTION WITNESS [illegible]

FIR 540 Dated 31-07-2015, P.S. Hisar Civil Lines
U/S [illegible] 506 IPC
Present Case Status – Stay to Stock

FIR 551 Dated 03-07-2015, P.S. Hisar Civil Lines
U/S [illegible] IPC
Present Case Status – PROSECUTION WITNESS

FIR 553 Dated 03-07-2015, P.S. Hisar Civil Lines
U/S 452, 354A, 323/34, 427, 506, 342, 201 IPC
Present Case Status – PROSECUTION WITNESS

FIR 455 Dated 03-06-2015, P.S. Hisar Civil Lines
U/S 323, 354A, 354A/34, 323/34, 341, 325, 506
Present Case Status – PROSECUTION WITNESS

FIR 414 Dated 30-06-2015, P.S. Hansi City
U/S 323, 354A, 354A/34, 148, 149, 341, 325
Present Case Status – Charge

FIR 313 Dated 30-05-2016, P.S. Hisar Civil Lines
U/S [illegible] IPC
Present Case Status – PROSECUTION WITNESS

FIR 275 Dated 28-03-2016, P.S. Hisar Sadar
U/S 49, 51/74 IC
Present Case Status – PROSECUTION WITNESS

FIR 134 Dated 25-03-2016, P.S. Hisar Civil Lines
U/S [illegible] IPC
Present Case Status – PROSECUTION WITNESS

FIR 380 Dated 15-05-2015, P.S. Hisar Civil Lines
U/S 147, 149, 148, 283 IPC
Present Case Status – PROSECUTION WITNESS

FIR 201 Dated 12-07-2016, P.S. Barwala
U/S [illegible] IPC
Present Case Status – PROSECUTION WITNESS

Lower Court Rohtak, Hajjar

1. **FIR 198, Dated 12-07-2006, Sadar Hansi Rohtak**
U/S 148, 149, 332, 307, 323, 308 IPC 25-54-59 A Act.
Current Case Status – Prosecution witness

2. **FIR 34, Dated 08-01-2010, Civil Line Rohtak**
U/S 18, 1-6, 10 IPC
Current Case Status – Prosecution witness

3. **FIR 05, Dated 05-01-2010, Sadar Rohtak**
U/S 147, 149, 323, 506 IPC
Current Case Status – Current Case Status [illegible]

4. **FIR 153, Dated 19-06-2006, Sadar Bahadurgarh**
U/S 148, 149, 325, 452, 342, 506, 308 IPC
Current Case Status – PROSECUTION WITNESS

5. **FIR 152, Dated 06-06-2007, Sadar Rohtak**
U/S 148, 149, 307, 323, 427, 506, 452, 341, 354, 201 IPC 25-54-59 A Act.
Current Case Status – Current [illegible]

6. **FIR 176, Dated 2008 Kaithal vs Bakki Aryawasji**
Current Case Status – Charge (Kol Kaiyawadi [illegible])

7. **FIR 178, Dated 2005, Kaithal Jeeter BUDDU Vs Sadar Shahid Aryawasji**
Current Case Status – Charge (Kol Kaiyawadi [illegible])

8. **FIR 152, Dated 08-07-2006, Sadar Rohtak**
U/S [illegible] IPC
Current Case Status – [illegible]

9. **FIR 145, Dated 16-06-2007, Civil Line Rohtak**
U/S 148, 149, 323, 506 IPC
Current Case Status – [illegible]

10. **FIR 195, Dated 11-07-2006, Hansi Bus**
U/S 148, 149, 353, 332, 186, 436, ... IPC
Current Case Status – Current (Kol Kaiyawadi [illegible])

11. **FIR 159, Dated 12-07-2006, Sadar Rohtak**
U/S 148, 149, 323, 341, 506 IPC
Current Case Status – Current (Kol Kaiyawadi [illegible])

12. **FIR 305, Date 26-07-2010, Sadar Rohtak**
U/S 148, 149, 323, 452, 325 IPC

14. **FIR 224, Dated 31-07-2007, P.S. Barwala.**
U/S 380 IPC
Current Case Status – Witness (Kol Kaiyawadi [illegible])

15. **FIR 228, Dated 08-10-2007, Sarar Rohtak.**
U/S 401, 380 IPC
Current Case Status – Witness (Kol Kaiyawadi [illegible])

16. **FIR 306, Dated 14-08-2010, Civil Line Rohtak.**
U/S 147, 148, 7-1, 506
Current Case Status – CHARGE

17. **FIR 426, Dated 24-08-2010, Civil Line Rohtak.**
U/S 148/149/323/506.
Current Case Status – Witness (Kol Kaiyawadi [illegible])

18. **FIR 416, Dated 21-07-2005, Civil Line, Rohtak**
U/S 147, 148, 506, 452, 455, 447, 436, 436, 437, 147, 149 IPC
Current Case Status – Final Argument

19. **FIR 952, Dated 09-11-2010, P.S. City Panipat**
U/S 1338, 2338, 335, 506, 505 IPC
Current Case Status – Witness (Kol Kaiyawadi [illegible])

20. **FIR 1013, Dated 23-10-2009, P.S. City Panipat.**
U/S 323, 324, 34 IPC.
Current Case Status – Witness (Kol Kaiyawadi [illegible])

21. **FIR 4, Dated 15-01-2013, P.S. Sonepat**
U/S 295A, 120B IPC
Current Case Status – Charge Argument

22. **Quashing Petition in High Court for FIR No. 424 (CRM-M 2561-2010)**
Current Case Status – Argument

23. **Quashing Petition in High Court for FIR No. 430 (CRM-M 1355-2010)**
Current Case Status – Argument

24. **Quashing Petition against Sunrala P.O. Order in High Court**
Current Case Status – Argument

25. **Contempt Case-CROCP 12 of 2014**
Current Case Status – Argument

46. बरवाला कांड के दौरान राष्ट्रीय समाज सेवा समिति द्वारा बच्चो व महिलाओं की जवाबदारी से इंकार:- राजस्थान मे एक पुराणी कहावत है कि डाकन (चांडाल) भी घर में एक व्यक्ति को छोड़ देती है लेकिन बरवाला काण्ड के इन डाकूओ (राष्ट्रीय समाज सेवा समिति ने तो किसी को भी नहीं बख्शा, अपनी स्वार्थ सिद्धि के लिए जिन भोली भाली माता बहनों व छोटे छोटे बच्चो को उनकी अटूट श्रद्धा के साथ खेलते हुये उन्हें गुरूजी के आदेश बताकर बरवाला कांड में ढाल की तरह इस्तेमाल करते हुये मरने के लिए आश्रम के बाहर बैठाया था और मीडिया ने बरवाला काण्ड के इन डाकूओ (राष्ट्रीय समाज सेवा समिति) से सवाल किया कि आपने महिलाओं व बच्चो को ऐसे माहौल में बाहर क्यों बैठा रखा है, तो तपाक से सतलोक आश्रम के मीडिया प्रवक्ता राज कपूर ने झूठ बोलते हुये पल्ला झाड़ लिया की....''महिलाये और बच्चे हम नहीं लाये है ये अपनी मर्जी से आये है, अर्थात उल्टा उन माता बहनों को ही दोषी बना दिया, देखिये वीडियो सबूत हमारी वेबसाइट **www.barwalakand.com पर सर्च करें**

47. राष्ट्रीय समाज सेवा समिति द्वारा राजस्थान के गैंगस्टर आनंदपाल सिंह की सी०बीआई जांच का समर्थन करना :-

गद्दार मैनेजमेंट ने वकील ए०पी० सिंह के कहने से पुलिस रिकॉर्ड में राजस्थान के कुख्यात मृतक अपराधी आनंदपाल सिंह को न्याया दिलवाने के लिए उसकी सी०बी०आई जांच का समर्थन कर डाला, जो भक्ति मर्यादा व संतमत के बिल्कुल विपरीत है, क्योंकि ए०पी० सिंह गुरूजी के साथ साथ आनंदपाल सिंह का भी वकील है, अतः ज्ञान और भक्ति से कोसो दूर गद्दार मैनेजमेंट ने गुरूजी के आदेश बताकर संगत के माध्यम से एक अपराधी का समर्थन करवा दिया.... देखिये प्रेस नोट व इसका वीडियो देखने के लिए वेबसाइट **www.barwalakand.com पर सर्च करें।**

संत रामपाल दास महाराज जी के सर्व अनुयाई आनंद पाल के Fack Encounter की CBI जाँच करवाने की राजपूत समाज की माँग का समर्थन करते हैं। हमारे मिशन का मूल उद्देश्य यह है कि जिस भी कौम या संस्था के साथ अत्याचार और अन्याय होगा, हम उसका पक्ष लेंगे और न्याय दिलवाने में सहयोग देंगे। हम अहिंसावादी हैं। कानूनी संघर्ष करके कानून के दायरे में रहते हुए हर कुर्बानी देकर न्याय दिलाएंगे।

बड़े दुःख की बात है कि कानून के रखवाले कानून का उल्लंघन करते हैं। मान लेते हैं कि आनंद पाल ने हत्याएं की थी, जिस कारण से वे अपराधी माने गए थे। जिन्होंने आनंद पाल को गिरफ्तार करके फिर उसकी हत्या की तो वे क्या हैं? महाअपराधी हैं। उनको कानून के तहत दण्डित किया जाए ताकि जनता का भारत के संविधान पर विश्वास कायम रहे।

राजस्थान सरकार यदि सच्ची है कि आनंद पाल मुठभेड़ में Encounter किया गया है तो CBI जाँच से क्यों कतराती है? इससे सरकार की नीयत पर सवालिया निशान लगा है। आनंद पाल को गिरफ्तार किया गया था तो उसे न्यायालय में पेश करके कानूनी प्रक्रिया चलानी चाहिए थी। अपने आप सच्चाई सामने आती। यदि दोषी मिलता तो जो चाहे सजा बनती, दी जाती, कोई झंझट ही नहीं था।

अब तो CBI जाँच सरकार को करवानी होगी ताकि दूध का दूध और पानी का पानी हो सके। जब तक CBI जाँच का आदेश सरकार नहीं करेगी, तब तक हम राजपूत समाज के दुःख में दुःखी रहेंगे। अपना हरसंभव साथ कानून के दायरे के अंतर्गत रहकर आंदोलन करके देंगे।

प्रार्थी
संत रामपाल दास जी के
सर्व अनुयाई

48. मुंडका आश्रम में सेवा करते हुए दो भक्तों की जहरीली गैस से आकाल मौत ।

मनमुखी सतलोक आश्रम व राष्ट्रीय समाज सेवा समिति के दिल्ली स्थित मुडका आश्रम में एक टैंक बना हुआ है जिसमें आश्रम की गन्दगी व बच हआ भंडारा आदि डाला जाता है। जिस कारण से टैंक में जहरीली गैस बन गई थी और बिना किसी उपकरणों के उस टैंक की सफाई के लिये नेपाल, हरियाणा और राजस्थान से आये तीन भक्तों को सफाई के लिये नीचे उतार दिया गया, जिसमें दो भक्तों की जहरी गैस से दम धुटने के कारण तुरंत मौत हो गई और राजस्थान वाले भक्त को बेहद नाजुक हालत में हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है।

सत सेवकों द्वारा जैसे ही संगत में इस बात की जानकारी भेजी गई तो मनवश मैनेजमेंट ने अपने बचाव के लिये संगत में गुरूजी का आदेश बताकर एक मैसेज भेज दिया कि मरने वाले दोनों भक्त सतलोक चले गये हैं।

जबकि परमात्मा के संविधान अनुसार जीवन जब तक पूर्ण मर्यादा में रहकर सारनाम व शारशब्द प्राप्त नहीं कर लेता है तब तक उसका पूर्ण मोक्ष सम्भव नहीं है तब तक उसका पूर्ण मोक्ष सम्भव नहीं है, अर्थात मनवश सतलोक आश्रम मैनेजमेंट के द्वारा बात–बात पर गुरूजी के आदेशों की आड़ में भक्त समाज को मूर्ख बनाया जा रहा है देखिये www.barwalakand.com पर।

49. टूटतह ंगत करे ारीलरम इेले के बहाने रोकने का प्रयास

अब इन तमाम सबूतों को व मनमुखी सतलोक आश्रम मैनेजमेंट की हरकतों को देखकर संगत ने इन लोगों से किनारा करना शुरू कर दिया है ज्योति, पाठ व दान का पैसा देना कम कर दिया है, जिसके चलते मैनेजमेंट ने एक नई साजिश के तहत गुरूजी का नाम लेकर संगत में सारनाम देने की घोषणा कर दी है, ताकि सारनाम के लालच में भक्त इनसे जुझे रहें।

जबकि सारनाम को सतगुरू देव जी साक्षात अपने मुख कमल से देते हैं अभी उसे टी०वी० पर देने का कोई आदेश नहीं है गुरूजी ने स्वयं कहा है कि सारनाम को टी०वी० पर देने की व्यवस्था मेरे यहाँ से शरीर छोडने के बाद की जायेगी, देखिये इसका सबूत **www.barwalakand.com पर सर्च करें**

50. संगत से प्रार्थना:-

अंत में अब नीच व घटिया हरकतो पर उतर आया है गद्दार महेन्द्र व उसके चापलूस कॉर्डिनेटर्स और नामदान संचालक, निर्दोष गुरूजी को एक साजिश के तहत जेल भिजवाने वाले गद्दार मैनेजमेंट के खिलाफ जब इतने ढेरो सबूत रोज संगत में जाने लगे तो सच्चाई बता रहे भक्तो के साथ मारपीट पर उतर आया, गुरूद्रोही का तमगा लगा दिया,

लेकिन उसके बाद भी सत सेवको ने संगत को सच्चाई बताना जारी रखा और मेरठ उत्तरप्रदेश में हर माह भक्त मिलन सम्मेलन के माध्यम से यह सच्चाई ज्यादा से ज्यादा संगत में फैलाने लगे तो संगत इनके कुकर्मो से परिचित होकर इनकी मिटिंगो में जाना कम हो गई, फर्जी नामदान सथलों पर दान, ज्योति और पाठ का पैसा देना बंद कर दिया तो अंत में अपने पाखंड की पोल खुलती देख सत सेवको का सबूत और ज्ञान आधार से सामना ना करके

अंत में घटिया और नीच हरकतों पर उतर आया तथा पंजाब से भक्त करण दास व फोजी दास सहित 5 सत सेवको पर उनके घर में घुसकर छेड़छाड़ का आरोप लगाकर एक साजिश के तहत उन्हें आनन फानन में पुलिस से उठवाकर जेल भिजवा दिया, देखिए गद्दार मैनेजमेंट की नीच हरकत का नमूना

सत्संग में डाला खलल, हाथापाई भी की

6 लोगों को नामजद करते कुछ अज्ञात लोगों पर भी पर्चा दर्ज

मलोट, 29 सितंबर (सलूजा/मिड्ढा/भूरा) : सत्संग कार्यक्रम के दौरान घर में घुसकर अभद्र शब्दावली का प्रयोग करने तथा हाथापाई करने के आरोप में थाना मलोट पुलिस ने छह लोगों को नामजद करते हुए कुछ अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ भी मामला दर्ज किया है। बताया जा रहा है कि यह सत्संग जेल में बंद बाबा रामपाल का चल रहा था। पुलिस को दी शिकायत में एकता नगर निवासी सुभाष चंद व उपस्थित संगत ने बताया कि उनके द्वारा बुधवार को हमेशा की तरह बाबा रामपाल की सत्संग की जा रही थी। उसने आरोप लगाया कि उनके मोहल्ले में ही रहने वाले करणदीप सिंह ने कथित तौर पर सत्संग करने पर एतराज जताया तथा सत्संग करने पर मारपीट करने की धमकियां भी दी। जब वह सत्संग कर रहे थे तो करणदीप सिंह अपने साथ गंगानगर निवासी गोपी राम, कानपुर निवासी चंद्र, भुच्चो निवासी रामपाल, हेमराज, सौतो निवासी फौजी व कुछ अज्ञात लोगों को लेकर उनके घर में आ धमका तथा आते ही उनके साथ भद्दी शब्दावली का इस्तेमाल करते हुए सत्संग बंद करने को कहा। जब उन्होंने सत्संग बंद नहीं की तो उक्त लोगों ने उनके साथ हाथापाई करते हुए वहां रखा समूचा सामान बिखेर दिया और मौके से फरार हो गए। थाना सिटी प्रभारी बूटा सिंह ने बताया कि उक्त बयानों के आधार पर मामला दर्ज कर जांच की जा रही है

याद रखिये जब तक कांटो वाले पेड़ को खाद मूत देते रहोगे वह बढ़ता रहेगा

और लोगो की राह में कांटे बिछाता रहेगा.... और बरवाला कांड के उपरांत आचार विचार व्यवहार और वाणी से यह 101: प्रमाणित हो चुका है की वह लंबे कांटो वाला बबूल का पेड़ मनवश राष्ट्रीय समाज सेवा समिति व सतलोक आश्रम मैनेजमेंट है जिसे संगत जबतक जानबूझकर या अनजाने में आम का वृक्ष समझकर धर्म के रूप में दान व शारीरिक के रूप में इनकी रैलियों व धरनों पर जाकर इन्हें खाद मूत देती रहेगी तब तक इनके मनवश हरकतो के कांटे संगत के साथ- साथ हिसार में निर्दोष होकर भी जेल मे बैठे सतगुरू देव जी को भी चुभते रहेंगे अब फैसला संगत के हाथ में है जब मर्जी आये कर लें,

परमात्मा की दी हुई बुद्धि से लगता है पिता जेल में है और संगत में पढ़े लिखे व स्मार्ट फोन प्रयोग करने वाले वे सभी भक्त परमात्मा के दोषी है जो सत सेवको के हर मैसेज को पढ़ते है और अपनी आँखो से सबूतों सहित सारी सच्चाई से परिचित होने के बाद भी यदि संगत को अपना भाई बहन समझते हुए यह सबूत आधारित सच्चाई उन तक नहीं पहुचाते है तो धिक्कार है उन्हें जो परमात्मा प्रदत इन उपकरणों का सही से उपयोग नहीं कर रहे हैं।

क्योंकि सतगुरू देव जी ने एक सत्संग में कहा था कि बच्चो काल भगवान ने तो यह उपकरण टीवी, रेडियो, मोबाइल इस जीव के कर्म फुड़वाने के लिए चलाये है ताकि सारा दिन इसमें बकवाद देखते रहे लेकिन परमात्मा अपना ज्ञान देकर इन्ही उपकरणों के माध्यम से अपना ज्ञान और इस सच्चाई का प्रचार करवाकर अपनी आत्माओ के कर्म बनवाएंगे

अतः निवेदन है कि आज हमारे लिए परमात्मा पहले है और सेवा बाद में है यह सच्चाई ज्यादा से ज्यादा भक्तो तक पहुचाये ताकि अनजान आत्माएं भी मैनेजमेंट के पाखंड से बाहर निकले ताकि अपनी आत्माओ को सत्य का संग व ज्ञान विवेक आधार से चलत्रा देख वह परमात्मा खुश होकर जेल से बाहर हमारे बीच में आने की दया कर सके।

सत् साहेब

सतगुरू के तत्त्वज्ञान आधार से ''नामखण्ड'' व शुद्धीकरण के विषय में विशेष संदेश

जिस तरह कैंसर का एक रोगी डॉक्टर से ऑपरेशन करवाता है ऑपरेशन के बाद डॉक्टर उसे कुछ परहेज करने की विशेष हिदायत देता है और मरीज को छुट्टी देकर घर भेज देता है घर आने के बाद यदि मरीज से गलती से डॉक्टर द्वारा बताई गई हिदायतों में से कोई गलती हो जाती है तो उसे शरीर में वापस परेशानी शुरू हो जाती है अब मरीज अपनी गलती की और ध्यान ना देकर सोचने लगता है शायद डॉक्टर द्वारा किये गए आपरेशन में कोई गड़बड़ हो गई है मुझे दुबारा ऑपरेशन करवा लेना चाहिए

अब सोचने की बात है यदि वह मरीज अपनी गलती सुधारने के बजाए, डॉक्टर द्वारा किये गए ऑपरेशन को गलत समझकर उसी डॉक्टर के पास जाने के बजाए जगह जगह खुल रहे किसी भी हॉस्पिटल में जाकर उस ऑपरेशन को ठीक करवाने की गलती करता है तो जाहिर सी बात है पहले वाले डॉक्टर की सलाह के बिना दूसरे डॉक्टर के पास ऑपरेशन के ऊपर ऑपरेशन करवाने की तकलीफ उठानी ही पड़ेगी तथा उसके बात भी यदि मरीज को राहत चाहिए तो उसे हिदायत (मर्यादा) में रहना ही पड़ेगा

कृपया ध्यान से पढ़े :-

''नामखंड'' होने की स्थिति मे जो सतगुरू देव जी ने सत्संगों में बताया है

सतगुरू देव जी ने बताया कि ''नामखण्ड होने की समस्या तब आती है जब हम मर्यादा भंग कर देते है, इसके अलावा कुछ मर्यादा और भी होती जो सतगुरू देव जी ने सत्संगों में हमें बताई गई है जो हमेशाा हमारे व्यवहार में हर पल हर क्षण चलती रहती है जैसे..

किसी को झूठ बोल दिया या किसी के साथ चालाकी कर ली। किसी के साथ ठगी कर दी या किसी को भी मन क्रम वचन से दुखी कर दिया या मन में किसी के लिए बुरा सोच लिया

किसी का अहित सोच लिया, किसी को कठोर शब्द बोल दिये जो उसे खराब, लगे, किसी को डांट दिया, किसी को पीट दिया या किसी से बदले की भावना है किसी बात पर क्रोध आ जाना, किसी की निन्दा करना, किसी की चुगली करना, किसी के प्रति गलत भावना होना... आदि कारण है जिनमें से कोई एक मर्यादा भंग होने पर काफी देर तक हमारा भक्ति में मन नही लगता है, इसके लिए सतगुरू देव जी ने बताया है कि उस समय परमात्मा से हृदय से माफी मांगनी चाहिए तथा मन न लगते हुए भी लगातार सुमरन करना चाहिए और ज्यादा से ज्यादा सत्संग सुनना चाहिए, सतगुरू देव जी ने बताया कि... उमंग बनाने रखने के लिए सत्संग ज्यादा से ज्यादा सुनना चाहिए, सुमरन में शुरू में मन नही लगता है लेकिन परमात्मा कहते है न चाहते हुए भी लगातार कम से कम बीस मिनट करते रहने से फिर काल का दबाव हटने लगता है और सुनने में आनंद आने लगता है अतः सत्संग जरूर सुनना चाहिए.. फिर भी किसी को शंका रह जाती है तो एक बात अपने दिमाग में अच्छे से बैठा ले की हम किसी ऐसे वैसे गुरू के शिष्य नहीं है

हम अखिल कोटि ब्रह्माण्ड नायक सर्व सृष्टि रचनहार कुल मालिक कबीर साहेब के अवतार जगतगुरू तत्त्वदर्शी संत शिरोमणी परम संत सतगुरू रामपाल जी महाराज जी के शिष्य (पुत्र–पुत्री) है,

और ऐसे महान संत के मुख कमल से दिया हुआ आदि अजर–अमर नाम कोई चिड़ी का बच्चा नहीं है जो...

किसी की शक्ल देखने से, या किसी का नाम सुनने से, या कोई ५ घंटे की डी०वी०डी० या वीडियो देखने से, या किसी के व्हाट्स ऐप्प मैसेज पढ़ने से या सत् सेवक सम्मेलनों में जाकर सच्चाई जानने से, या सच्चाई सुनने से खंड हो जाये, और यदि किसी भक्त की शक्ल देखने से या किसी भक्त का नाम लेने से ''नामखंड'' होता है तो विचार करना की परमात्मा का ''नाम'' बड़ा हुआ या उस भक्त की शक्ल बड़ी हुई, जो नाम को भी खंड कर देती है (अर्थात संगत में कोरा पाखंड फैलाया जा रहा है)

जो संगत आज कुछ भक्तो का नाम सुनने से और शक्ल देखने से इतनी घबराती है कि हमारा ''नामखंड'' हो जाएगा तो अफसोस इस बात का है कि जो लोग एक भक्त की शक्ल देखने से और बात करने से इतना डरते है वे कल को शरीर छूटने के उपरान्त रास्ते में 14 करोड़ बुरी बुरी शक्ल वाले यम दूतों का कैसे सामना करेंगे

आज बात बात पर ''नामखंड'' से डरने वाले भक्त विचार करे की 2006 से 2008 यानि जब गुरूजी 21 महीने रोहतक जेल में थे उस समय नामदान नहीं था और नाही कही शुद्दीकरण होता था, तो क्या 21 महीने किसी का भी नाम खंड नहीं हुआ था, और यदि किसी का नाम खंड हुआ था तो उस समय उन भक्तो ने कहा नाम शुध्द करवाया था, 21 महीने में ना कोई नाम दान था और नाही कोई शुद्ध करने वाला फिर भी गुरूजी ने कहा था कि काल मेरे एक भी पौधे का कुछ नहीं बिगाड़ सका, ''फिर आज भक्त समाज क्यों इतना डरा हुआ है अतः यहां स्पष्ट है कि जानबूझकर मैनेजमेंट द्वारा अपनी पोल खुलने के डर से भक्तो का नामखंड का भय दिखाकर डराया जा रहा है और सच सुनने व देखने से गुरूद्रोही का ड्रामा करके रोका जा रहा है, आश्रम में यदि किसी का नाम खंड हो जाता था तो गुरूजी ने कभी नहीं कहा कि आपको 4 हाजरी लगानी पड़ेगी, बल्कि गुरूजी साक्षात कहा करते थे की बेटा पहले अपना जाकर नाम शुद्ध करवा वर्ना काल भगवान का दांव लग सकता है लेकिन आज गुरूजी के ज्ञान के विपरीत नामखंड वाले भक्तो को हिसार के या जाट आंदोलन के या जंतर मंतर के चार चक्कर करवाये जाते है चार पेशी का मतलब 4 महीने, और यदि इन 4 महीनों में उस भक्त पर काल भगवान का दावं लग गया (यदि मर गया) तो उस भक्त की मौत का जिम्मेदार कौन होगा– कॉर्डिनेटर या मैनेजमेंट अर्थात एक और नया बदनामी का दाग गुरूजी पर ही लगेगा, अफसोस की बात है जिन लोगों के खुद के नामखंड है उन्ही की सेवा दुसरो के नाम शुद्ध करवाने की लगा रखी है जबकि 10–10 साल से भक्ति में लीन अपने आपको सतनामी और सारनामी कहलाने वाले व्यक्ति उनका विश्वास तो देखिये जिन्हें कोई बच्चा भी मजाक में कह देता है कि ''भक्त जी आपको तो नामखण्ड हो गया है'' जाकर शुद्ध करवा लीजिये नही तो मुश्किल हो जायेगा.. और वह तुरंत दौड़ लेता है

जगह जगह दुकाने खोल रखे गद्दार महेन्द्र के नीम हकीमो के पास क्योंकि फ्री में झाड़ा जो लग जाता है, ऐसे लोगो को नाही तो नाम पर विश्वास है और नाही भक्ति और भगवान पर, उन्हें अभी तक इस बात का आभास तक नहीं है कि हमने उस परमशक्ति से नाम ले रखा है जिसने...

1. श्री कृष्ण रूप में आकर सतनाम रहित द्रोपती का चीर हरण होने से बचाया

2. नरसिंह रूप में आकर सतनाम रहित प्रहलाद भक्त को गर्म खंबे की तपन से बचाया

3. सतनाम तो छोड़िए इस परमात्मा ने महाभारत के युद्ध में मानव तन रहित एक टटीहरी पक्षी के बच्चो को भी इंद्र के हाथी के घंटे से ढककर बचाया था

फिर है कलयुग के तत्त्वज्ञान प्राप्त प्राणी तुझे तो मानव तन और साक्षात वह परमात्मा और उसका अजरो अमर अखंड सतनाम मिला हुआ है जो दुनिया के किसी भी अस्त्र शस्त्र झाड़ झपाड़ तंत्र मंत्र से खंडित होना तो दूर, उस पर खरोच तक नही आ सकती है.. और हम झट से अपनी गंदी जुबान से कह देते है मेरा नाम खंड हो गया है... धिक्कार है ऐसे प्राणी को जो अपनी मर्यादाओं को खंड करके सतनाम अर्थात स्वंय परमात्मा को खंडित बताता है क्योंकि...

परमात्मा कहते है.... ''हम है शब्द, शब्द हम माही हम से भिन्न और कछु नाहीं, अर्थात वह परमात्मा शब्द स्वरूपी है, सत्संग में सतगुरू देव जी बार बार कहते है कि नाम लेने के बाद वह परमात्मा एक क्षण भी आपसे दूर नही होता है आप अपनी गलती से दूर हो जावो तो अलग बात है... इससे सिद्ध होता है कि सतगुरू हमे जो सतनाम देता है वह परमात्मा स्वरूप होता है... और हम मूर्ख प्राणी अपनी गलती से काई मर्यादा खंडित करके दोष उस परमात के सर पर डाल देते है कि नाम खंडित हो गया है... जब एक ऐसे महान भक्तो का नाम खंडित होता रहेगा तब तक गद्दार महेन्द्र और उसके सहयोगी नामदान संचालक रूपी नीम हकीमो का उनके चंदे से गौरख धंधा चलता रहेगा...

दास को 100% विश्वास है यदि यह नाम शुद्धीकरण रूपी झूठे झाड़े की 5000 रूपये फीस रख दी जाये तो कुछ ही दिनों में नीम हकीमो के इन नामदान

केंद्रो पर भक्त कम और मकड़ियों के जाले अधिक दिखाई देंगे क्योंकि यह सारा पाखंडतब तक ही चल रहा है जब तक कुछ मूर्खो के द्वारा इनकी दान पेटी में सिक्के डाले जा रहे है, जिससे पेड़ स्टाफ चल रहा है और कॉर्डिनेटर्स से लेकर नामदान रूपी नीम हकीमो का परिवार पोषण हो रहा हैं।

परमात्मा कहते हैः- मुर्दे को भी देत है कपड़ा पानी आग जीवित नर चिंता करे ताका बड़ा अभाग.. वह दयालु परमात्मा तो मुर्दे शरीर के लिए भी शशान में कपड़ा पानी और आग तक का प्रबंध करवाता है फिर तू जीवित प्राणी और ऊपर से सतनाम रूपी अमृतमयी जड़ी बूटी लेकर भी अपनी छोटी छोटी समस्याओं के लिये इस अखंड नाम पर शक कर बैठता है

सतगुरू देव जी ने बताया कि ... गरीब कच्चा हीरा किरच होवै नही सहे धन भार– ऐसो यह मन हो रहा लेखा ले करतार'' गुरूजी ने बताया कि ऐसे किसी परेशानी के समय में हमे नाम पर शंका ना करके अपनी भक्ति बढ़ानी चाहिये क्योंकि कुछ परेशानियों हमारे प्रारब्ध कर्मो की तो कुछ परमात्मा प्रदत होती है... क्योंकि ऐसे समय में ही परमात्मा ने देखना होता है कि मेरे भक्त को नाम पर कितना विश्वास है जबकि वर्तमान में...

किसी भक्त को लगातार 10 दिन खांसी और 5 दिन जुखाम लग जाती है तो दौड़ लेता है नाम दान पर बैठे नीम हकीमों के पास सर दर्द कमर दर्द घुटनों का दर्द शुरू हो जाता है तो नाम पर शंका, किसी का राम में बुरा स्वपन भी आ गया तो भाग लेता है नाम शुद्धीकरण के लिये, किसी को जरा सा व्यवसाय में घाटा या कोई काम ठीक से ना चले तो भी भाग लेता है टिका लगवाने, किसी की ट्यूबवैल में पानी आना बंद हो गया तो भग लेता है नामदान पर

तत्त्वज्ञान प्राप्त भक्त समाज को परमात्मा प्रदत बुद्धि से थोड़ा दिमाग पर जो डालकर आखिर समझना चाहिए की यह परमेशवर कबीर साहेब का अखण्ड नाम है कोई साईकल का पंचर नही जो 10 किलो वजन ज्यादा रख लिया तो वाल फट जाएगा, आज अनजाने में नामखण्ड के भय से भयभीत भक्त समाज का शरीर छूटने के बाद रास्ते में यम के हलकारे डराने की जब कोशिश करेंगे.. उस समय ध्यान रखना वहां आसपास कोई नामदान केंद्र नही मिलेगा, अगर

काम आएगा तो यह सतनाम काम आएगा चाहे आप इसें खंड समझना या अखंड

परमात्मा कहते है ''ब्राहमण से गधा भला आन देव से कुत्ता– मुल्ला से मुर्गा भला शहर जगावै सूता''

इन नकली नामदान केंद्रो पर बैठकर भक्तो के दान पर हराम के टूक तोड़ रहे ब्राह्मण से तो गधा अच्छा है जो खुद भी मेहनत की खाता है और अपने मालिक को भी खिलाता है और संगत को सच्चाई ना बताकर झूठ की नाव पर बैठा रखे इन सभी कॉर्डिनेटर्स रूपी मुल्लो से तो वह मुर्गा सौ बार अच्छा है जो समय पर लोगो को नींद से जगाता है.. आज आम भक्त समाज से अधिक दोषी ये महेन्दर के पालतू कॉर्डिनेटर्स है जो सच्चाई से परिचित होकर भी स्वार्थ वश आम भक्त समाज को गुमराह किए बैठे हैं

ऐसे के विषय में परमात्मा ने और बताया है कि...

कलयुग का ब्राह्यमण मसखरा ताहि ना दीजे दान परिवा सहित नरकै चला और संग लिए जजमान ... यह मनवश गद्दार महेन्दर कलयुग का ब्राह्यण है जो अपने खोटे कर्म आधार से परिवार को तो नरक में ले जाने का काम कर ही रहा है साथ ही साथ कॉर्डिनेटर्स रूपी अपने जजमानों को भी नरक का रास्ता दिखाने की पूरी तैयारी करके बैठा हुआ है भाई कोई बच सके तो बच लेना समय बहुत कम है, आज वर्तमान में चूंकि सतगुरू देव जी हिसार जेल में बैठे है और इधर गद्दारो ने जगह जगह धंधे खोल रखे है ऐसे में पाठ या ज्योति करवाने का सबसे अच्छा विकल्प है संकल्प.. सर्व विदित है कि परमात्मा अंतर्यामी है वह दिखावे से नहीं बल्कि सच्चे हृदय व श्रद्धा भाव से की गई अपने बच्चो की पुकार को १६ संख कोस की दूरी पर बैठा बैठा सतलोक में भी सुन लेता है तो फिर हिसार जेल कोनसी दूर है,

अतः मालिक के आर्शिवाद व विधि अनुसार यदि किसी भक्त भाई बहन ने पाठ या ज्योति करवाने की प्रबल इच्छा है तो अपने घर पर ही दरबार साहेब के सामने अंतर्यामी को दंडवत करके पाठ व ज्योति या दान का संकल्प ले सकते है और जब कभी सतकगुरू देव जी जेल से बाहर आश्रम आने की दया करे तो वह पैसा उनके कर कमलों में देवे

यही विधि किसी परेशानी या संकट के समय प्रार्थना की है

आज हम अनजाने में आश्रम के नम्बरो पर फोन करके वहां बैठे पाखंडी पेड़ स्टाफ से प्रार्थना करके अपने संकट निवारण की प्रार्थना लगाते है जो उल्टा पाठ या ज्योति का फरमान सुना देते है....

तत्त्वज्ञान आधार से अगर सतगुरू देव जी सन्मुख हो तो बात अलग है अन्यथा प्रार्थना लगाने क मतलब है की उस भक्त ने अभी तक साहेब को अंतर्यामी नही माना है वह सोचता है कि जब तक मै बताऊँगा नही तब तक भगवान मेरी सुनेगा नहीं अब आप खुद ही सोचिए कि संकट के समय द्रोपदी ने कौन से आश्रम के नम्बरो पर फोन करके परमात्मा को अपनी आपत्ति के विषय मे बताया था लेकिन फिर भी अंतर्यामी प्रकट हुआ

1. महाभारत के समय अपने बच्चो पर आए संकट के दौरान टटीहरी ने परमात्मा की कौनसी बेटी से अर्जी लगवाई थी जो अंतर्यामी वहां भी प्रकट हुआ,

2. प्रहलाद भक्त ने कौन से स्टेट कॉर्डिनेटर्स के यहां पाठ व ज्योति के पैसे जमा करवाये थे जो... अंतर्यामी परमात्मा वहां भ नरसिंह रूप धरकर आया,

3. कुम्हार के गर्म मटको के नीचे दबे अपने बच्चो के लिए बिल्ली ने कौन से वकील की मिलाई पर परमात्मा को संदेश भेजा था जो ... अंतर्यामी वहां भी प्रकटा हुआ

4. और सम्मान मणिहार ने कौन से नमदान पर जाकर नाम शुद्ध करवाय था जो परमात्मा ने सेऊ की कटी हुई गर्दन जोड़ दी थी इसीलिए तो परमात्मा ने कहा है कि .. खोजी होय तो तुरंत मिल जाऊ एक पल ही कि तलाश में– कहै कबीर सुनो भाई साधु मैं तो हूँ विश्वास में ... और जिसको यह विश्वास नहीं है कि परमात्मा अंतर्यामी है

फिर वह भक्त चाहे नामदान पर शुद्धीकरण का टीका लगवाता फिरे, चाहे जंतर मंतर की धूप खाता फिरे, चाहे हिसार जेल के सामने दंडवत करता फिरे, चाहे मुंडका में पाठ और ज्योति करवाता फिरे,

चाहे दिन रात मिलावटी ज्ञान गंगा बेचता रहे.... उसे लाभ उस दान धर्म और सेवा का नही बल्कि मालिक की दी हुई बुद्धि से लगता है उसके प्रारब्ध कर्मो की बैठरी चल रही है

जिस मैनेजमेंट के द्वारा आज वतमान में जगह जगह भोले भक्तो से पैसे ऐंठने के लिए नामदान रूपी दुकाने खोली जा रही है आपको यह जानकार हैरानी होगी की इसी मैनेजमेंट ने सतलोक आश्रम बरवाला मे गुरूजी की आँखो तले उन्ही का आदेश बताकर एक बहन को आश्रम मे अलग से गुरू बना दिया था और उस बहन से अन्य भोले भाले भक्तो को गुरूजी का आदेश बताकर नामदान भी दिलवाने लग गए थे,

और जब काफी दिनों बाद इस बात का पता गुरूजी को चला तो गुरूजी ने उन सबको धमकाया और पुनः सबके नाम शुद्ध करवाये और गुरूजी नेकहा कि तुम्हारी आज से पहले की सारी भक्त खत्म होगई हैं।

सुनिये गुरूजी के मुख कमल से यह ऑडियो हमारी वेबसाइट www.barwalakand.com पर और विचार करे जो मैनेजमेंट गुरूजी के रहते सहते उनके आदेशो की आड़ में आश्रम में ही अलग से गुरू बनाकर नामदान शुरू करने की साजिश कर सकता है तो आज उस पाखंडी मैनेजमेंट के लिए जगह जगह दुकाने खोलना कौनसी बड़ी बात है

भक्त आत्माओं सत सेवको का उद्देश्य केवल संगत को सबूत आधार पर सत्य से परिचित करवाना है मैनेजमेंट की तरह किसी पर कोई जबरन दबाव देना नहीं है, हम केवल प्रार्थना कर सकते है मैनेजमेंट की तरह नामखंड का भय नहीं दिखा सकते है और नाही ज्रोति पर हाथ रखवाकर कसम दिला सकते है जैसा की मैनेजमेंट भोले भक्तो के साथ कर रहा है,

पुण्यात्माओं, सत्य को सत्य कहना और ठगे जा रहे भोले भक्तो को वास्तविकता से परिचित करवाना किसी की निंदा या चुगली नहीं होती है गुरूजी कहते है साँचा शब्द कबीर का प्रगट किया जग माहि– और जैसे को तैसा कहे सो तो निंदा नाही,

बल्कि संगत को शुक्र मनाना चाहिए मालिक का, की इस समय आपने हम तुच्छ जीवो को भ्रमित होने से बचाने के लिए अपने कुछ कुत्तो को निमित्त बनाया, जो हर एक सच्चाई सबूतों के साथ दिखा रहे हैं,

परमात्मा कहते है भक्त सोही जो भय नहीं आणे

अर्थात एक सच्चा भक्त कभी भी भय डर को अपने आस पास भी नहीं आने देगा, क्योंकि जिन्हें अपने गुरू पर उनके ज्ञान पर और उनके द्वारा दिए गए नाम पर पूर्ण विश्वास होगा वे कभी किसी के डराने से भी नहीं डरते...

याद रखिये जब तक कांटो वाले पेड़ को खात मूत देते रहोगे वह बढ़ता रहेगा और लोगो की राह में कांटे बिछाता रहेगा... और बरवाला कांड के उपरांत आचार विचार और वाणी से यह 101% प्रमाणित हो चुका है की वह लंबे कांटो वाला बबूल का पेड़ मनवश महेन्द्र व सतलोक आश्रम मैनेजमेंट है जिसे संगत जबतक जानबूझकर या अनजाने में आम का वृक्ष समझकर धर्म के रूप में दान व तन के रूप में इनकी रैलियों व पेशियों में जा जाकर इन्हें खात मूत देती रहेगी तब तक इनके कुकर्मो के कांटे संगत के साथ साथ हिसार में निर्दोष होकर भी जेल में बैठे सतगुरू देव जी को भी चुभते रहेंगे

परमात्मा की दी हुई बुद्धि से लगता है पिता जेल में है और संगत में पढ़े लिखे व स्मार्ट फोन प्रयोग करने वाले वे सभी भक्त परमात्मा के दोषी है जो सत सेवको के हर मैसेज को पढ़ते है और अपनी आँखो से सबूतों सहित सारी सच्चाई से परिचित होने के बाद भी यदि संगत को अपना भाई बहन समझते हुए यह सबूत आधारित सच्चाई उन तक नही पहुचाते है तो धिक्कार है उन्हें जो परमात्मा प्रदत इन उपकरणों का सही से उपयोग नहीं कर रहे हैं।

सतगुरू देव जी ने एक सत्संग में कहा था कि बच्चो काल भगवान ने तो यह उपकरण टीवी, रेडियो, मोबाइल इस जीव के कर्म फुड़वाने के लिए चलाये है ताकि सारा दिन इसमें बकवाद देखते रहे लेकिन परमात्मा अपना ज्ञान देकर इन्ही उपकरणों के माध्यम से अपना ज्ञान और इस सच्चाई का प्रचार करवाकर अपनी आत्माओ के कर्म बनवाएंगे

अतः निवेदन है कि आज हमारे लिए परमात्मा पहले है और सेवा बाद में है यह सच्चाई ज्यादा से ज्यादा भक्तो तक पहुचाये ताकि अनजान आत्माएं भी मैनेजमेंट के पाखंड से बाहर निकले ताकि अपनी आत्माओ को सत्य का संग व ज्ञान विवेक आधार से चलता देख वह परमात्मा खुश होकर जेल से बाहर हमारे बीच में आने की दया कर सके।

(मेरठ में हर माह होने वाले भगत मिलन सम्मेलन स्थल का पता)

जगदीश धर्मकाटा, मेरठ बाईपास, बागपत रोड, नजदीक सुभारती यूनिवर्सिटी, जिला- मेरठ, उत्तर प्रदेश, मेरठ सम्मेलन में आने वाले भक्तो के लिए सतगुरू की कृपा से भण्डारा व रात्री विश्राम की सुविधा हर समय रहती हैं, व पिछले एक वर्ष से परमात्मा की अखण्ड ज्योति प्रजवलित हो रही है, लेकिन किसी भी भक्त से दान ज्योति, व पाठ आदि के नाम से कोई भी पैसा नहीं लिया जाता है।

प्रार्थी/लेखक
जगतगुरू तत्वदर्शी परमसंत सतगुरू रामपाल जी महाराज जी का शिष्य
पवन दास, जयपुर (राजस्थान)
8769548494, 8696215598

महेन्द्रउ र्फम ोहनल ालस हितम ैनेजमेंटक ेस भीस दस्य,स टेटक ोडिनेटर वअ न्य ितनेभ ीम नवशल ोगह ैं ि जनकीब रवालाक ाण्डम े प्रत्येक्षव अ प्रत्येक्षकरू पम ेभ ूमिकार हीह ैउ नस भीक ीफ ोटोप तेव मोबाइलन ंो ीचे ि दयेज ार हेह ैं।

LIST OF MANAGEMENT MEMBER,S AND RSSS MEMBER,S

NAME MAHENDRA SINGH JAT
FATHER NAME NAND LAL JAT
ADDRESS H NO. 958, WARD NO 12, LAXMI VIHAR, BARWALA- RURAL, BARWALA, DISTRICT- HISAR, (HARIYANA)
MOB. NO
DEGINATION TRUSTY OF KABIR PERMESHWAR BHAKTI TRUST, SATLOK ASHRAM BARWAL,
YOUNGER BROTHER OF SANT RAMPAL JI MAHARAJ
MAIN NETWORK HOLDER OF ALL STATE COORDINETORS

NAME AMIT KUMAR
FATHER NAME MAHENDRA SINGH JAT
ADDRES H NO. 958, WARD NO-12, LAXMI VIHAR, BARWALA- RURAL, BARWALA, DISTRICT- HISAR, (HARIYANA)
MOB. NO 9034348034
DEGINATION ASSISTANT OF RSSS, BLOOD RELATION WITH SANT RAMPAL JI MAHARAJ (NEPHEW)

NAME BALJEET SINGH
FATHER NAME LAHARI SINGH
ADDRESS H NO.260, WARD NO-11, NEAR JANTA HOSPITAL BARWALA, DISTRICT- HISAR (HARIYANA)
MOB. NO
DEGINATION MAIN TRUSTY OF KABIR PERMESHWAR BHAKTI TRUST BARWALA (HR) AND BAITUL (MP)

NAME RAJENDRA
FATHER NAME LEKHRAM
ADDRESS H NO-129-A, VILLAGE- BHATGAON MALIYAN, TEHSIL- SONIPAT, DISTRICT- SONIPAT, (HARIYANA)
MOB. NO
DEGINATION MEMBER OF RSSS

NAME JOJI KAPOOR
FATHER NAME
ADDRESS VILLAGE- BIDOTA, TEHSIL- CHARKHI DADRI, DISTRICT- BHIWANI, (HARIYANA)
MOB. NO
DEGINATION MEMBER OF RSSS, SATLOK ASHRAM MEDIA PRAVAKTA

NAME PURUSHOTAM
FATRHER NAME BABURAM SAINI
ADDRESS NEAR DC COTHI, SUNDARPUR ROAD, SUNDARPUR, DISTRICT- KRUKSHTRA, (HARYANA)
MOB. NO
DEGINATION MEMBER OF RSSS

NAME ANIL MAAN
FATHER NAME
ADDRESS M/S. MAN READYMADE GARMENTS/MAN PROPERTY, LAL BAGH, LONI, DISTRICT- GAZIYABAD, (UTTRA PRADESH)
MOB. NO 8376930429
DEGINATION ASSISTANT OF RSSS

STATE CORDINETOR,S LIST

NAME VISHNU SAHU/VISHVNATH SAHU
FATHER NAME SHIVCHARAN SAHU
ADDRESS NEAR SARDA CHOWK, SADAR M BAT JL (MADHY PRADESH)
MOB. NO 9425381640
DEGINATION MEMBER OF RSSS, MANAGER OF SATLOK ASHRAM BAITUL IN MADHY PRADESH
STATE CORDINCTOR OF ALL MADHY PRADESH, HE HAVE 52 PERSON,S TEAM AS A DISTRICT CORDINETOR AND ALSO HAVE ALL RESPONSIBILITY OF SATLOK ASHRAM BAITUL (MP)

NAME PRAKASH KACHHAVAHA/BABLU
FATHER NAME BHANWAR LAL KACHHAVAHA
ADDRESS GALI NO.2, BHUMANTIYA, (KALU JI KI BAWADI) SURSAGAR, JODHPUR (RAJASTHAN)
MOB. NO 07568883414, 09950555546
DEGINATION MEMBER OF RSSS, STATE CORDINETOR OF ALL RAJASTHAN, HE HAVE 32 PERSON,S TEAM AS A DISTRICT CORD NETOR IN RAJASTHAN

NAME OMPRAKASH
FATHER NAME CHAMARI LAL
ADDRESS VPO- KANGU, DISTRICT - MANDI (HIMACHAL PRADESH)
MOB. NO 9816050436
DEGINATION STATE CORDINETOR OF ALL HIMACHAL PRADESH, HE HAVE MANY PERSON,S TEAM AS A DISTRICT CODINETOR IN HIMACHAL PRADESH

NAME BASANT SAINI
FATHER NAME PREM SINGH
ADDRESS H NO-119, VPO- GANDHRA, GANDHRA-44, ROHTAK, (HARYANA)
MOB. NO
DEGINATION MEMBER OF RSSS

NAME SATDEV HUDDA
FATHER NAME
ADDRESS
MOB. NO
DEGINATION ASSISTANT OF RSSS

NAME SUMIT
FATHER NAME ROHTASH
ADDRESS H NO- 181, VILAGE- BARHANA, TEHSIL- BERI, DISTRICT- JHAJJAR, (HARYANA)
MOB. NO
DEGINATION COMMANDO TRAINER + RELATIVE OF SANT RAMPAL JI MAHARAJ

NAME MANOJ
FATHER NAME
ADDRESS HARYANA
MOB. NO 9812138507
DEGINATION ASSI. OF RSSS

NAME ADVOVATI RAVINDRA
FATHER NAME
ADDRESS KODHIYAN- (HARIYANA)
MOB. NO 9468031212
DEGINATION MEMBER OF RSSS, MEMBER IN MANAGEMENT

NAME RAJENDRA MOR
FATHER NAME
ADDRESS VILLAGE- BARODA, TEHSIL- GOHANA, DISTRICT-SONIPAT, (HARIYANA)
MOB. NO 9813217732
DEGINATION MEMBER OF RSSS,

NAME SUNIL CHOUDHARY
FATHER NAME KRISHAN
ADDRESS H NO- 125, BLOCK NO-323, VILLAGE- KARSOLA, TEHSIL- JULANA, DISTRICT- JIND, (HARIYANA)
MOB. NO 8822634774
DEGINATION MEMBER OF RSSS

NAME DEEPAK KUMAR
FATHER NAME BALJEET SINGH
ADDRESS H NO-1006/30, GALI NO-2, MALVIYA NAGAR, DISTRICT- SONIPAT, (HARIYANA)
MOB. NO
DEGINATION ASSISTANT OF RSSS

NAME AMIT KALA
FATHER NAME
ADDRESS (HARIYANA)
MOB. NO
DEGINATION ASSISTANT OF RSSS

NAME ASHISH
FATHER NAME JAIPAL
ADDRESS VILLAGE- MANGAWAS, JHAJJAR-120, PALRA JHAJJAR, (HARIYANA)
MOB. NO 9812196859
DEGINATION ASISTANT OF RSSS

NAME BALWAN JAGHAR
FATHER NAME
ADDRESS H NO-321/2, NEAR OLD DAK KHANA, FIRST GALI, AZADPUR, (DELHI)
MOB. NO
DEGINATION MEMBER OF RSSS

NAME SATYA
FATHER NAME
ADDRESS UTTRAKHAND
MOB. NO 7055452954
DEGINATION STATE CORDINETOR OF ALL UTTRAKHAND, HE HAVE PERSON,S TEAM AS A DISTRICT CORDINETOR

NAME	DAHIYA
FATHER NAME	
ADDRESS	H NO-F-3-393, SGM NAGAR, MAIN BADKAL ROAD, NEAR SHARMA CHOWK, FARIDABAD, (HARIYANA)
MOB. NO	8750618380
DEGINATION	ASSISTANT OF RSSS

NAME	RAMDATT SHARMA
FATHER NAME	
ADDRESS	MAIN BADKAL ROAD, NEBA SHARMA CHOWK, FARIDABAD (HARIYANA)
MOB. NO	9810460345
DEGINATION	ASSISTANT OF RSSS

NAME	NE ARYA
FATHER NAME	DESHRAJ
ADDRESS	JIND (HARIYANA)
MOB. NO	9355533965
DEGINATION	ASSISTANT OF RSSS

NAME	NAVEEN
FATHER NAME	BALWAN SINGH JANGRA
ADDRESS	[DTC] ASHOK VIHAR, GALI NO-5, MEHLANA ROAD, SONIPAT (HARIYANA)
MOB. NO	9992600944
DEGINATION	ASSISTANT OF RSSS

NAME	SANJEEV HUDDA
FATHER NAME	
ADDRESS	H NO. C-30, SURAJ PARK, ROHINI, SECTOR-18, (DELHI 42)
MOB. NO	9560482460
DEGINATION	MEMBER OF RSSS, STATE CORDINETOR OF ALL UTTAR PRADESH, HE HAVE MANY PERSON,S TEAM AS A DISTRICT CORDINETOR IN ALL UTTAR PRADESH

NAME	DEEPAK
FATHER NAME	HEMRAJ
ADDRESS	CITY GOVINDGARH, H NO-534, SECTOR 25-A, GALI NO 10, DASHMESH COLONY, DISSTRICT- FATEHGARH (PUNJAB
MOB. NO	9888890630
DEGINATION	STATE CORDINETOR OF ALL PUNJAB, HE HAVE MANY PERSON,S TEAM AS A DISSTRICT CORDINETOR

NAME	AMAN
FATHER NAME	
ADDRESS	H NO 77, NEAR JIND CHOWK, DISSTRICT- ROHTAK, (HARIYANA)
MOB. NO	09513182232, 08898532703, 09992090543
DEGINATION	MEMBER OF RSSS, STATE CORDINETOR OF ALL HARIYANA, HE HAVE MANY PERSON,S TEAM AS A DISTRICT CORDINETOR IN ALL HARIYANA

NAME	RAJDEV
FATHER NAME	
ADDRESS	VILL- ENGLISH, TEHSIL- PARAYA, DISTRICT- GAYA, (BIHAR)
MOB. NO	7542095733
DEGINATION	MEMBER OF RSSS, STATE CORDINETOR OF ALL BIHAR, HE HAVE MANY PERSON,S TEAM AS A DISTRICT CORDINETOR IN ALL BIHAR

NAME MASTER RAM KUNWAR DHAKA
FATHER NAME
ADDRESS H NO.704/18, AZAD NAGAR, DISTRICT- ROHTAK, (HARIYANA)
MOB. NO
DEGINATION PRESIDENT OF RSSS

NAME RAMNIWASH
FATHER NAME
ADDRESS CHHAWLA, (DELHI)
MOB. NO 08104038[illegible]
DEGINATION IN PERSENT MANAGER OF RSSS

NAME DR. SANDEEP SHARMA
FATHER NAME
ADDRESS F-13, PHASE-1, NEW PALAM VIHAR, GURGAON, (HARIYANA)
MOB. NO 09810271351, 09971987989
DEGINATION MEMBER OF RSSS, MEMBER IN MANAGEMENT

NAME ADDOCATE SUMAN DEVI
WIFE OF DR. SANDEEP SHARMA
ADDRESS F-13, PHASE-1, NEW PALAM VIHAR, GURGAON, (HARIYANA)
MOB. NO 9971987989
DEGINATION ASSISTANT OF RSSS,

NAME ROSHAN SAINI
FATHER NAME BABURAM SAINI,
ADDRESS H NO-119, VILLAGE HB NO-44, VILLAGE- GANDHARA, ROHTAK, (HARIYANA)
MOB. NO 9996484360
DEGINATION ASSISTANT OF RSSS

NAME DESHRAJ
FATHER NAME
ADDRESS DDA FLAT SHAHDARA (DELHI)
MOB. NO 9990600187
DEGINATION ASSISTANT OF RSSS

NAME KULDEEP
FATHER NAME
ADDRESS UTTRAKHAND
MOB. NO 8979509084
DEGINATION ASSISTANT OF RSSS

NAME RAMSWAROOP SAHGAL
FATHER NAME
ADDRESS BADARPUR (DELHI)
MOB. NO
DEGINATION ASSISTANT OF RSSS, LEGAL WORKER OF SATLOK ASHRAM BARWALA